@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 22 सितंम्बर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 313 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

नमो मैराथन जैसे कार्यक्रम स्वस्थ समाज की कुंजी : मुयमंत्री योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में 'नशामुक्त भारत' के लिए 'नमो युवा रन' मैराथन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने संदेश दिया कि 'नमो मैराथन' जैसे कार्यक्रम स्वस्थ समाज की कुंजी हैं। उन्होंने युवाओं से 'नशामुक्त भारत' के संकल्प की ओर अग्रसर होने का आह्वान भी किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम 17 सितंबर से शुरू हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने मध्य प्रदेश के धार से 'स्वस्थ नारी, सशक्त समाज' थीम के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पीछे स्पष्ट धारणा है कि नारी स्वस्थ होगी तो समाज स्वस्थ होगा और परिवार सशक्त होगा। उन्होंने कहा, 'देश 'विकसित भारत' की धारणा को लेकर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से हमने 'विकसित भारत' के साथ 'विकसित उत्तर प्रदेश' अभियान को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। मुझे खुशी है कि इस कार्यक्रम को युवाओं, किसानों और

मजदूरों समेत समाज के प्रबुद्धजनों का समर्थन मिल रहा है। हर व्यक्ति अपने सेक्टर में सहयोग करने के लिए तैयार है।' मुख्यमंत्री ने संदेश दिया कि हमें अपने गांव, नगर और कस्बे को भी विकसित बनाना है और इसकी कुंजी 'आत्मनिर्भरता' है।उन्होंने कहा, 'आत्मनिर्भरता की कुंजी स्वस्थ समाज में है और स्वस्थ समाज की कुंजी 'नमो युवा रन' जैसे कार्यक्रम में है।' सीएम योगी ने यह भी कहा कि नशा नाश का कारण है, नैतिक पतन का कारण है। अगर युवा सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ता है तो यह राष्ट्र के लिए कल्याणकारी होता है, लेकिन यही युवा शक्ति नशे की चपेट में आती है तो उसमें घुन लग जाता है। हमें अपनी युवा शक्ति पर गौरव की अनुभूति होती है, लेकिन हमें उसे विघटनकारी और दुष्प्रवृत्तियों की चपेट में आने से बचाना होगा। लखनऊ पश्चिम से भाजपा विधायक नीरज बोरा ने आईएएनएस से कहा कि 'नमो युवा रन' जैसे आयोजन प्रधानमंत्री के जन्मदिन को मनाने का सबसे सुंदर तरीका है। युवा नशा मुक्त हों, हमने कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश देने की कोशिश की है। नशा मुक्त और स्वस्थ युवा इस देश के एंबेसडर हैं, और ऐसे युवाओं की कोशिश से 'विकसित भारत' का सपना पूरा हो सकेगा। लखनऊ के अलावा उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर और आगरा में भी कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। शाहजहांपुर में 'नमो युवा रन' मैराथन में बड़ी संख्या में युवा और छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। मैराथन को उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने हरी झंडी दिखाई। उन्होंने युवाओं से अपनी ऊर्जा को राष्ट्रहित और सकारात्मक दिशा में लगाने का आह्वान किया।

● मैराथन को उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने हरी झंडी दिखाई। उन्होंने युवाओं से अपनी ऊर्जा को राष्ट्रहित और सकारात्मक दिशा में लगाने का आह्वान किया।

जीएसटी की नई दरें आज से लागू

● सामान सस्ते होंगेः पनीर, घी, साबुन, शैंपू के साथ कार, एसी की कीमतें घटीं

एजेंसी

नई दिल्ली। नवरात्रि (22 सितंबर 2025) के पहले दिन से गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स सुधार लागू होने जा रहे हैं। देश के अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में जीएसटी 2.0 को ऐतिहासिक बदलाव माना जा रहा है। नए प्रावधानों के तहत अब जीएसटी की दो मुख्य दरें- 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत ही होंगी और सिन गुड्स जैसे शराब, तंबाकू आदि हानिकारक चीजों पर 40 प्रतिशत का स्पेशल टैक्स स्लैब लागू होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली जीएसटी काउंसिल ने सितंबर में आयोजित बैठक में इनडायरेक्ट टैक्सेशन सिस्टम में बड़े बदलाव की घोषणा की थी। इसका मकसद टैक्स स्लैब को सरल बनाना, खपत को बढ़ावा देना और दरों को तर्कसंगत

बनाना था। नए प्लान के तहत, सरकार ने जीएसटी के चार टैक्स स्लैब की जगह दो टैक्स स्लैब पेश किए हैं। इसके अलावा एक अतिरिक्त 'sin ta&' ब्रैकेट भी है। जरूरी वस्तुओं को अब 5 प्रतिशत के टैक्स स्लैब में रखा गया है। जबकि अधितर अन्य सामान और सर्विसेज को 18 प्रतिशत के स्लैब में रखा गया है। वहीं लग्जरी और सिन गुड्स जैसे तंबाकू, शराब, सट्टेबाजी और ऑनलाइन गेमिंग को स्पेशल 40 प्रतिशत स्लैब में रखा गया है।

रोजमर्रा की जरूरत की चीजें3 कई घरेलू उत्पाद जिन पर अभी 12प्रतिशत टैक्स लगता है, उन्हें 5प्रतिशत स्लैब लाया गया है।

- टूथपेस्ट, साबुन और शैंपू
- बिस्किट, स्नैक और जूस जैसे पैकेज्ड फूड
- घी, मक्खन, बटन और कंडेन्स्ड मिल्क जैसे डेयरी आइटम
- साइकल और स्टेशनरी आइटम
- किफायती कपड़े और फुटवियर

मध्यम वर्ग के घरों के लिए, रोजमर्रा के इस्तेमाल पर मिलने वाली थोड़ी भी छूट से महीने में कुल बचत काफी बढ़ सकती है।
इसके अलावा घरेलू उपकरण और इलेक्ट्रॉनिक्स भी सस्ते हो जाएंगे। जिन आइटम्स पर अभी 28प्रतिशत टैक्स लगता है, उन्हें 18प्रतिशत स्लैब में लाया गया है। जिससे ये 7-8प्रतिशत तक सस्ते हो सकते हैं।

आने वाला समय भारत का है, पूरी दुनिया इसे देखेगीः मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 21 सितंबर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि आने वाला समय भारत का है। भारत विश्व गुरु के रूप में उभर रहा है और इसे पूरी दुनिया देखेगी। मुख्यमंत्री ने यह विचार कल 'विकसित भारत कला शिविर- सेवा पखवाड़ा' कार्यक्रम में व्यक्त किए। महरौली आर्कियोलॉजिकल पार्क स्थित मोहम्मद कुली खां मकबरे के निकट आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली सरकार के दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग तथा साहित्य कला परिषद ने किया था।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ऐतिहासिक स्मारकों का संरक्षण और उन्हें सजाना-संवारना सरकार का महत्वपूर्ण कार्य है और इसे देश के आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विज़न के अनुरूप लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। इस विशेष कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा, क्षेत्रीय विधायक गजेन्द्र यादव, सचिव रश्मि सिंह व अन्य गणमान्य जन उपस्थित थे। इस आयोजन में लगभग 1000 बच्चों और 75 युवा कलाकारों द्वारा अपनी रचनात्मकता और कला का प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही साहित्य कला परिषद ने सांस्कृतिक कार्यक्रम 'अनेकता में एकता' भी प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी कहा कि यह आयोजन भारत माता की संस्कृति और कला का एक सुंदर उत्सव है, जिसे मंत्रालय द्वारा आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 'सेवा पखवाड़े' के तहत आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर चार ऐसे स्मारक समर्पित किए गए, जिनका पुनर्स्थापन पूरी तरह किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री के विज़न- 'विकास भी और विरासत भी' को प्रदर्शित करता है।

शेष पृष्ठ 3 पर

संयुक्त राष्ट्र शांति दिवस पर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे बोले - शांति आत्मा से आती है

खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि महात्मा गांधी की अहिंसा की सीख नफरत और हिंसा को कम करने में मददगार साबित हो सकती है।

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस पर कहा कि भारत की विविधता और संवाद की परंपरा आज की अशांत दुनिया के लिए उम्मीद की किरण है। यह दिवस हर साल संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनाया जाता है। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि महात्मा गांधी की अहिंसा की सीख नफरत और हिंसा को कम करने में मददगार साबित हो

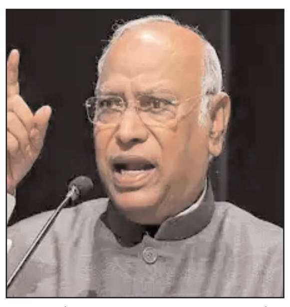

सकती है। उन्होंने लोगों से युद्ध और असमानता के खिलाफ एकजुट होकर खड़े होने की अपील की कांग्रेस अध्यक्ष ने इस अवसर पर देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को भी याद किया। उन्होंने नेहरू का कथन याद करते हुए कहा कि शांति मन की वह स्थिति है जो आत्मा से आती है। खरगे ने कहा कि यह विचार इस साल के शांति दिवस के थीम शांतिपूर्ण विश्व के लिए कदम उठाओ से मेल खाता है, जो सबको एक करने का संदेश देता है।

युद्धाभ्यास के बाद सैन्य चिकित्सा में भारत-अमेरिका आए साथ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका, सेना से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में एक-दूसरे के सहयोगी हैं। दोनों देशों की सेनाओं ने हाल ही में संयुक्त सैन्य अभ्यास भी किए हैं। अब सैन्य क्षेत्र में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए भारतीय सशस्त्र बलों की चिकित्सा सेवा के वरिष्ठ अधिकारी, अमेरिकी सशस्त्र बलों की चिकित्सा सुविधाओं का अध्ययन करने अमेरिका पहुंचे हैं।

अमेरिका यात्रा के दौरान विशेष रूप से मरीन मेडिसिन तथा एविएशन मेडिसिन पर चर्चा की गई। मरीन मेडिसिन समुद्र में तैनात नौसैनिकों के लिए होती है। वहीं, एविएशन मेडिसिन एयरफोर्स से लेकर अंतरिक्ष यात्रियों व ऐसे ही अन्य मिशनों में तैनात विशेषज्ञों के लिए मददगार साबित होती है।भारतीय सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों

का एक प्रतिनिधिमंडल, महानिदेशक व सर्जन वाइस एडमिरल डॉ. आरती सरीन के नेतृत्व में अमेरिका पहुंचा है। भारतीय दल अमेरिकी सशस्त्र बलों की चिकित्सा सुविधाओं के अध्ययन दौरे पर होनोलूलू, हवाई में है। इस यात्रा के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिकी रक्षा चिकित्सा अधिकारियों के साथ सैन्य स्टाफ स्तरीय वार्ता की है।इन वार्ताओं में सैन्य चिकित्सा, मरीन मेडिसिन तथा एविएशन मेडिसिन जैसे विशेष क्षेत्रों में अपनाई जा रही श्रेष्ठ प्रथाओं को साझा किया गया। साथ ही दोनों देशों के बीच होने वाले द्विपक्षीय सैन्य अभ्यासों में चिकित्सा सहयोग बढ़ाने के विषय पर भी विस्तार से चर्चा की गई। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिकी सैन्य चिकित्सा प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। वहां उपलब्ध अत्याधुनिक चिकित्सा ढांचे, आपातकालीन चिकित्सा देखभाल, तथा सैनिकों की तैनाती के दौरान चिकित्सा प्रबंधन की व्यवस्था को गहराई से समझा है। भारतीय टीम ने अपने अनुभवों और कार्यप्रणालियों को भी साझा किया, जिससे दोनों देशों के बीच इस क्षेत्र में आपसी समझ और विश्वास अधिक मजबूत हुआ है।

वोट चोरी के नारे के मामले में कांग्रेस के पीछे देश विरोधी ताकतों की साजिशः हरीश द्विवेदी

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं असम के प्रदेश प्रभारी हरीश द्विवेदी ने कहा है कि वोट चोरी के नारे और आरोप पूरी तरह से निराधार है। कांग्रेस के पीछे देश विरोधी ताकतें साजिश करके देश की एकता और अखण्डता पर प्रहार करना चाह रही है। भाजपा कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी वोट चोर का नारा और आरोप जो लगा रही है पूरी तरह से निराधार है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20 मिनट देश को संबोधित किया

सभी राज्यों के सहयोग से 'वन नेशन, वन टैक्स' का सपना हुआ साकार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में जीएसटी 2.0 सुधारों को देशहित में बताया। उन्होंने 'वन नेशन, वन टैक्स' को मजबूत बनाने और स्वदेशी मंत्र पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों और सबको साथ लेकर आजाद भारत का इतना बड़ा टैक्स रिफॉर्म्स संभव हो पाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा,'जब आपने हमें 2014 में सेवा का अवसर दिया, तो हमने जनहित में, देशहित में जीएसटी को अपनी प्राथमिकता बनाया। हमने हर स्टेक होल्डर से चर्चा की, हमने हर राज्य की हर शंका का निवारण किया और हमने हर सवाल का समाधान खोजा। सभी राज्यों और सबको साथ लेकर आजाद भारत का इतना बड़ा टैक्स रिफॉर्म्स संभव हो

पाया। यह केंद्र और राज्यों के प्रयासों का नतीजा था कि आज देश दर्जनों टैक्स से मुक्त हुआ। 'वन नेशन, वन टैक्स' का सपना साकार हुआ।' पीएम मोदी ने अपने संबोधन में स्वदेशी के मंत्र पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'जो देश के लोगों की जरूरत का है, जो हम देश में ही बना सकते हैं, वह हमें देश में ही बनाना चाहिए। देश की स्वतंत्रता को जैसे स्वदेशी के मंत्र से ताकत मिली, वैसे ही देश की समृद्धि को भी स्वदेशी के मंत्र से ही शक्ति मिलेगी। हम वह सामान खरीदें जो 'मेड इन इंडिया' हो, जिसमें हमारे देश के नौजवानों की मेहनत लगी हो, हमारे देश के बेटे-बेटियों का पसीना हो। हमें हर घर को स्वदेशी का प्रतीक बनाना है। हर दुकान को स्वदेशी से सजाना है।'

प्रधानमंत्री ने जीएसटी व्यवस्था पर भी बात की

प्रधानमंत्री ने कहा, 'सुधार एक निरंतर प्रक्रिया है जो बदलते समय और राष्ट्र की जरूरतों के साथ विकसित होती है। देश की प्रगति के साथ नेक्स्ट जेनरेशन सुधार आवश्यक हैं। वर्तमान आवश्यकताओं और भविष्य की आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए जीएसटी व्यवस्था के तहत नए सुधार लाए जा रहे हैं। संशोधित संरचना में केवल 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत कर स्लैब लागू होंगे, जिससे रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं अधिक किफायती हो जाएंगी।'

राजदीप सरदेसाई को भारतीय मीडियाकर्मी पुरस्कार 2024-25 के लिए चुना गया

तिरुवनंतपुरम। जाने-माने पत्रकार, लेखक और टेलीविजन एंकर राजदीप सरदेसाई को केरल मीडिया अकादमी द्वारा स्थापित सर्वोच्च सम्मान, भारतीय मीडियाकर्मी पुरस्कार 2024-25 के लिए चुना गया है। अकादमी के अध्यक्ष आर एस बाबू ने बताया कि केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन 30 सितंबर को यहां अंतर्राष्ट्रीय केरल मीडिया महोत्सव 2025 के उद्घाटन समारोह में एक लाख रुपये की नकद राशि, एक प्रशस्ति पत्र और एक मूर्ति के साथ यह पुरस्कार प्रदान करेंगे। वरिष्ठ पत्रकार थॉमस जैकब, मीडिया समीक्षक और पूर्व सांसद डॉ. सेबेस्टियन पॉल और शिक्षाविद डॉ. मीना टी. पिल्लई की तीन सदस्यीय जूरी ने सरदेसाई को इस सम्मान के लिए चुना।

लालू परिवार भ्रष्ट और सत्ता की लालसा में पूरी तरह डूबा हुआ : अजय आलोक

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार की राजनीति में इन दिनों लालू प्रसाद यादव के परिवार में हलचल मची हुई है। राजद और परिवार से निष्कासित तेज प्रताप यादव के बाद अब बेटी रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर परिवार के कई सदस्यों को अनफॉलो कर नाराजगी जाहिर की है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा होने लगी है कि सत्ता की होड़ में यह पारिवारिक कलह और गहरा सकती है। इस पर भाजपा नेता अजय आलोक ने लालू परिवार को भ्रष्ट और सत्ता की लालसा में डूबा हुआ बताया है। भाजपा नेता ने कहा कि लालू परिवार सत्ता की लालसा में इतना डूबा हुआ है कि इसके सदस्य आपस में ही एक-दूसरे को नुकसान पहुंचा रहे हैं, ठीक वैसे ही जैसे चील के घोंसले में मजबूत बच्चा कमजोर को चोंच मार-मार कर मार देता है। उन्होंने कहा कि इस भ्रष्ट परिवार में एक रोहिणी बची थीं, जिनके ऊपर अभी तक कोई केस नहीं हुआ है, जो बेल पर नहीं हैं, बाकी सभी लोग बेल पर हैं। पीएम मोदी के संबोधन पर उन्होंने कहा कि 22 सितंबर से नवरात्रि का पर्व शुरू हो रहा है। पूरा देश उत्सव के माहौल में डूबेगा और इस समय प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन एक बहुत सुखद अनुभव देश को देगा। मुझे उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी इस त्योहार की खुशी में कुछ शहद डालेंगे। भारत-पाकिस्तान के मैच पर उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को हमेशा भारत ने घुटनों पर लाया है, हमारी टीम फिर से उनको घुटनों पर लेकर आएगी, इसमें कोई नई बात नहीं है। उन्होंने विपक्षी दल के मंच से शब्दों की मर्यादा का मान नहीं रखने पर कहा कि जिस राजनीतिक दल के चरित्र में गाली देना है, भ्रष्टाचार करना है, क्राइम करना है, उनके मंच से फिर से

गाली दी गई है तो मुझे कोई आश्चर्य नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि मैं उम्मीद नहीं करता हूं कि यह लोग माफी भी मांगेंगे। बस बिहार की जनता देख रही है। उन्होंने कहा कि जनता के लिए बहुत बड़ा सवाल है कि विधानसभा चुनाव में क्या राजद के 10 विधायक भी जीत कर आने चाहिए। मुझे नहीं लगता कि ऐसे दलों को भारत की राजनीति में कोई जगह होनी चाहिए। तेजस्वी यादव की यात्रा पर उन्होंने कहा कि यह सब अपना अस्तित्व बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं, इंडी अलायंस को मालूम है कि चुनाव का परिणाम क्या है। खुद को बचाने की लड़ाई में इधर से उधर भाग रहे हैं।

अमर्यादित टिप्पणी करने वालों को जेल भेजा जाए, वरना आंदोलन होगाः तेज प्रताप यादव

पटना। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की एक सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी को लेकर विवाद गहरा गया है। इस मुद्दे पर तेजस्वी यादव के बड़े भाई और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने कड़ा रुख अपनाया है। तेज प्रताप यादव ने रविवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि अपशब्दों का इस्तेमाल करने वालों को जेल भेजा जाना चाहिए। तेजप्रताप ने चेतावनी दी कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो उनकी पार्टी जनशक्ति जनता दल महुआ में आंदोलन शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि अपशब्दों के इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए और उन्हें तुरंत जेल भेजा जाना चाहिए। तेज प्रताप यादव ने कहा कि हमने पहले भी कहा है और फिर कहते हैं, किसी भी मां को गाली देना निंदनीय है। मां तो मां होती है। वह अपने बच्चे को जन्म देती है और नौ महीने तक उसे अपने गर्भ में रखती है। मां की बेइज्जती करने वाले या मां पर उंगली उठाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करनी चाहिए और उन्हें सीधे जेल भेज देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया है, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई न केवल आवश्यक है, बल्कि लोकतंत्र और सांप्रदायिक-सामाजिक मर्यादा बनाए रखने के लिए भी अनिवार्य है।

पवन कुमार बजंथरी ने पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रुप में ली शपथ

● तत्कालीन मुख्य न्यायाधीस जस्टिस बिपुल एम. पंचोली के उच्चतम न्यायालय में पदोन्नत होने के बाद से यह पद रिक्त हो गया था।

एजेंसी

पटना। पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रुप में न्यायमूर्ति पवन कुमार बजंथरी ने रविवार को पद और गोपनीयता की शपथ ले ली है। बिहार के राज्यपाल

आरिफ मोहम्मद खान ने उन्हें एक समारोह के दौरान शपथ दिलाई है। शपथ ग्रहण समारोह में राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शामिल हुए। उनके साथ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी थे। मुख्यमंत्री ने इस शपथ ग्रहण समारोह की तस्वीरें भी साझा की है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए नीतीश कुमार ने एक्स पर लिखा कि आज पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश (मनोनीत) न्यायमूर्ति पवन कुमार भीमप्पा बजंथरी जी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुआ।दरअसल, पवन कुमार बजंथरी 27 अगस्त, 2025 से पटना उच्च न्यायालय के कार्यकारी न्यायाधीश के तौर पर अपना दायित्व संभाल रहे थे। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीस जस्टिस बिपुल एम. पंचोली के उच्चतम न्यायालय में पदोन्नत होने के बाद से यह पद रिक्त हो गया था। शपथ ग्रहण के बाद अब पवन कुमार बजंधरी पूर्णकालिक मुख्य न्यायाधीश के तौर पर पटना उच्च न्यायालय में न्यायिक प्रशासन का नेतृत्व करेंगे।

कर्नाटक में जन्मे पवन कुमार बजंथरी ने बेगलुरु के एलजेआरसी लॉ कॉलेज से कानून की पढ़ाई की थी। इससे पहले वो कर्नाटक उच्च न्यायालय में न्यायाधीश रह चुके हैं। पी.बी बजंथरी को लेकर पटना उच्च न्यायालय के वकीलों की नाराजगी भी सामने आई थी।

मुख्तार अंसारी के छोटे बेटे उमर की पुलिस ने खोली हिस्ट्रीशीट, बढ़ेंगी मुश्किलें

गाजीपुर (एजेंसी)। नेता मुख्तार अंसारी के छोटे बेटे उमर अंसारी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, दरअसल मुहम्मदाबाद पुलिस ने उनकी हिस्ट्रीशीट खोली है। उमर को पहले लखनऊ आवास से फर्जी हस्ताक्षर मामले में गिरफ्तार किया गया था, जिसमें फरार मुख्तार अंसारी की पत्नी आफ्सा अंसारी के नाम से फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए थे। यहां बताते चलें कि दो दिन पहले ही इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उमर अंसारी को जमानत दी थी, लेकिन जेल से बाहर आने से पहले पुलिस ने उसकी हिस्ट्रीशीट खोलकर नया पेंच फंसा दिया। पुलिस के मुताबिक, उमर अंसारी आईएस-191 गैंग का सक्रिय सदस्य है और वह धोखाधड़ी के जरिए सार्वजनिक जमीनों पर कब्जा करता है। इसके अलावा, वह चुनावी भड़काऊ भाषण देने और विवादों में शामिल होने के आरोपों में भी नामजद है। गाजीपुर, मऊ और लखनऊ में उसके खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी, सरकारी संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम, चुनावी अपराध और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम जैसी धाराओं के तहत कई मामले दर्ज हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हिस्ट्रीशीट खुलने के बाद उमर अंसारी की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और खुफिया एजेंसियां भी उसकी हर हरकत पर अलर्ट हैं। जानकार मानते हैं कि मुख्तार परिवार की लगातार निगरानी और कानूनी दबाव बढ़ाना पुलिस-प्रशासन की रणनीति का हिस्सा है। गाजीपुर पुलिस अधीक्षक डॉ ई राजा ने बताया कि उमर अंसारी के ऊपर सात मुकदमे दर्ज हैं, जो गाजीपुर समेत कई जनपदों में विचाराधीन हैं।

कानपुर-दिल्ली फ्लाइट में दिखा चूहा मची हड़कंप, यात्रियों को किया डी-बोर्ड

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर एयरपोर्ट पर एक विमान में अचानक चूहे के दिखाई देने से हड़कंप मच गया। रविवार को दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली इस फ्लाइट में चूहे के केबिन में घूमते होने की सूचना मिलने पर सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी यात्रियों को डी-बोर्ड कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, दिल्ली से कानपुर पहुंचने के बाद यह फ्लाइट दोपहर 2:50 बजे पुनः दिल्ली के लिए रवाना होने वाली थी। उड़ान भरने से कुछ समय पहले ही क्रू मेंबर ने केबिन में चूहे को देखा। इसके बाद एयरपोर्ट स्टाफ ने तुरंत सर्च ऑपरेशन शुरू किया। एयरलाइंस के टेक्निकल स्टाफ और ग्राउंड क्रू ने मिलकर विमान के हर हिस्से की गहन जांच की ताकि उड़ान के दौरान किसी तरह का खतरा न बने। इस दौरान यात्रियों को एयरपोर्ट लाउंज में सुरक्षित स्थान पर बैठाया गया। यात्रियों ने घटना को लेकर हल्की नाराजगी जताई, लेकिन अधिकांश ने एयरलाइन के फैसले को सुरक्षा की दृष्टि से उचित माना। इस घटना पर एयरपोर्ट अधिकारियों का कहना था कि जब तक चूहे का पता नहीं चल जाता और विमान पूरी तरह सुरक्षित घोषित नहीं होता, तब तक उड़ान नहीं भरेगी। इसी के साथ ही एयरलाइन प्रबंधन ने कहा कि यात्रियों को किसी भी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए लगातार जानकारी दी जा रही है।

निर्माणाधीन पुल के पास खुदे गड्ढे में डूबने से तीन चचेरी बहनों की मौत

बहराइच (एजेंसी)। यूपी के बहराइच जिले के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के कोडरी गांव में बरसात के पानी से भरे गड्ढे में शनिवार को डूबने से तीन नाबालिग चचेरी बहनों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक परिवार के एक सदस्य ने बताया कि चित्तौरा झील के पास निर्माणाधीन पुल के निकट जेसीबी से गहरा गड्ढा खोदा गया था और उसमें बारिश का पानी भर गया था वह तालाब जैसा लग रहा था। चित्तौरा मसीहाबाद गांव निवासी प्रियांशी, दिव्या और लक्ष्मी तीन की उम्र करीब छह-सात साल थी। घर से खेलने निकली थीं और गड्ढे के किनारे खेलते समय उसमें डूब गईं। उन्होंने बताया कि गोताखोरों की मदद से बच्चियों को बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सदर क्षेत्र की एसडीएम ने बताया कि तीनों बच्चियों के शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा और उनके परिजनों को सरकारी सहायता दिलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि मामले में कार्रवाई की जा रही है।

चर्चाओँ में नीता अंबानी का 50 करोड का नेकलेस

मुंबई (एजेंसी)। शाहरुख खान के बेटे आयरन खान ने वेब सीरीज द बेड्स ऑफ बॉलीवुड वेब सीरीज का डेब्यू किया। इसमें शाहरुख खान ने बेटे को निदेशक के रूप में लॉन्च किया है। इस लॉन्चिंग में नीता अंबानी विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुई थी। उन्होंने एक दुर्लभ नेकलेस जिसकी कीमत लगभग 50 करोड रुपए बताई जा रही है। उसको पहनकर कार्यक्रम में शामिल हुई थी। इस नेकलेस में पाराइबा और हार्ट शेप डायमंड जड़े हुए हैं। इस नेकलेस की कीमत वर्तमान में 50 करोड रुपए की बताई जा रही है।

चुनाव आयोग एक्शन में, बीजेपी और डीएमके के सहयोगी दलों समेत 42 तमिल पार्टियों के रजिस्ट्रेशन किए रद्द

चेन्नई (एजेंसी)। चुनाव आयोग निष्क्रिय राजनीतिक दलों के खिलाफ सख्त हो गया हैं। आयोग ने अगले साल होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की 42 पार्टियों का रजिस्ट्रेनश रद्द कर दिया है, इनमें सत्ताधारी डीएमके और बीजेपी के सहयोगी दल भी शामिल हैं। आयोग ने लगातार 6 साल तक चुनाव न लड़ने पर देशभर में 474 राजनीतिक दलों को सूची से हटा दिया है। चुनाव आयोग के इस सफाई अभियान की जद में अकेले तमिलनाडु की 42 पार्टियां आई हैं।

तमिलनाडु में पिछले तीन वित्तीय सालों (2021-22, 2022-23, 2023-24) में अपना सालाना ऑडिट अकाउंट जमा नहीं करने वाले 39 और राजनीतिक दलों की पहचान की गई है। ये ऐसे दल हैं जिन्होंने चुनाव तो लड़ा, लेकिन चुनाव खर्च की रिपोर्ट दाखिल नहीं की। राजनीतिक दलों के रजिस्ट्रेशन के लिए बनाई गई गाइडलाइन में कहा है कि अगर कोई पार्टी लगातार छह साल तक चुनाव नहीं लड़ती है, तो उसे पंजीकृत दलों की सूची से बाहर कर दिया जाएगा। इस नियम के तहत 42 तमिल पार्टियों पर एक्शन लिया गया है।

आयोग ने जिन तमिल पार्टियों पर एक्शन लिया है उनमें, पापनासम के विधायक एमएच जवाहिरुल्ला के नेतृत्व में मनिथानेया मक्कल काची (एमएमके), थिरुचेंगोडे के विधायक ईआर ईश्वरन के नेतृत्व में कोंगुनाडु मक्कल देसिया काची (केएमडीके) और जॉन पांडियन के नेतृत्व में तमिलागा मक्कल मुनेत्र कड़गम शामिल हैं। एमएमके, जिसके दो विधायक हैं और केएमडीके, जिसका एक विधायक और एक सांसद है, उन्होंने पिछला विधानसभा और लोकसभा चुनाव डीएमके के टिकट पर लड़ा था। चुनाव आयोग का यह फैसला इसलिए भी अहम है क्योंकि एमएमके और केएमडीके दोनों ही सत्तारूढ़ डीएमके की सहयोगी हैं।

बीजेपी की सहयोगी जॉन पांडियन की टीएमएमके ने पिछला लोकसभा चुनाव तेनकासी में कमल के निशान पर लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था, जबकि तमीमुन अंसारी की एमजेके, जिसने 2016 का विधानसभा चुनाव एआईएडीएमके के चुनाव चिन्ह पर लड़ा था, इसके बाद के पार्टी चुनावों से दूर रही। इस तरह सूची से हटाई गई अन्य पार्टियों में थमिमुन अंसारी के नेतृत्व वाली मणिथानेया जननायगा काची शामिल है, जिसने नागपट्टिनम सीट से चुनाव लड़ा था। एनआर धनपालन के नेतृत्व वाली पेरुंथलाइवर मक्कल काची, जिसने पेरम्बूर सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन सफलता नहीं मिली, दोनों ही 2016 और 2021 के विधानसभा चुनावों में एआईएडीएमके के टिकट पर चुनाव लड़े थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आयोग का कहना है कि चुनावी प्रणाली को साफ-सुथरा बनाने की व्यापक और सतत रणनीति के तहत पिछले छह साल में चुनाव नहीं लड़ने और बाकी मानदंडों का उल्लंघन करने की वजह से कुल 474 पंजीकृत लेकिन गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटा दिया गया है। आयोग की तरफ से राजनीतिक पार्टियों की लिस्ट को ज्यादा पादर्शी बनाने के लिए बड़े पैमाने पर यह कैंपेन चलाया जा रहा है। पिछले दो महीने में कुल 808 राजनीतिक दलों को सूची से बाहर किया जा चुका है। साथ ही आयोग ने 359 अन्य गैर-मान्यता प्राप्त सियासी दलों को सूची से हटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। अगर ये सियासी दल जरूरी दस्तावेज और शर्तें पूरी नहीं करते हैं तो जल्द ही आयोग इन पार्टियों को भी अपनी सूची से हटा सकता है, जिससे बाद पंजीकृत पार्टियों की लिस्ट से हटाए जाने वाले दलों की कुल संख्या 833 हो जाएगी।

चुनाव आयोग के जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय रजिस्टर्ड गैर-मान्यता प्राप्त सियासी दलों को आयोग में रजिस्टर्ड किया जाता है। रजिस्ट्रेशन के बाद इन पार्टियों को चुनाव चिन्ह, टैक्स छूट जैसे विशेष अधिकार हासिल होते हैं, लेकिन नियमों के मुताबिक अगर कोई राजनीतिक दल लगातार छह साल तक कोई चुनाव नहीं लड़ता है, तो उसे रजिस्टर्ड पार्टियों की सूची से हटा दिया जाता है।

लालू की बेटी रोहिणी ने बनाई पार्टी से दूरी, आरजेडी नेताओं को किया अनफॉलो

- माता-पिता और भाई तेजस्वी के साथ लगी फोटो हटाकर अपनी फोटो लगाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। लालू यादव की बेटी और राजद नेता रोहिणी आचार्य अब पार्टी से दूरी बनाती नजर आ रही हैं। संजय यादव को लेकर किए पोस्ट के बाद रोहिणी ने काफी समय तक अपने सोशल मीडिया अकाउंट को निजी करके रखा था। वहीं अब उनका अकाउंट सार्वजनिक हो गया है तो उसमें कई सारे बदलाव हुए हैं। रोहिणी ने आरजेडी के तमाम नेताओं को अनफॉलो कर दिया है। इसके अलावा उन्होंने लालू, राबड़ी और तेजस्वी के साथ लगी फोटो भी हटा दी है। उन्होंने अब अपनी अकेले फोटो लगाई है। बता दें संजय यादव को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किए जाने के बाद विवाद काफी बढ़ गया है। रोहिणी ने पोस्ट को डिलीट कर दिया है। रोहिणी ने सोशल मीडिया पर भी परिवार और पार्टी से दूरी बना ली है। इसके अलावा रोहिणी ने अपने एक्स अकाउंट से आरजेडी समेत सभी 58 राजनेताओं को अनफॉलो कर दिया है। पहले वह 61 प्रोफाइल को फॉलो करती थीं, लेकिन अब यह सिर्फ 3 रह गई है। ये तीनों लोग भी राजनीति से हटकर हैं। बता दें इससे पहले रोहिणी ने शनिवार को दिन भर सोशल मीडिया अकाउंट को प्राइवेट भी कर दिया था। हालांकि शाम तक उन्होंने अकाउंट फिर खोल दिया। बता दें रोहिणी से जुड़ा हालिया विवाद एक्स पर की गई एक पोस्ट से शुरू हुआ। 18 सितंबर को रोहिणी ने एक पोस्ट की थी, जो आरजेडी के आंतरिक कलह को उजागर कर रही थी। यह पोस्ट मुख्य रूप से तेजस्वी यादव के करीबी राज्यसभा सांसद संजय यादव पर निशाना साधते हुए की गई थी, जिन्हें रोहिणी ने सबस्टैंडर्ड व्यक्ति बताया था। हालांकि रोहिणी ने बाद में यह पोस्ट हटा दी थी।

डिप्टी सीएम शिंदे का एक्स अकाउंट हैक कर पाकिस्तान और तुर्की के झंडों वाले पोस्ट किए, मचा हड़कंप

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आधिकारिक 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) अकाउंट को सुबह-सुबह हैक कर लिया गया। हैकर्स ने अकाउंट पर पाकिस्तान और तुर्की के राष्ट्रीय झंडों वाली पोस्ट साझा कीं, जिनमें से कुछ को तुरंत ही हटाया गया। शिंदे के कार्यालय ने बताया कि तकनीकी टीम ने तुरंत कार्रवाई कर अकाउंट को 30 से 45 मिनट के भीतर रिकवर कर लिया और अकाउंट अब सामान्य रूप से सक्रिय है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद संबंधित टीम ने साइबर क्राइम सेल को सूचित किया और जांच शुरू कर दी गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार हैकिंग के समय यह गतिविधि उस दिन हुई जब भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप का मुकाबला भी खेला जाना था, जिससे सोशल मीडिया पर तेज प्रतिक्रिया और चिंता देखी गई। विपक्ष और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने राजनीतिक अकाउंट्स की संवेदनशीलता पर सवाल उठाए हैं। शिंदे कार्यालय की ओर से कहा गया है, कि सोशल मीडिया टीम ने तत्काल पासवर्ड बदलकर और प्लेटफॉर्म से दो-स्तरीय प्रमाणीकरण (2एफए) लागू कर अकाउंट सुरक्षित कर लिया। फिलहाल मामले की तकनीकी और फोरेंसिक जांच जारी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि हैकिंग किस स्रोत या ग्रुप द्वारा की गई और क्या इसका राजनीतिक या साइबर-क्रिमिनल मकसद था।

इस संबंध में विषय विशेषज्ञों का कहना है कि राजनेताओं और सार्वजनिक हस्तियों के सोशल मीडिया अकाउंट सुरक्षा की दृष्टि से प्रमुख लक्ष्य बन गए हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत में उच्च-प्रोफाइल हैंकिंग और डेटा लीक की घटनाओं में वृद्धि देखी गई है, जिससे टेलीकॉम, वित्तीय सेवा तथा सरकार की सूचनात्मक प्रणालियों की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। एक्सपर्ट्स का सुझाव है कि सार्वजनिक खाता संचालक नियमित रूप से अकाउंट ऑडिट, मजबूत पासवर्ड नीति और मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन अपनाए जाने चालिए।

चुनाव लड़ने की उम्र घटाने की सिफारिश से चुनाव आयोग नहीं रखता इत्तेफाक

-कहा- इस अवस्था में परिपक्वता नहीं आती कि युवा अहम जिम्मेदारी संभाल सकें

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव लड़ने की उम्र 21 साल करने को लेकर संसद की स्थायी समिति की सिफारिश से चुनाव आयोग इत्तेफाक नहीं रखता। चुनाव आयोग को इस बाबत समिति के सुझाव वाली रिपोर्ट मिली तो उसने सहज प्रतिक्रिया राय समिति को भेजी कि वह चुनाव लड़ने की उम्र घटाने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि 18 साल की उम्र में अगर एक वोट दे भी दिया तो इस अवस्था में इतनी परिपक्वता नहीं आती कि युवा संसद या विधान मंडल जैसे अहम पद की जिम्मेदारियों को संभालने और समझने की गंभीरता हासिल कर ले।

संसद की स्थायी समिति की अगुआई बीजेपी सांसद बृजलाल कर रहे हैं। समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि विकसित और नए जमाने की सोच वाले युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से रूबरू कराने देश को चुनाव लड़ने की न्यूनतम उम्र 25 साल से घटाकर 21 साल करने पर फिर से विचार करना चाहिए। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि इस बदलाव को गति देने के बाद देशभर में कम से कम आठ करोड़ और युवा चुनाव लड़ने की योग्यता पूरी करने लायक हो जाएंगे।

स्थायी समिति ने विधि और न्याय मंत्रालय को मशविरा देने के लिए भेजी रिपोर्ट के साथ उम्मीद जताई कि कई विभागों के बीच इस प्रस्ताव पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। इससे युवा संगठनों, संविधान विशेषज्ञों, सामाजिक और नागरिक संगठनों के हितधारकों को शामिल कर उनकी राय ली जाए। बता दें चुनाव लड़ने की उम्र घटाने की एक सिफारिश 2023 में भी गई थी, तब चुनाव लड़ने की उम्र 25 साल से घटाकर 18 साल करने की सिफारिश की गई थी। अगस्त 2023 में संसद की स्थायी समिति ने विधानसभा और लोकसभा चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 से घटाकर 18 साल करने की सिफारिश की थी।

समिति ने पश्चिमी देशों मसलन कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों की नकल में यह सिफारिश की थी। इन देशों में मतदान करने और चुनाव लड़ने की उम्र एक समान है। भारत में फिलहाल कुल मतदाता एक अरब के आसपास हैं यानी कुल 99 करोड़ से ज्यादा। उनमें से 20 से 29 साल के औसत वाले 19 करोड़ 74 लाख मतदाता हैं, जबकि इनमें भी 21 से 25 साल की उम्र के बीच 8 करोड़ मतदाता हैं। देशभर में 18 से 19 साल के मतदाता 1 करोड़ 84 लाख हैं।

जांच में खुलासा : सुपारी देकर कराई गई दिशा पाटनी के घर फायरिंग

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बरेली में अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर हुई फायरिंग मामले में पुलिस जांच के बाद बड़ा खुलासा हुआ है। इस वारदात को सुपारी देकर अंजाम दिलाया गया है। जांच में सामने आया है कि फायरिंग की जिम्मेदारी संभालने वाले रविंद्र और उसका साथी अरुण, एसटीएफ मुठभेड़ में ढेर हो चुके हैं। वहीं, रेकी के लिए ऐसे बदमाशों को मोहरा बनाया गया जिनकी कोई क्रिमिनल हिस्ट्री नहीं थी। दिल्ली स्पेशल सेल ने रेकी करने वाले बागपत के दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। अब बरेली पुलिस भी इन नाबालिगों से जल्द पूछताछ करेगी, ताकि इस वारदात की पूरी साजिश का खुलासा हो सके। दिशा के घर फायरिंग के बाद पड़ोसियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा रहा है। पूरी गली की किलेबंदी कर दी गई है, लेकिन पड़ोसियों के दिलों दिमाग पर आज भी घटना वाली रात की तस्वीर ताजा है। पड़ोसियों की माने तो आज तक इस गली में कभी भी कोई विवाद तक नहीं हुआ था। मगर, दुश्मनी पाटनी जी की और दहशत हम लोगों को मिली है। जब से दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग की वारदात हुई है तब से लेकर अब तक इस गली में आने जाने वाले हर एक इंसान कि पहले सघन तलाशी ली जाती है। उसके बाद उसे आगे भेजा जाता है। पड़ोसियों का साफ तौर पर कहना है कि पाटनी के घर पर फायरिंग के बाद उनकी स्वतंत्रता छीन गई है।

दिल्ली में मौसम हुआ साफ तो गर्मी ने दिखाए तेवर, उत्तराखंड-बिहार में हो सकती है बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में मौसम साफ है। यहां आने वाले दिनों में भी इसी तरह का मौसम बने रहने की उम्मीद है। इस तरह से यूपी के भी ज्यादातर जिलों में बारिश की संभावना नहीं है। हालांकि बिहार और उत्तरांखड के कई जिलों में बारिश होने की आशंका जताई जा रही है। बीते दिनों बारिश की वजह से हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में बाढ़ जैसे हालात हो गए थे। फिलहाल इन राज्यों में बारिश का मिला-जुला असर है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर में पिछले कई दिनों से मौसम साफ है। मौसम विभाग की मानें तो आज भी बारिश होने की उम्मीद नहीं है। वहीं लगातार तेज धूप की वजह से दिल्ली-एनसीआर के तापमान में बढ़ोतरी देखी गई। मौसम विभाग के मुताबिक आज भी दिल्ली-एनसीआर के इलाके में बादलों की आवाजाही जारी रहेगी, लेकिन बारिश की उम्मीद नहीं है।

यूपी के ज्यादातर जिलों में बारिश नहीं होने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि यहां कुछ जिलों में बारिश हो भी सकती है। मौसम विभाग की मानें तो यूपी में भी अगले कई दिनों तक बारिश की संभावना नहीं है। इसके अलावा बिहार के कई जिलों में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि बिहार के कई जिलों में अगले चार-पांच दिनों तक हल्की बारिश हो सकती है। इसका तापमान पर खास असर नहीं होगा, लेकिन बारिश की वजह से लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी।

वहीं मध्य प्रदेश में भी अगले कुछ दिनों तक बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए कई जिलों में अलर्ट जारी किया है। मप्र के बड़वानी, अलीराजपुर और धार जिलों में भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान आंधी और बिजली गिरने को लेकर भी अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने भोपाल, विदिशा, रायसेन, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, ग्वालियर और भिंड समेत 27 जिलों में भी गरज-चमक के साथ बारिश होने का अनुमान जताया है।पहाड़ी राज्यों की बात करें तो उत्तराखंड में फिलहाल बारिश से राहत के आसार जताए जा रहे हैं। हालांकि कुछ पहाड़ी जिलों में आज भी हल्की बारिश हो सकती है। इसके अलावा 24 सितंबर के बाद उत्तराखंड के कई जिलों में बारिश होने की संभावना है। इसी तरह से हिमाचल प्रदेश में भी मौसम फिलहाल साफ रहेगा। इस दौरान प्रशासन की ओर से सड़कों को फिर से खोलने की कवायद की जा रही है। पिछले दिनों हुए भूस्खलन की वजह से हिमाचल प्रदेश में कई सड़कें बंद कर दी गईं थीं।

गरबा आयोजनों को लेकर विहिप ने जारी की एडवाइजरी, केवल हिंदुओं को प्रवेश की अनुमति

-एंट्री गेट पर जांच के साथ हो पूजा करने का प्रावधान, विवाद शुरु

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र में नवरात्रि से पहले गरबा आयोजनों को लेकर विवाद छिड़ गया है। दरअसल विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने शनिवार को एक एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है, कि राज्य के गरबा-डांडिया कार्यक्रमों में केवल हिंदुओं को ही प्रवेश की अनुमति दी जाए। विहिप ने आयोजकों से कहा कि एंट्री गेट पर आधार कार्ड की जांच की जाए और प्रवेश से पहले प्रतिभागियों को तिलक लगाया जाए, हाथों में रक्षा सूत्र बांधा जाए तथा किसी हिंदू देवी-देवता की पूजा की जाए।

विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीराज नायर ने कहा कि गरबा सिर्फ नृत्य नहीं, बल्कि देवी को प्रसन्न करने की एक पूजा पद्धति है। इसलिए केवल वे लोग इसमें भाग लें, जिनकी आस्था देवी-देवताओं में है। उन्होंने यह भी दावा किया कि इस तरह के कदम लव जिहाद जैसे मामलों को रोकने के लिए जरूरी हैं। विहिप की इस एडवाइजरी पर राज्य की राजनीति गरमा गई है। महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि आयोजकों को यह अधिकार है कि वे अपने कार्यक्रमों में नियम तय करें। उन्होंने कहा कि यदि आयोजकों को पुलिस से अनुमति है, तो उन्हें किसी भी नियम को लागू करने में दिक्कत नहीं होनी चाहिए। भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों ने भी गरबा को हिंदू आयोजन बताते हुए गैर-हिंदुओं की भागीदारी का विरोध किया है।

विपक्ष बोला- सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की हो रही कोशिश

विपक्षी दलों ने विहिप और भाजपा पर समाज में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का आरोप लगाया है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने कहा कि देश में सांप्रदायिक जहर फैलाने की कोशिश की जा रही है, जो महाराष्ट्र और देश दोनों के लिए घातक है। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने इसे समाज को धर्म के नाम पर बांटने की साजिश बताते हुए भाजपा पर हमला बोला। बता दें कि इस साल नवरात्रि 22 सितंबर से 1 अक्टूबर तक मनाई जाएगी।

क्या बिहार में लालू यादव के मुस्लिम-यादव समीकरण में सेंधमारी कर देगा मोदी मैजिक

-इस बार कहीं यादव वोटर तेजस्वी को झटका नहीं दे दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार की राजनीति के केंद्र में हमेशा से ही जाति रही है। प्रदेश की आबादी में यादव समुदाय करीब 14 प्रतिशत है। जो प्रदेश में अन्य किसी भी जाति से अधिक है। जाहिर है कि बिहार की राजनीति इसी जाति के इर्द गिर्द घूमती है। 2020 के विधानसभा चुनावों में यादवों के बल पर ही आरजेडी प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। ये बात अलग है कि बीजेपी और जेडीयू ने तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने पर ग्रहण लगा दिया।

हालांकि 2 साल बाद ही नीतीश बीजेपी से नाता तोड़कर आरजेडी के साथ आ गए। तेजस्वी डिप्टी सीएम बने और तेजप्रताप को भी मलाईदार मंत्रालय मिला। लेकिन फिर लालू परिवार के दबाव से परेशान होकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फिर पलटी मारी और एनडीए के साथ आ गए। तब से अब तक नीतीश एनडीए के साथ हैं और बिहार की सीएम कुर्सी पर विराजमान हैं। 2025 में फिर आरजेडी को उम्मीद है कि यादव और मुस्लिम मतदाता उनके साथ हैं। पर लोकसभा चुनावों में आरजेडी को मिली मात से ऐसा लगता है कि यादव वोटर्स का आशीर्वाद लालू परिवार को उस तरह से नहीं मिल रहा है जिस तरह से मिला करता था। जाहिर है कि अगर ऐसा विधानसभा चुनाव में होता है, तब आरजेडी एक बार सत्ता से बहुत दूर रह जाएगी।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के संस्थापक लालू प्रसाद यादव ने 1990 के दशक से यादवों को सामाजिक न्याय, पिछड़े वर्गों की आवाज और एमवाय (मुस्लिम-यादव) गठजोड़ के नाम पर एकजुट किया। तब से यादव वोट लालू परिवार (लालू, राबड़ी देवी, तेज प्रताप और तेजस्वी यादव) की विरासत बन गया। लेकिन 2025 विधानसभा चुनावों से पहले इसके दरकने के संकेत मिलने लगे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मोदी मैजिक विकास, कल्याण योजनाओं और हिंदुत्व के मिश्रण ने यादव वोटों में सेंध लगाई है। अगर 2024 लोकसभा चुनावों जितना भी यादव आरजेडी से दूर हुए तब पार्टी का बैंड बजना तय है।

राजद का वोट बैंक एमवाय समीकरण पर टिका है, जो बिहार में करीब 32 प्रतिशत बनता है। राजद ने महागठबंधन (राजद-कांग्रेस-वामपंथी) के साथ 144 सीटों पर चुनाव लड़ा और 75 सीटें जीतीं और राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनी। यादव-बहुल क्षेत्रों जैसे सारण, मधेपुरा, सुपौल और झंझारपुर में राजद का जलवा दिखा। सारण जिले (यादव बहुल) में महागठबंधन ने 10 में से 7 विधानसभा सीटें जीतीं। कुल वोट शेयर 23.11 प्रतिशत था, जिसमें यादव वोटों का बड़ा हिस्सा (70-80 प्रतिशत) लालू की पार्टी को मिला। जाहिर है कि आरजेडी अपनी इस सफलता को दुहराना चाहेगी।

लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव आते आते बिहार में राजद ने 23 सीटों पर चुनाव लड़ा और 4 सीटें ही जीत सकी। पाटलीपुत्र (मीसा भारती), जहानाबाद (सुरेंद्र प्रसाद यादव), औरंगाबाद (अभय कुशवाहा), और बक्सर (सुधाकर सिंह) ही अपनी सीट जीत सके। राजद ने 8 यादव उम्मीदवार उतारे, जिसमें से 2 (मीसा भारती और सुरेंद्र प्रसाद यादव) को विजय मिली। अन्य यादव उम्मीदवार जैसे रोहिणी आचार्य (सारण), ललित कुमार यादव (दरभंगा), और जय प्रकाश नारायण यादव (बांका) चुनाव हार गए। मोदी का मैजिक 2014 से यादवों पर असर दिखा रहा है। एनडीए ने विकास (इंफ्रास्ट्रक्चर, कल्याण) और हिंदुत्व को मिलाकर राजद के जातिगत नैरेटिव को चुनौती दी। 2025 चुनावों में यह और तेज हुई है, क्योंकि बिहार में बेरोजगारी (7.6 प्रतिशत, सीएमआईई 2025) और प्रवासन जैसे मुद्दों पर एनडीए ने ठोस कदम उठाए हैं। एनडीए सरकार ने बिहार को केंद्र से 9.23 लाख करोड़ का पैकेज दिया (कांग्रेस के 2.80 लाख करोड़ के मुकाबले) कहीं अधिक था। पीएम किसान (10,000 रुपये सालाना), उज्ज्वला (फ्री गैस), फ्री राशन और पीएमएवाय ने यादव किसानों/मजदूरों को लुभाया है।

राम मंदिर, अयोध्या यात्रा और विकास राज बनाम जंगल राज नैरेटिव ने यादवों को जोड़ा है। बीजेपी ने यादव उम्मीदवार उतारे, जैसे दरभंगा में गोपाल जी ठाकुर। 2025 में मोदी की मोतिहारी-सीवान रैलियों में हजारों करोड़ के प्रोजेक्ट मिले। जाहिर है कि यादव इलाकों में मोदी सरकार लेकर उत्साह है। दरअसल यूपी-बिहार का वोटिंग पैटर्न रहा है कि जहां यादव वोट जाते रहे हैं वहां अति पिछड़ों का वोट नहीं जाता है। 2024 में उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव ने इस पहली बार समझा। उन्होंने केवल 5 यादवों को टिकट दिया,

जबकि 2019 में उन्होंने 10 यादवों को टिकट दिया था। गैर यादव ओबीसी और ईबीसी (अति पिछड़ों) को 2019 में जहां समाजवादी पार्टी ने केवल 6 सीट दिया था वहीं 2024 में 23 सीट दिया। इसका फायदा हुआ। प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने बीजेपी से बढ़त हासिल कर ली। जाहिर है कि यही प्रवृत्ति बिहार में भी दिख रही है। इसलिए आरजेडी भी इसी नीति पर चल सकती है। पर आरजेडी की दुविधा यह है कि 2020 के चुनावों में यादव कैंडिडेट्स की जीत की स्ट्राइक सबसे शानदार रही।

आने वाला समय भारत का है, पूरी दुनिया इसे देखेगी: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

देश के विकास के साथ-साथ ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। वर्तमान में मंत्रालय 14 स्मारकों पर काम कर रहा है, जिन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित किया जा रहा है। आत्मीयता व उमंग से भरे इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस परिसर में आने पर उन्हें अपने बचपन की यादें ताजा हो गईं, जब वह पिकनिक पर कुतुब मीनार, लाल किला और चिड़ियाघर जैसी जगहों पर जाती थीं। उन्होंने कहा कि स्मारकों का संरक्षण और उन्हें सजाना-संवारना सरकार का महत्वपूर्ण कार्य है और इसे प्रधानमंत्री के विज़न के अनुरूप लगातार आगे बढ़ाया जा रहा मुख्यमंत्री ने कहा कि इन पेंटिंग्स प्रतियोगिता और कार्यक्रमों के माध्यम से स्पष्ट होता है कि भारत का अगला चरण क्या होगा। आने वाला समय भारत का है। भारत विश्व गुरु के रूप में उभरने जा रहा है और इसे पूरी दुनिया देखेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सबको एक-दूसरे का साथ लेकर आगे बढ़ना चाहिए, ताकि देश और दिल्ली दोनों विकसित हों। मुख्यमंत्री के अनुसार हजारों बच्चों और कई कलाकारों द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स राष्ट्र के प्रति उनकी भावनाओं और समर्पण को दर्शाती हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार ऐसे विशेष कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्रालय और मंत्री कपिल मिश्रा की सराहना की जानी चाहिए। श्री कपिल जी केवल सांस्कृतिक आयोजक नहीं हैं, बल्कि कला के सच्चे प्रेमी हैं, जो हर कला और सांस्कृतिक कार्यक्रम को पूरे दिल और अपनेपन से आयोजित करते हैं। कला एवं संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि महरौली आर्कियोलॉजिकल पार्क को दिल्ली सरकार द्वारा पुनर्स्थापित और संरक्षित किया गया है। यह स्थान अब एक नए स्वरूप में प्रस्तुत हो रहा है, जहां हाईटेक प्रकाश व्यवस्था की गई है और इसे प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार प्रधानमंत्री के विज़न 'विकास भी और विरासत भी' के अनुरूप लगभग 14 ऐतिहासिक स्मारकों को पुनर्स्थापित कर रही है, जिनमें से चार का काम पूरा हो चुका है। इस संदर्भ में इस स्मारक पर भी एक प्रदर्शनी लगाई गई है, जिसमें स्मारक के पुराने और वर्तमान स्वरूप को प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर दिल्ली के कलाकारों और बच्चों ने बड़ी संख्या में अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित की। लगभग एक हज़ार बच्चों ने विकसित भारत, ऑपरेशन सिंदूर, भविष्य का भारत और बदलते हुए भारत जैसे विषयों पर चित्र बनाए। यह कलाकृतियां न केवल प्रेरणादायक हैं, बल्कि देश के उज्ज्वल भविष्य की झलक भी प्रस्तुत करती हैं। कपिल मिश्रा ने यह भी कहा कि दिल्ली और देश का लड्डू' प्रधानमंत्री से गहराई से जुड़ा हुआ है। बच्चों और युवाओं को विशेष रूप से यह बताने की आवश्यकता नहीं पड़ती कि वे किस विषय पर पेंटिंग बनाएं। अधिकांश बच्चे स्वयं ही प्रधानमंत्री, आत्मनिर्भर भारत या विकसित भारत जैसे विषयों को चुनते हैं। यह रचनाएं दर्शाती हैं कि नई पीढ़ी देश के भविष्य को लेकर कितनी सकारात्मक और संकल्पित है। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों की बनाई पेंटिंग्स में प्रधानमंत्री के जीवन, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत जैसे विषय स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आए। हजारों बच्चों की इन कलाकृतियों से यह संदेश मिलता है कि भारत का भविष्य नई पीढ़ी के हाथों में सुरक्षित और उज्ज्वल है। उन्होंने कहा कि जो लोग प्रधानमंत्री की सोच पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं, उन्हें यहां आकर यह देखना चाहिए कि नई पीढ़ी देश को लेकर कितनी आशावादी और प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल कला और संस्कृति का उत्सव है, बल्कि नई पीढ़ी की सृजनात्मक ऊर्जा और विकसित भारत के प्रति उनके विश्वास का भी प्रतीक है।

स्कूल से लौट रहीं दो बच्चियों की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

नई दिल्ली। नांगलोई इलाके में शुक्रवार दोपहर स्कूल से लौट रहीं दो बच्चियों की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। दोनों बच्चियां नांगलोई रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक को पार कर पैदल अपने घर जा रही थीं। मृत बच्चियों की पहचान प्रेम नगर निवासी शाहिस्ता प्रवीण (8) और रौनक खातून (7) के रूप में हुई। स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया और रेलवे ट्रैक को जाम करते हुए पुलिस टीम पर पथराव कर दिया। पुलिस के आला अधिकारियों ने लोगों को समझा बुझाकर किसी तरह से शांत करवाया और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। हंगामे की वजह से बहादुरगढ़ अप लाइन पर रेल यातायात बाधित हो गया। रेलवे पुलिस उपायुक्त केपीएस मल्होत्रा ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब डेढ़ बजे पुलिस को सूचना मिली कि नांगलोई सुखी नहर के पोल संख्या 18/3 के पास दो बच्चियां ट्रेन की चपेट में आ गई हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। हंगामा कर रहे लोगों ने पुलिस टीम पर पथराव कर दिया। जांच के दौरान पता चला कि दिल्ली से श्री गंगानगर तक चलने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन गुजरी और दोनों बच्चियां ट्रेन के चपेट में आ गईं।

तीन वर्षों में 27 करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन वर्षों में 27 करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्त की है। अपराध शाखा की यह कार्रवाई जारी है। दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध शाखा) देवेश चंद्र श्रीवास्तव की ओर से दिए गए आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2023 में तीन मादक पदार्थ तस्करों की लगभग 38 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई। अगले वर्ष 28 अपराधियों की पांच करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई, जिसमें से 4.5 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति अपराध शाखा के मादक पदार्थ रोधी कार्रवाई बल (एएनटीएफ) द्वारा जब्त की गई। श्रीवास्तव ने बताया कि वर्ष 2025 में कार्रवाई और तेज कर दी गई।

सिरसा ने स्मॉग-ईटिंग फोटो-कैटेलिटिक सतहों पर समयबद्ध प्रभावों अध्ययन के निर्देश दिए

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 21 सितंबर। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के प्रभावी मार्गदर्शन में, दिल्ली सरकार ने 24×7, 365-दिन का स्ट्रेटेजिक पर्यावरण एक्शन प्लान लागू किया है, ताकि टेक्नोलॉजी-आधारित उपायों और सख्त वैज्ञानिक परीक्षणों के जरिए शहर की हवा की सुरक्षा ढाल को मजबूत किया जा सके। हालिया आदेश में माननीय पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने पर्यावरण विभाग को स्मॉग-ईटिंग फोटोकैटेलिटिक कोटिंग्स पर केंद्रित फिजिबिलिटी स्टडी करने के निर्देश दिए हैं, जिन्हें सड़कों, कंक्रीट और टाइल्स पर लगाया जा सकता है, ताकि जहां लोग रहते, चलते-फिरते और काम करते हैं, वहां ड्ड2 और हानिकारक हाइड्रोकार्बन में कमी लाई जा सके। दिल्ली सबसे बेहतर, प्रमाणित फोटोकैटेलिटिक तकनीकों का मूल्यांकन करेगी, ताकि लोगों को जल्दी से जल्दी साफ हवा मिल सके, सिरसा ने कहा। प्रदूषण के खिलाफ दिल्ली की लड़ाई हर बच्चे, हर बुजुर्ग, हर कामगार के स्वास्थ्य के लिए ज़रूरी है इसीलिए हम सरल, सुरक्षित, विज्ञान-आधारित समाधान जमीन पर उतार रहे हैं, नतीजों का आंकलन खुले रहे हैं और जहां दिल्ली के लोग अपनी सांस में फर्क महसूस करें, वहां तेजी से स्केल-अप कर रहे हैं। सिरसा ने बताया कि पर्यावरण विभाग यह काम चरणबद्ध और जवाबदेह तरीक़े से करेगा—30 दिनों में वैज्ञानिक पार्टनर का चयन, शहर की वास्तविक सड़कों पर फील्ड ट्रायल, हर महीने प्रगति रिपोर्ट और छह महीने में अंतिम रिपोर्ट। अध्ययन सुरक्षा, स्थिरता और लागत-प्रभावशीलता पर केंद्रित होगा, साथ ही विश्वसनीय तकनीकों की मैपिंग भी होगी ताकि नतीजे अच्छे आने पर तेजी से स्केल किया जा सके। अगर अध्ययन साबित करता है कि यह 'स्मॉग-ईटिंग' सतहें असरदार और किफायती हैं, तो विभाग तुरंत कैबिनेट में प्रस्ताव रखेगा ताकि व्यस्त मार्गों, बाज़ारों और सार्वजनिक जगहों पर बड़े पैमाने पर इन्हें लगाया जा सके और लोगों को साफ हवा मिले, मंत्री ने कहा। सरकार ने पर्यावरण विभाग को इस ठोस कार्ययोजना बनाने की ज़िम्मेदारी दी है ताकि काम समय पर और सुचारू रूप से पूरा हो सके, और हर फैसले के केंद्र में नागरिकों का हित रहे। मंत्री ने यह भी बताया कि इनोवेटर्स चैलेंज लोगों की भागीदारी से नए समाधान खोजने का बड़ा मंच बन गया है। सिरसा ने यह भी बताया कि इनोवेटर्स चैलेंज लोगों की भागीदारी से नए समाधान खोजने का बड़ा मंच बन गया है। उन्होंने कहा—पहले दिन से यह सरकार नवाचार को बढ़ावा दे रही है। ऐसे समाधान चाहिए जो विज्ञान पर आधारित हों, सड़कों पर परखे जाएं और फिर पूरे शहर में लागू किए जाएं। उन्होंने छात्रों, स्टार्टअप्स और विशेषज्ञों की बड़ी भागीदारी का ज़िक्र करते हुए कहा—अपने बेहतरीन विचार लाइए—दिल्ली उनका परीक्षण करेगी, जो काम करेगा उसे फंड देगी और पूरे शहर में लागू करेगी ताकि हर परिवार आसानी से सांस ले सके।

थाने में महिला दरोगा की पिटाई

आगरा। आगरा के थाना ट्रांस यमुना में महिला और पुलिसकर्मियों के बीच विवाद हुआ था। इसकी जांच जारी है। उधर, महिला ने चोरी के केस में बिना तथ्यों की पड़ताल किए फाइनल रिपोर्ट लगाने का आरोप लगाया था। पुलिस आयुक्त ने एफआर को निरस्त कर दिया है। वहीं जांच पूर्व एसएचओ और इंस्पेक्टर कोतवाली भानु प्रताप यादव को दी है। वहीं पुलिस पर लगे आरोपों की जांच एडीसीपी क्राइम हिमांशु गौरव को दी गई है। 19 अगस्त को थाने में पीड़ित महिला और महिला दरोगा में विवाद हुआ था। दोनों के बीच मारपीट का वीडियो सामने आया था। महिला के खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई की गई थी। जमानत पर रिहा होने के बाद महिला ने 22 अगस्त को अपना वीडियो वायरल किया था। इसमें कहा था कि वह वीडियो बना रही थीं। इस पर उनके साथ मारपीट की गई। मोबाइल छीन लिया गया। कमरा बंद करके बेरहमी से पीटा गया। मामले की जांच अपर पुलिस उपायुक्त पूनम सिरोही को दी गई थी। उन्होंने महिला दरोगा और वादी महिला के बयान दर्ज किए थे। इसके बाद अपनी रिपोर्ट पुलिस आयुक्त कार्यालय में दी थी। उन्होंने दोनों पक्षों को दोषी पाया था।

दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी ने संत राजिन्दर सिंह जी महाराज को अध्यात्म का मार्गदर्शक बताया

नई दिल्ली: विश्व-विख्यात आध्यात्मिक गुरु और सावन कृपाल रूहानी मिशन के प्रमुख, संत राजिन्दर सिंह जी महाराज की अध्यक्षता में 13 से 20 सितंबर, 2025 तक 29वें विश्व आध्यात्मिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। 20 सितंबर को सम्मेलन के समापन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में दिल्ली की मुख्यमंत्री माननीय श्रीमती रेखा गुप्ता जी मौजूद थीं। इसके अलावा लोकसभा सांसद श्री मनोज तिवारी जी, भाजपा विधायक श्री अशोक गोयल जी और अन्य कई प्रसिद्ध धर्मगुरु और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

NAME CHANGE

I hitherto known as PATEL KUM BHAVNABAHEN DHANJIBHAI alias BHAWNA C. PATEL W/O CHIRAG V. PATEL R/O J-105, Gama-2, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201308, have changed my name and shall hereafter be known as BHAWNA C. PATEL.

NAME CHANGE

I, TETARI is Mother of No. 2801553W Rank-HAV Name-YADAV RADHESHYAM SUBHAS, R/O VILL-BIRPURA, POST-BIRPURA, TEH-RASRA, DIST-BALLIA, STATE-UTTAR PRADESH PIN-221709, have changed my name from TETARI to TETRI DEVI and date of birth from 22-11-1961 to 01-01-1960 for all future purposes. Vide affidavit dated 28.07.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, VIDYA is wife of No. 2810561W Rank SEP Name DESHMUKH MAYUR presently residing at VILL-TASGAON, POST-TASGAON, TEH-SATARA, DIST-SATARA, STATE-MAHARASTRA, PIN NO-415004, have changed my name from VIDYA to DESHMUKH VIDYA MAYUR for all future purposes. Vide affidavit dated 04.09.2025. before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I,Ram Avadh Parjapati s/o Vansh Raj R/o L-146D, Shastri Nagar, Delhi-110052 have changed my name to Ram Avadh permanently

NAME CHANGE

I, SARVESH KUMAR TIWARI S/O OM PRAKASH TIWARI residing at G-41/10, BLOCK-G LAXMI PARK NANGLOI DELHI-110041. have changed my name to SARVESH TIWARI

NAME CHANGE

I, NITIN KUMAR JAIN S/O ADISH JAIN residing at 289-290, DOUBLE STORY, NEW RAJINDER NAGAR, DELHI-110060. have changed my name to NITIN JAIN.

NAME CHANGE

I, ADISH KUMAR JAIN S/O HUKUM CHAND JAIN residing at 22/10 3RD FLOOR DOUBLE STORY NEW RAJINDER NAGAR DELHI-110060. have changed my name to ADISH JAIN

NAME CHANGE

I, Samradh Saxena S/O Vipin Saxena R/O C-35 Second Floor, Hauz khas, delhi-110016. have changed my name to Samridh Saxena.

NAME CHANGE

I, Azra W/o Hasin Mohammad R/o T-510, Saifi House, Main Chamelian Road, Rani Jhansi Road, Delhi-110006 have changed my name from Azra to Azra Hasin for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

My Clients Sh. Basant Kumar S/o Late Gulab Chand and Smt. Bimlesh Bansal W/o Sh. Basant Kumar, both R/o 50/8, Yusuf Sarai, New Delhi-110016 have severed all their relations and disowned their son Deepak Bansal and his wife Smt. Nancy from their all moveable & immovable properties. My clients shall not be responsible for their any acts. Anyone dealing with them shall do so with their own risk & consequences and my clients shall not responsible for the same.

S.K. MAURYA ADVOCATE
CHAMBER NO.656 PATIALA HOUSE COURTS
NEW DELHI-110001

NAME CHANGE

I, Vinay Kumar Sharma S/o Mahinder Kumar Sharma, R/o Flat No. C-6, DDA Colony New Zafrabad, Babarpur, Shahdara, Shahdara, East Delhi, Delhi - 110032 have changed my name to Vinay Sharma for all intends and purposes.

NAME CHANGE

I, Naveen Chawla S/o Attam Parkash, R/o H No: 351/22, Durga Colony, Near Jeet Studio, Rohtak, Haryana - 124001 have changed my name to Naveen Kumar for all intends and purposes.

NAME CHANGE

I, Dinesh S/o Shobha Ram, R/o H No: B-1/18, Sanjay Enclave, Uttam Nagar, New Delhi - 110059 have changed my name to Dinesh Chand Gupta for all intends and purposes.

NAME CHANGE

I, Manoj S/o Ramji Dass, R/o H No: 571/6, Partap Chowk, Near Mala Shah Mandir, Rohtak, Haryana - 124001 have changed my name to Manoj Gandhi for all intends and purposes.

NAME CHANGE

I, Neha Kansal W/o Shyam Sunder, R/o A-289-290, Vijay Vihar, Phase-1, Sector-5, Rohini, North West Delhi - 110085 have changed my name to Neha Bindal for all intends and purposes.

NAME CHANGE

I, Jasbir Singh Badwar S/O Mahendra Singh R/O H. No.1 Viswakarma park ,Laxmi nagar, East Delhi -110092 - I, have changed My Name to Jasbir Singh Badwal for all future purposes

NAME CHANGE

I hitherto known as KIRTI alias KIRTI LAKRA D/o CHANDER BHUSHAN LAKRA W/o VISHAL R/o 114-J, Rajendra Park Extension, Nangloi, West Delhi, Delhi - 110041 have changed my name and shall hereafter be known as KIRTI LAKRA.

NAME CHANGE

I, Nandkishor W Nimje S/O Wasudevrao Nimje, R/O E-32C, First Floor,G8 Area, MIG Flat Mayapuri, Maya Puri, South West Delhi-110064, Have Changed The Name Of My Minor Daughter TOSHIKA NANDKISHOR NIMJE, Age 15 Years And She Shall Hereafter Be Known As TOSHIKA NIMJE

NAME CHANGE

I, SANIA D/O MOHD RIZWAN resident of 8874, NAYA MOHALLA PUL BANGASH, AZAD MARKET, DELHI-110006. have changed my name to SANIYA RIZWAN for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as Mohammad Imran S/O Abdul Waheed R/O Ward No. 14,Mohlalla Jaialkhani, Dasna Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001, have changed my name and shall hereafter be known as Mohd Imran

NAME CHANGE

It is for general information that I JAI BHAGWAN SINGH S/O PURAN SINGH R/O G-108, Lajpat Nagar, Sahibabad, Ghaziabad Uttar Pradesh-201005, declare that name of mine has been wrongly written as JAI BHAGWAN in my service records. The actual name of mine is JAI BHAGWAN SINGH which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Munni Devi alias Lalmuni Devi D/O Gaya Pandit W/O Babu Nand, R/O House No-C 10/20 Gali No-10 Shama Enclave, Kirari Suleman Nagar, North West Delhi. Delhi-110086,have changed my name and shall hereafter be known as LALMUNI DEVI.

NAME CHANGE

I hitherto known as Riyazuddin alias Mohd Riyazuddin S/O Islamuddin R/O 6127, Nawab Road, Basti Harphool Singh,Sadar Bazar, Delhi, G.P.O., PO Delhi G.p.o. Dist: North Delhi,Delhi--110006,have changed my name and shall hereafter be known as a Riyazuddin.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Neeraj Gupta** is the owner of Plot No.5, vide Property ID No.1B9WBN45, admeasuring 27 Sq. Yds., carved out of Mustatil No.20, Killa No.8/2, situated at Village Baselva, Tehsil & District Faridabad (Haryana); vide Sale Deed dated 16.05.2025 which is registered as Document No.2217, Book No.I, Volume No.2/90, on pages 154.25/25 to 28, at Sub-Registrar-Faridabad, on 16.05.2025 and Intend to mortgage the said property with **Truhome Finance Limited.** That the Original Transfer Deed (within blood relation) dated 27.08.2024 executed by Mr. Mahender Singh S/o. Mr. Tota Ram in favour of Mrs. Rajbala W/o. Mr. Mahender Singh in respect of land admeasuring 1 Marla (27 Sq. Yds.), carved out of Mustatil No.20, Killa No.8/2, which is registered vide Document No.5268, Book No.I, Volume No.6/158, on pages 117/66 to 68, at Sub-Registrar-Faridabad, on 27.08.2024 is lost/misplaced. Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I hitherto Known as JATIN alias JATIN DARGAN S/o KANWAL NAIN residing at M -101, 1st Floor, Arya Apartment, Sector 15 Rohini, North West Delhi, Delhi - 110089 have changed my name and shall hereafter be known as JATIN DARGAN.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Pardeep Kumar S/O: Ram Kumar, R/O House No-286- 270, Balmiki Wali Gali, Bakoli, Bakoli, North West Delhi, Delhi-110036, declare that name of mine has been wrongly written as Pardeep in my minor daughter Dakshita aged 15 years in her 10th class educational document. The actual name of mine is Pardeep Kumar, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, RAJEEV NAGPAL S/O HARI RAM NAGPAL R/O C-242 FAST FLOOR, SURAJMAL VIHAR Q. SHAKAR PUR BARAMAD, PO: SHAKARPUR, DIST: EAST DELHI, DELHI-110092, I HAVE CHANGED MY NAME FROM RAJIV NAGPAL TO RAJEEV NAGPAL FOR ALL FUTURE PURPOSE.

PUBLIC NOTICE

I SUKHBIR S/o Pratap Singh, R/o-Plot No-171, A- Block, Prem Nagar, Najafgarh, South West Delhi- 110043 aged about 49 I have changed my name from Sukhbir to Sukhbir Yadav and I declare that Sukhbir and Sukhbir Yadav is the same person. Henceforth, I shall be known as Sukhbir Yadav for all purpose.

NAME CHANGE

It is for general information that I Suraj Bhan S/O Ram Kishan, R/O 176, VILLAGE, Lad Pur, North West Delhi, Delhi-110081,declare that name of mine has been wrongly written as Suraj Bhan Dabas in my PPO no 601200502731.The actual name of mine is SURAJ BHAN ,respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Nandkishor W Nimje S/O Wasudevrao Nimje, R/O E-32C, First Floor,G8 Area, MIG Flat Mayapuri, Maya Puri, South West Delhi-110064, Have Changed The Name Of My Minor Daughter TOSHIKA NANDKISHOR NIMJE, Age 15 Years And She Shall Hereafter Be Known As TOSHIKA NIMJE

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Satyendra Kumar Singh S/O Avdhesh Kumar Singh, residing at Plot no C-37,Kh no 101/25,G/F Gali no 3 ,amar colony, Mundka pole no MDK new delhi -110041,Permanent Address -adampur, Hardoi, Sandi, Uttar Pradesh, 241403, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as Titu and Rita in my minor daughter Roshni 14 years in her school records. The actual name of mine and my wife are SATYENDRA KUMAR SINGH and RITA SINGH which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Mohd Mobin Khan S/O: Amin Khan R/O B-952 sangam vihar deoli Hauz Khas South Delhi Delhi 110062, declare that name of mine has been wrongly written as Mobin khan in my minor daughter namely Alsifa aged 14 years in her school records. The actual name of mine is Mohd Mobin Khan,which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Ram Kumar S/O Dukhi Lal Yadav, R/O D-517, INDRA KALYAN VIHAR OKHLA PHASE-1, District: South Delhi, Delhi-110020, Declare that name of mine,my wife and my minor daughter has been wrongly written as Ram Kumar yadav,Mamta yadav and my minor daughter Roshni yadav in my minor daughter namely Roshni aged 15 years in her School records. The actual name of mine,my wife and my minor daughter are RAM KUMAR, MAMTA DEVI and ROSHNI, which may be amended accordingly .

NAME CHANGE

I Shivani Bodra Wife of Dhana Bodra is legally wedded wife spouse of GS No 181606 Rank PNR presently residing at Phatka, P.O. Dumandiri Dist. Khunti, Jharkhand 835227 have changed my name from siwani Bodra to SHIVANI BODRA and my date of birth from 10.07.1983 to 01.01.1977 for all future purposes. Vide affidavit dated 21.08.2025. before Sub division magistrate Ranchi Jharkhand India.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Priti Devi W/O Subhash Kumar Singh R/O Add-B-34/2 Block-E,F ,B.J J Camp, Okhla indastrial Area, Okhla II, South Delhi, Delhi, 110020, declare that name of mine has been wrongly written written as Preeti Devi in my minor son namely Pratham Singh aged 17 years in his 10th class educational document The actual name of my mother is PRITI DEVI, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Harendra Kumar Sharma C/o Nepal Sharma R/o H N+306, Galaxy Vega, 3rd Floor, GH-08C, Techzone -4, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh -201308 have changed the name of my minor Daughter PARI KAUSHIK aged 17 years and she shall hereafter be known as KRISHNA KAUSHIK.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Pardeep Kumar S/O: Ram Kumar, R/O House No-286- 270, Balmiki Wali Gali, Bakoli, Bakoli, North West Delhi, Delhi-110036, declare that name of mine has been wrongly written as Pardeep in my minor daughter Dakshita aged 15 years in her 10th class educational document. The actual name of mine is Pardeep Kumar, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, S MURUGESWARI mother of No-4583362Y Rank-HAV Name-PERUMAL SAMY S residing at STREET-9,2,16, KULALAR STREET, VILL-VAYAL PATTI, PO-VEERAPANDI, DIST-THENI, TAMIL NADU-625534, have changed my name from S MURUGESWARI to S MURUGESHWARI for all future purposes vide Affidavit dated 20/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SELVARAJ father of No-4583362Y Rank-HAV Name-PERUMAL SAMY S residing at STREET-9,2,16, KULALAR STREET, VILL-VAYAL PATTI, PO-VEERAPANDI, DIST-THENI, TAMIL NADU-625534, have changed my name from SELVARAJ to M SELVARAJ for all future purposes vide Affidavit Dated 20/09/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MR. DEVENDRA KUMAR SON OF MR. DIPCHANDRA, R/O H. NO. 16, JHUND PURA, SECTOR-11, GAUTAM BUDH NAGAR, U.P. 201301 IS SOLE AND ABSOLUTE OWNER OF PLOT NO.78C/2, AREA MEASURING 138 SQ. YDS., OUT OF KHASRA NO.192, SITUATED AT KALA ENCLAVE, KHODA COLONY, PARGANA LONI, TEHSIL & DISTT. GHAZIABAD, U. P. AND ACQUIRED THE SAME VIDE REGD. GPA DATED 23.02.2021 EXECUTED BY MR. PRATAP SINGH DULY REGD. AS DOC. NO. 761 IN BOOK NO. 1, VOL. NO.977 ON PAGES 165-176 ON DT. 23.02.2021 IN THE OFFICE OF SRO-II, GHAZIABAD. AND NOW THE SAID MR. DEVENDRA KUMAR INTENDS TO SELL THE SAID PROPERTY TO MR. GAJENDRA SINGH S/O MR. PREM GUJAR, R/O 69 KALA ENCLAVE, KHORA, GHAZIABAD, U.P. 201001 AND MR. JITENDRA SON OF MR. PREM SINGH R/O H. NO. 64 KALA ENCLAVE, KHORA, GHAZIABAD, U.P. 201309 AND THE SAID PROPERTY WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY BY MR. JITENDRA AND MR. GAJENDRA SINGH. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SELLING OF THE SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

NAME CHANGE

It is for general information that I GOURI SHANKAR S/o MOHAN LAL, R/o J - 3/290, J.J. Colony, Wazirpur, Delhi, North West Delhi, Delhi - 110052 declare that name of mine has been wrongly written as GAURI SHANKAR in my minor daughter namely PARUL aged 15 years in her school record. The actual name of mine is GOURI SHANKAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Mohammad Farid Rain S/o Abdul Majid R/o C-160, Pocket-4, Sector-5, Rohini, Delhi-110085 have changed ny name to Mohammad Farid.

NAME CHANGE

I, POOJA Daughter of JC-812434N Rank-SUB Name-YASHPAL SINGH Presently residing at VILL-PALPUR, PO-DEGHAT, TEH-BHIKYASHEN, DIST-ALMORA, UTTARAKHAND-263659, have changed my name from POOJA to POOJA NEGI for all future purposes vide Affidavit dated 20/09/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, PAWAN SANGWAN S/o SATYA PAL SINGH, R/o FLAT NO-A-6/22, DDA FLATS SECTOR-E-1, VASANT KUNJ, PO-VASANT KUNJ, DIST-SOUTH WEST DELHI, DELHI-110070, declare that name of mine has been wrongly written as PAWAN KUMAR in my Passport No. R9658150 and Driving Licence No. DL-0420130284078. The actual name of mine is PAWAN SANGWAN, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

The public at large is hereby informed that my client Mr. Parmod Kumar S/o Babu Ram and Kusum Devi W/o Parmod Kumar both are R/oC-3/228, Gali No.-16, Nangli Vihar Extn., Najafgarh, South West Delhi, Delhi-1100438 has debar his/her son namely SUNNY Kumar from her life and property (movable & immovable) due to their bad conduct/quarrel and disobedient towards my client and my client has no control of any manner over them, Sunny Kumar is residing separately and have no concern with Sunny Kumar, if any one deals with them will be at his/her own risk then my client will not responsible in any manner and my client has snapped her relations with them in all manner for all purposes.

(ASHISH KUMAR AND ASSOCIATES)
ADVOCATES
CHAMBER NO.734-A, WESTERN WING, TIS HAZARI COURTS, DELHI-110054

NAME CHANGE

I, JC-768777F Rank-SUB Name-PANCHAL BALAJI GANGADHAR RAO residing at VILL-DABHADI, PO-PARDI, TEHSIL-BASMATH, DIST-HINGOLI, MAHARASHTRA-431512, have changed my wife's name from SARIKA to SARIKA BALAJI PANCHAL for all future purposes vide affidavit dated 20/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-768777F Rank-SUB Name-PANCHAL BALAJI GANGADHAR RAO residing at VILL-DABHADI, PO-PARDI, TEHSIL-BASMATH, DIST-HINGOLI, MAHARASHTRA-431512, have change my minor daughter's name from TANVI to TANVI BALAJI PANCHAL for all future purposes vide Affidavit Dated 20/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-768777F Rank-SUB Name-PANCHAL BALAJI GANGADHAR RAO residing at VILL-DABHADI, PO-PARDI, TEHSIL-BASMATH, DIST-HINGOLI, MAHARASHTRA-431512, have change my minor son's name from SAMARTH to PANCHAL SAMARTH BALAJI for all future purposes vide Affidavit Dated 20/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, MIRABAI mother of No-17037197X Rank-SEP Name-SONAWANE DIPAK RAMNATH residing at VILL-VAKI BK, PO-VAHEGAON SAL, TEHSIL-CHANDWAD, DIST-NASHIK, MAHARASHTRA-422306, have changed my name from MIRABAI to MIRABAI RAMNATH SONAWANE for all future purposes vide Affidavit dated 20/09/2025 before Executive Magistrate, Delhi

NAME CHANGE

It is for general information that I, KAISH KHAN S/O FIROJ KHAN R/O G-106/2, MAHAVIR VIHAR COLONY, KANJHAWALA, NORTH WEST DELHI, DELHI-110081, declare that name of my father has been wrongly written as FIROZ KHAN in my 10TH and 12th class education documents and my Aadhar card-860444298241. The actual name of my father is FIROJ KHAN, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, hitherto known as AACHAL KUMARI D/O PAPPU KUMAR GUPTA R/O 61/1, KHAJOORI PUSTA ROAD, NEAR CRPF CAMP, BIHARIPUR VILLAGE, NORTH EAST DELHI, DELHI-110094 have changed my name and shall hereafter be known as ANCHAL KUMARI.

NAME CHANGE

I, Manish s/o jaipal singh R/o-752 suman puri kishanpura bhagpat road Meerut up 250002have changed my name to manish yadav

NAME CHANGE

I RAJEEV SEHRA, FATHER OF SAACHI SEHRA R/O E108/109, LAJPAT NAGAR 1,1st FLOOR, NEW DELHI 110024,DECLARE THAT MY DAUGHTER'S NAME WRONGLY WRITTEN SAACHI RAJEEV SEHRA ON HER 10TH CERTIFICATE, (SESSION 2024-2025)WHILE HER RIGHT NAME IS SAACHI SEHRA, WHICH MAY BE AMENDED ACCORDINGLY.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Mahesh Kumar S/O: Arjun Lal, R/O H.No-5797, Gali No.116/122, Sant Nagar Burari, BURARI, North Delhi, Delhi-110084, declare that name of mine has been wrongly written as Mahesh Kumar Rajak in my minor sonAryan Kumar Rajak aged 14 years in his school record. The actual name of mine is MAHESH KUMAR ,which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

The public at large is hereby informed that my client Mr. Gopal S/o Kanhaiya Lal and Suman W/o Gopal both are R/o RZE-113, Nihal Vihar, Nangloi, Nilothi, West Delhi, Delhi-110041 has debar his/her son namely Krishan from her life and property (movable & immovable) due to their bad conduct/quarrel and disobedient towards my client and my client has no control of any manner over them, Krishan is residing separately and have no concern with Krishan, if any one deals with them will be at his/her own risk then my client will not responsible in any manner and my elient has snapped her relations with them in all manner for all purposes.

(ASHISH KUMAR AND ASSOCIATES)
ADVOCATES
CHAMBER NO.734-A, WESTERN WING, TIS HAZARI COURTS, DELHI-110054

PUBLIC NOTICE

It is for General Information that I, SEEMA RANI MEENA W/O LATE. GIRRAJ KUMAR MEENA R/O T-572/A8A, Gali No 2, Baljeet Nagar, Patel Nagar, Central Delhi, Delhi-110008 declared that name of mine and my husband has been Wrongly written as SEEMA and GIRI RAJ in my minor daughter ANSHIKA aged 12 years in her Birth certificate No-72829. The actual name of mine and my husband are SEEMA RANI MEENA AND LATE. GIRRAJ KUMAR MEENA respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for General Information that I, SEEMA RANI MEENA W/O LATE. GIRRAJ KUMAR MEENA R/O T-572/A8A, Gali No 2, Baljeet Nagar, Patel Nagar, Central Delhi, Delhi-110008 declared that name of mine and my husband has been Wrongly written as SEEMA and GIRRAJ in my minor son DEVANSH KUMAR aged 13 years in his Birth certificate No-42/12. The actual name of mine and my husband are SEEMA RANI MEENA AND LATE. GIRRAJ KUMAR MEENA respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, DOLLI W/O RAJESH KUMAR R/O E-2/22 And E2/23, Upper Ground Floor, Shastri Nagar, Shastri Nagar, (North West Delhi), North West Delhi, Delhi-110052 declare that name of mine has been wrongly written as DOLLY in my minor son namely NAKSH TOMAR aged 15 years in his school records. the actual name of mine is DOLLI which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

I GAURAV VASHISHTA S/O MAHAVIR VASHISHTA R/O T-100, Block-T, Shukar Bazar, Uttam Nagar, D.K. Mohan Garden, West Delhi, Delhi -110059 have changed the name of my minor daughter ANANYA VASHISHT aged 14 years and she shall hereafter be known as ANANYA VASHISHTA.

PUBLIC NOTICE

To be known to all that I, Abhilasha Pathak W/O Sh GP Pathak owner of 136B Ground Floor type-1, pkt A-3 Kondli Gharoli ,Mayur Vihar Phase -3, Delhi -110096, has applied for certified paper of the aforesaid flat such as original Demand cum Allotment letter office Possession Letter and NOC for Water and Electriç has been lost. File no-L- 045(2756) 90/KG/NP And FIR no/ LR no- 2344789/2024 to this effect has been lodged in the police station crime branch Delhi on dated 27/11/2024. Any person claiming any right, intrest, having any objection or found in possession of original documents may write/ contact 9810519528 .Dy. Director (LAB) Housing or Director (Housing). DDA Office Vikas Sadan. New Delhi, within 15 days from the date of publication of this notice.

NAME CHANGE

It is for general information that I Suraj Bhan S/O Ram Kishan, R/O 176, VILLAGE, Lad Pur, North West Delhi, Delhi-110081,declare that name of mine has been wrongly written as Suraj Bhan Dabas in my PPO no 601200502731.The actual name of mine is SURAJ BHAN ,respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Sudhir Chaudhary S/O O P Chaudhary R/O H. No-111, Gali No-2, ASHOK - MOHALLA VTC NANGLOI, Sub District Punjabi Bagh District West Delhi, State Delhi-110041,Declare that name of my minor son has been wrongly written as Sarthak in my minor son namely Sarthak Kundu aged 17 years in his OBC certificate no obc/03/31/47963/7/5/2015/90508931179127.The actual name of my minor son is Sarthak kundu, Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, NO-15425910Y , Rank-HAV, Name-BACHCHAN KUMAR residing at VILL-HATHIAHI, PO-BIRAUL, TEHSIL-MADHUBANI, DIST-MADHUBANI, BIHAR-847228, have changed my father's name from NAND DEO SINGH to NANDEV SINGH for all future purposes vide affidavit dated 20/09/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-15425910Y , Rank-HAV, Name-BACHCHAN KUMAR residing at VILL-HATHIAHI, PO-BIRAUL, TEHSIL-MADHUBANI, DIST-MADHUBANI, BIHAR-847228, have changed my mother's name from SHUSILA DEVI to PAVITRI DEVI for all future purposes vide affidavit dated 20/09/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, MOHD SALIM son of SHAMIM AHMED residing at H NO-I-34/2, BATLA HOUSE, NEAR KHALILULLA MASJID, JAMIA NAGAR, OKHLA, DELHI-110025 have changed my name to SALIM AHMED for all future purpose.

NAME CHANGE

I ASHIMA W/O MOHAMMAD IMTIAZ R/O B-3/111 YAMUNA VIHAR NORTH EAST DELHI DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME TO ASHIMA KHAN FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I Hitherto known as Shar Pal Singh S/O Manglu Singh R/O village jarcha,near ghanta ghar, dadri, VTC Jarcha,PO: Jarcha, Sub District Dadri, District: Gautam Buddha Nagar, State: Uttar Pradesh, 203207, Have changed my name and shall hereafter be known as RAJU SIROHI.

Public Notice

It is for general information that I Inderjit Singh S/O Trilochan singh R/O D-8/4, 4rd Floor, Model Town Part 2, Model Town II, North West Delhi-110009, declare that name of my minor daughter has been wrongly written as Rehet Sabharwal in my minor daughter namely Rehet kaur aged 15 years in her school records. The actual name of my minor daughter is Rehet kaur, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I hitherto known as. ANUSHKA CHANDALIYA D/O RAMESHWAR R/O H.NO. G-328, GALI NO. 11. MOHAN BAHA NAGAR, TAJPUR VILLAGE, BADARPUR, SOUTH DELHI, DELHI-110044, have changed my name and shall hereafter be known as ANUSHKA.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

नेस्ले ने हरियाणा, पंजाब व राजस्थान के किसानों के साथ किया धोखाः औलख

एजेंसी

सिरसा। भारतीय किसान एकता (बीकेई) के प्रधान प्रदेशाध्यक्ष लखविंदर सिंह औलख ने बताया कि नेस्ले कंपनी के साथ जुड़े हुए पंजाब, हरियाणा व राजस्थान के पशुपालक किसानों को कंपनी की गलत नीतियों के चलते करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है। नेस्ले कंपनी ने किसानों को भरोसे में लेकर बड़े-बड़े पशुपालक फॉर्म बनवाए, शेड लगवाए, सैकड़ों पशु खरीदे, बैंकों से लोन लेकर दूध का कारोबार शुरू किया, लेकिन नेस्ले कंपनी 2018 में दूध का कारोबार एकदम बंद करके उन्हें मझधार में छोड़कर ही चली गई, जिसके चलते उन्हें करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है। किसानों ने कहा कि भारतीय किसान एकता के प्रयासों से 2022 में नेस्ले कंपनी ने दोबारा दूध खरीदना शुरू किया किसानों ने राहत की सांस ली और नेस्ले कंपनी के कहने पर दोबारा से रूट वालों ने नई गाडियां ली, लोगों ने फिर पशु खरीदे, चिलिंग सेंटर व दूध इक्कठा करने के लिए ड्रम, फैट की मशीनों इत्यादि पर लाखों रुपए खर्च किए, लेकिन नेस्ले के अधिकारियों की गलत मंशा के चलते बिना किसी पूर्व सूचना के फिर से 17 मई 2024 को सिरसा जिले से दूध लेना बंद कर दिया गया, जिससे दूसरी बार पशुपालक किसानों के साथ ठगी हुई।

पक्की, डी प्लान के तहत खर्च होगी एक करोड़ की राशि : चेयरपर्सन सरोज राठी

बहादुरगढ़। शहरवासियों के लिए खुशखबरी है। बहादुरगढ़ नगर परिषद अब शहर की जर्जर व टूटी गलियों को अब नया रूप देने जा रही है। परिषद की ओर से हाल ही में एक करोड़ रुपये से अधिक राशि के 25 से ज्यादा टेंडर लगाए गए हैं। इन टेंडरों के जरिए शहर के कई वार्डों में गलियां और नालियां बनाई जाएंगी। नगर परिषद की चेयरपर्सन सरोज राठी ने बताया कि डी प्लान योजना के तहत इन निर्माण कार्यों को अंजाम दिया जाएगा। उनका कहना है कि परिषद प्राथमिकता के आधार पर शहर का विकास करवा रही है। जिन इलाकों की गलियां और नालियां लंबे समय से खराब हालत में थीं, वहां जल्द ही नई पक्की गलियां तैयार होंगी। शहर के कई हिस्सों में बरसात के दौरान कीचड़ और जलभराव की समस्या रहती थी। टूटी गलियों की वजह से लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता था। नालियों के क्षतिग्रस्त होने से गंदा पानी सड़कों पर फैल जाता था, जिससे स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतें उठानी पड़ती थीं। अब नई योजना के तहत इन समस्याओं से लोगों को छुटकारा मिलने की उम्मीद है। चेयरपर्सन सरोज राठी ने बताया कि पक्की गलियों और नालियों के निर्माण से शहरवासियों को सबसे बड़ी राहत बरसात के मौसम में मिलेगी। लोगों को न सिर्फ कीचड़ और जलभराव से मुक्ति मिलेगी, बल्कि आवागमन भी आसान हो जाएगा।

नशे के खिलाफ जागरूकता को चंडीगढ़ की सड़कों पर उतरे एनसीसी कैडेट

चंडीगढ़। नशे के खिलाफ अभियान के तहत एनसीसी ग्रुप चंडीगढ़ ने शहर के रिहायशी इलाकों और बाजारों में साइकिल रैलियां, वॉकथॉन और नुक्कड़ नाटक आयोजित किए। सैकड़ों एनसीसी कैडेट्स ने नशे के खिलाफ संदेश वाले बैनरों के साथ इन कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। नुक्कड़ नाटकों में खासतौर पर युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। युवाओं को अपनी ऊर्जा सकारात्मक और रचनात्मक कार्यों में लगाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु स्थानीय लोगों के साथ व्यक्तिगत बातचीत भी की गई। एनसीसी ग्रुप चंडीगढ़ द्वारा कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय और गुंजन सामुदायिक विकास संगठन (एनजीओ) के सहयोग से मादक पदार्थों के सेवन की रोकथाम पर एक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया था, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान मादक द्रव्यों के सेवन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा और वाद-विवाद किया गया। कार्यशाला में युवाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया और नशे के खिलाफ लड़ाई में अपनी भूमिका पर अपने विचार स्पष्ट किए।

सोनीपत में सीवेरज लाइन धंसी, आधा दर्जन कॉलोनियां परेशान

सोनीपत। सोनीपत ककरोई रोड पर सिद्धार्थ गार्डन के पास सीवेरज की बड़ी लाइन धंस जाने से आधा दर्जन कॉलोनियों में निकासी ठप हो गई है। गंदा पानी जमा होने से लोगों को भारी दिक्कत झेलनी पड़ रही है। नगर निगम ने बाईपास लाइन डालकर समस्या से राहत दिलाने का काम शुरू किया है। नगर निगम मेयर राजीव जैन ने मौके का निरीक्षण किया और पाइप लाइन का काम जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि सीवेरज ट्रीटमेंट प्लांट तक जाने वाली 900 एमएम की लाइन धंस गई है, जिसके कारण गढ़ी ब्राह्मणान, शास्त्री कॉलोनी, मयूर विहार समेत आधा दर्जन कॉलोनियों में गंदे पानी की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। मेयर ने बताया कि लाइन धंसने की सूचना मिलते ही युद्ध स्तर पर बाईपास लाइन डालने का काम शुरू किया गया। इसके जरिये एक मैनहोल से पानी उठाकर मोटर से दूसरे मैनहोल में डाला जाएगा। बाईपास लाइन तैयार होने के बाद कॉलोनियों में खड़े गंदे पानी से राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि ट्रीटमेंट प्लांट बनने के बाद से ही यह लाइन दिक्कतें पैदा कर रही है। इसी वजह से 6 करोड़ की लागत से सीआई पाईपिंग भी करवाई गई, लेकिन इसका असर सीमित ही रहा।

आज लोकतंत्र नहीं कांग्रेस पार्टी का अस्तित्व खतरे में है : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा चलाए जा रहे वोट चोरी के अभियान को खारिज करते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा है कि आज न तो लोग खतरे में हैं और न ही लोकतंत्र को कोई खतरा है। आज केवल कांग्रेस पार्टी का अस्तित्व खतरे में हैं। राहुल गांधी के बयानों से कांग्रेस के विधायक और सांसदों की कुर्सी भी खतरे में आ गई है। चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में नायब सैनी ने कर्नाटक की उन सीटों पर रिपोर्ट जारी की जहां कांग्रेस के नेता चुनाव जीतकर आए हैं और राहुल गांधी वोट चोरी का आरोप लगाते रहे हैं। राहुल गांधी के बहाने रणदीप सुरजेवाला पर हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले हरियाणा में कांग्रेस की सरकार थी, और विधानसभा चुनाव के दौरान कैथल निवासी पारस मित्तल ने हाई कोर्ट में याचिका दायर करके कहा

था कि जो लोग कैथल निवासी नहीं हैं उनके वोट कैथल में बनाए गए हैं। याचिका में कांग्रेस नेताओं के वोट कैथल और नरवाना विधानसभा हलकों में होने का दावा करते हुए पारस मित्तल ने 6 मई, 2014 को 10 हजार फर्जी वोटों की सूची निर्वाचन आयोग को सौंपी थी। जांच के बाद उसमें से 7447 मतदाताओं को फर्जी मानते हुए मतदाता सूची से हटाया गया था।

चुनाव आयोग पर टिप्पणी करने वाले राहुल गांधी या उन्हें स्क्रिप्ट लिखकर देने वाले रणदीप सुरजेवाला बताएं कि 2014 में जब हरियाणा में यह मामला हुआ तो किसकी सरकार थी। देश के आजाद होने के बाद महात्मा गांधी ने कहा था कि भारत आजाद हो चुका है, अब कांग्रेस को भंग कर देना चाहिए। राहुल गांधी कभी वोट चोरी तो कभी ईवीएम खराब और कभी संविधान को खतरा बताकर न केवल देश की जनता को गुमराह कर रहे हैं बल्कि देश में इसी प्रक्रिया से चुनकर आए अपनी पार्टी के विधायकों और सांसदों की सदस्यता को भी खतरे में डाल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 में हुए घटनाक्रम को चुनाव आयोग के उस अधिकारी के साथ जोड़ा जा रहा है जो 2025 में आया है। जिस विधानसभा क्षेत्र में वोट चोरी की बात की जा रही है वहां तो कांग्रेस जीतकर आई थी।

इसका मतलब है कि कांग्रेस ने वोट चोरी किए हैं। आरोप लगाकर भाग जाना राहुल गांधी की आदत में शुमार हो चुका है। नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने इतने वर्षों के भीतर देश को मजबूत नहीं देशवासियों को मजबूर बनाया है। अब पिछले 11 वर्षों से देश का प्रत्येक गांव व शहर बदल रहा है।

खरीफ सीजन के लिए 22 जिलों में तैनात किए वरिष्ठ आईएएस

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य में आगामी खरीफ खरीद सीजन 2025-26 के मद्देनजर मंडियों और खरीद केंद्रों पर चल रहे खरीद कार्यों के निरीक्षण और समीक्षा करने हेतु सभी 22 जिलों के लिए वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को नियुक्त किया है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने जारी आदेशों में राज्य के वरिष्ठ अधिकारीयों को अलॉट किये गए जिलों की मंडियों और खरीद केंद्रों पर सुविधाओं की समीक्षा, खरीद कार्य की समीक्षा तथा खरीद के दौरान किसानों की शिकायतों के तुरंत निपटान करने हेतु यह जिम्मेदारी सौंपी हैं।खरीफ खरीद सीजन 2025-26 के लिए सुधीर राजपाल को पलवल, डॉ. सुमिता मिश्रा को पंचकूला, पंकज अग्रवाल को सोनीपत, राजशेखर वुंडरू को महेंद्रगढ़, विनीत गर्ग को फतेहाबाद, जी. अनुपमा को कुरुक्षेत्र, अपूर्वा कुमार सिंह को पानीपत, अरुण कुमार गुप्ता को यमुनानगर जिला सौंपा गया है। इसी प्रकार अनुराग अग्रवाल को भिवानी, विजेंदर कुमार को सिरसा, डी.सुरेश को चरखी दादरी, राजीव रंजन को जींद, विकास गुप्ता को कैथल, विजय कुमार दहिया को अंबाला, अमनीत पी.कुमार को हिसार, टी.एल सत्य प्रकाश को झज्जर, मोहम्मद शाइन को रेवाड़ी, डॉ.अमित कुमार अग्रवाल को फरीदाबाद, संजय जून को रोहतक, आशिमा बराड़ को गुरुग्राम, सी.जी रजनी कांथन को करनाल और फूल चंद मीणा की नूंह जिले के लिए नियुक्त किया गया है।

हरियाणा सरकार ने राईस मिलर्स के लिए लिया बड़ा फैसला

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राईस मिलर्स के हित में बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार ने चावल की डिलीवरी अवधि और बोनस राशि की अवधि को 15 मार्च 2025 से बढ़ाकर 30 जून 2025 तक करने का निर्णय लिया है। इस फैसले से राज्य की लगभग 1000 मिलों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही इन मिलर्स को बोनस राशि के अतिरिक्त लगभग 50 करोड़ रुपये के होल्डिंग चार्जिज में भी छूट का लाभ प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हरियाणा राईस मिलर्स एसोसिएशन द्वारा सरकार को बताया गया कि भारतीय खाद्य निगम द्वारा चावल की डिलीवरी लगभग 45 दिन देर से शुरू की गई जिसके कारण मिलर्स अपना कार्य निर्धारित अवधि में पूर्ण नही कर पाए। हरियाणा राइस मिलर्स एसोसिएशन की मांग पर सरकार ने राईस मिलर्स को दिए जाने वाली

- चावल की डिलीवरी और बोनस राशि की अवधि 30 जून 2025 की गई
- होल्डिंग चार्जिज पर 50 करोड़ रुपये की मिलेगी छूट
- हरियाणा में 22 सितंबर से शुरू होगी खरीफ फसलों की खरीद

बोनस की राशि की अवधि को 15 मार्च 2025 से बढ़ाकर 30 जून 2025 करने का निर्णय किया गया है। इसके अतिरिक्त राईस मिलर्स की चावल की डिलीवरी अवधि को भी रि-शेड्यूल करते हुए 30 जून 2025 करने का निर्णय लिया गया है। इससे सभी राईस मिलर्स को बोनस की राशि के अतिरिक्त होल्डिंग चार्जिज में भी छूट का लाभ प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अब एक अक्टूबर की बजाय अब 22 सितम्बर 2025 से राज्य में खरीफ फसलों की सरकारी खरीद प्रारंभ की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने किसानों को एमएसपी के बारे में गुमराह करने का काम किया कि भाजपा सरकार एमएसपी को खत्म कर रही है। जबकि हमारी सरकार ने लगातार फसलों पर एमएसपी को बढ़ाने का काम किया है। वर्ष 2014 में धान कॉमन का एमएसपी 1360 रुपये प्रति क्विंटल था, जबकि आज 2369 रुपये प्रति क्विंटल है। इसी प्रकार, वर्ष 2014 में धान ग्रेड-ए का एमएसपी 1400 रुपये प्रति क्विंटल था, जबकि आज 2389 रुपये प्रति क्विंटल है।

इंजीनियरिंग व डिप्लोमा कोर्स के 28 विद्यार्थी जाएंगे इसरो

● पहली बार तकनीकी शिक्षा विभाग की पहल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रयास से इंजीनियरिंग और डिप्लोमा कोर्स के 28 विद्यार्थी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का शैक्षिक भ्रमण करवाया जाएगा। यह दल 22 सितंबर की सुबह दिल्ली से अहमदाबाद के लिए उड़ान भरेगा और 23 सितंबर को इसरो के स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (एसएसी) में होगा। जहां उन्हें विश्व स्तरीय उपग्रह निर्माण और अंतरिक्ष तकनीक के विभिन्न आयामों की जानकारी दी जाएगी। चंद्रयान-3 की सफलता ने पूरी दुनिया का ध्यान भारत की ओर खींचता है। ऐसे समय में विद्यार्थियों को इसरो से सीधे जुड़ने का अवसर मिलना न केवल उनके करियर बल्कि राज्य की तकनीकी शिक्षा व्यवस्था के लिए भी अहम होगा। भ्रमण के दौरान विद्यार्थी उपग्रहों की डिजाइन और संचालन प्रक्रिया को नजदीक से देखेंगे।

दल का नेतृत्व तकनीकी शिक्षा विभाग के निदेशक प्रभजोत सिंह करेंगे जबकि उप निदेशक हरिदास

कटारिया और उप निदेशक अमृता सैनी भी साथ मौजूद रहेंगे। दल में 11 छात्राएं और 17 छात्र शामिल हैं। यह पहल तकनीकी शिक्षा विभाग के उस विजन का हिस्सा है। जिसमें छात्रों को सिर्फ कक्षा तक सीमित न रखकर प्रायोगिक और वैश्विक अनुभव से जोड़ने पर बल दिया जा रहा है। इस दल में प्रदेश के इंजीनियरिंग और डिप्लोमा कॉलेजों के 28 टॉपर बच्चे शामिल हैं। जिनकी इसरो यात्रा का तमाम खर्च हरियाणा सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है। यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि पहली बार हरियाणा से विद्यार्थियों को इसरो भ्रमण का मौका मिला है। इस दल में विद्यार्थी शीतल, अंजली, सागर, केशव राणा, नीलम देवी, मनोज कुमार, गीतिका बतरा, प्रियंका मिश्रा, लक्षिता वतरा, संजू, दीक्षांत शर्मा, विशाल यादव, सचिन, लुभांशी, अमन श्रीवास्तव, निखिल, कनव, कोमल, कवी, प्रिंस शर्मा, रिया, गौरव, योगेश कुमार, विक्रम कुमार पटेल, उमेश, आदित्य, अमन और चाहत सिवाच शामिल हैं।

भारत का ग्रोथ इंजन है हरियाणा : नायब सैनी

● रोजगार देने वाला युवा बल तैयार करना है लक्ष्य **● रोजगार देने वाला युवा बल तैयार करना है लक्ष्य**

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत संकल्प से ही भारत विकसित राष्ट्र बन सकता है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा संकल्प है जो हमें आत्मनिर्भरता की ओर ले जा रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी पंचकूला स्थित भाजपा कार्यालय पंचकमल में आत्मनिर्भर भारत संकल्प कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। नायब सैनी ने कहा कि आज हरियाणा देश-विदेश के निवेशकों की पहली पसंद बन गया है। गत 11 वर्षों में प्रदेश में 7 लाख 66 हजार सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग लगे हैं तथा इनमें 39 लाख लोगों को रोजगार मिला है। हमने 'हरियाणा राज्य स्टार्टअप नीति-2022' लागू की है। प्रदेश में 19 यूनिकॉर्न कंपनियां हैं। इनके अलावा, 250 से अधिक फॉर्च्यून - 500 कंपनियां भी यहां हैं।कार्यशाला में बोलते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 25 सितंबर से

लेकर 25 दिसंबर तक आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान चलेगा। इस अभियान की चर्चा हर गली और घर-घर तक पहुंचनी चाहिए। सैनी ने कहा कि यह एक ऐसा विजन है जहां हर नागरिक सशक्त हो, जहां हर युवा को रोजगार मिले और हमारी अर्थव्यवस्था विश्व के सामने अपने कदम मजबूती से आगे बढ़ा सके। सीएम ने कहा कि मेक इन इंडिया, लोकल फॉर वोकल, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और स्किल इंडिया जैसी पहल देश को नई उंचाईयों पर लेकर जा रही है। उन्होंने कहा कि एमएसएमई हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने हरियाणा में व्यापार करने में आसानी के लिए 48 विभागों के 1100 से अधिक गैर जरूरी नियमों को समाप्त किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली की अध्यक्षता में हुई इस कार्यशाला को राष्ट्रीय सचिव अल्का गुर्जर, प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के अलावा संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने भी संबोधित किया। कार्यशाला में प्रदेश महामंत्री एवं मंत्री कृष्ण बेदी, प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया सहित सांसद, विधायक, मंत्री, जिलों के अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी तथा आत्म निर्भर भारत संकल्प की टीम मौजूद रही।

ऑल हरियाणा पीडब्ल्यूडी कांट्रेक्टर एसोसिएशन की कार्यकारिणी भंग

एजेंसी

चंडीगढ़। ऑल हरियाणा पीडब्ल्यूडी कांट्रैक्टर्स एसोसिएशन की बैठक आज यहां आयोजित की गई। जिसमें सर्वसम्मति से पुरानी कार्यकारिणी को भंग करने का फैसला लिया गया। बैठक में प्रदेश भर से पीडब्ल्यूडी कांट्रैक्टर्स ने हिस्सा लिया, इस दौरान पुरानी कार्यकारिणी ने एक वर्ष का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। कांट्रैक्टर्स मुकेश कुमार और संरक्षक अनिल दुआ की अगुवाई में आयोजित हुई बैठक में ठेकेदारों की मांगों और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। वहीं एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को मांग पत्र सौंपा और कार्यकारिणी भंग करने के फैसले बारे भी अवगत कराया।

कांट्रैक्टर्स विजय कांसल ने बताया कि बैठक के दौरान ठेकेदारों की समस्याओं पर चर्चा के साथ भुगतान संबंधित मुद्दे पर भी चर्चा हुई और इस बारे पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को अवगत कराया किया कि जल्द ही लंबित पेमेंट का भुगतान किया जाए। ठेकेदारों की ओर से तर्क दिया गया कि पेमेंट का भुगतान समय पर न होने के चलते कार्यों की गति धीमी हो रही है।

उन्होंने बताया कि कार्यकारिणी भंग करने के बारे पीडब्ल्यूडी के उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया है और साथ ही यह भी जानकारी दी गई है कि पुरानी कार्यकारिणी यदि कोई फैसला या आदेश जारी करती है तो वह मान्य नहीं होगा। जल्द ही नई कार्यकारिणी गठित की जाएगी, जिसकी रूपरेखा तैयार की जा रही है। इस अवसर पर कांट्रैक्टर्स अरविंद जाखड़, संजय कुमार, रमन बंसल, दीपेंद्र कुमार, सतीश कुमार, सुखबीर सिंह, प्रदीप ढांडा, परमजीत सिंह, अमित चहल, रविंद्र बूरा, पंकज गर्ग और अजय सहित बड़ी संख्या में कांट्रैक्टर्स मौजूद रहे।

कांग्रेस पहले अपने राज्यों में ज्यादा मुआवजा दिलवाए फिर उठाए सवाल : ओम प्रकाश धनखड़

एजेंसी

झज्जर। भारतीय जनता पार्टी के सचिव ओम प्रकाश धनखड़ ने कांग्रेस सांसद दीपेन्द्र हुड्डा के उस बयान पर पलटवार किया है जिसमें दीपेन्द्र ने कांग्रेस के हुड्डा राज में पंजाब से ज्यादा मुआवजा हरियाणा के किसानों को दिलाए जाने की बात कही है। धनखड़ ने कहा है कि हरियाणा पर सवाल उठाने से पहले कांग्रेस को अपनी पार्टी शासित प्रदेशों में इतना मुआवजा दिलाए और उसके बाद ही हरियाणा पर सवाल उठाने की बात करें। धनखड़ ने कहा कि वैसे तो हरियाणा की नायब सैनी सरकार प्रदेश के जलभराव पीड़ित किसानों को 15 हजार रूपये प्रति एकड़ मुआवजा दे रही है, लेकिन दीपेन्द्र हुड्डा यह क्यों भूल जाते है कि उन्हीं के राज में हरियाणा के किसानों को डेढ़-डेढ़ रूपये के चेक दिए जाते थे। धनखड़ बादली विधानसभा क्षेत्र के गांव बुपनियां में कुश्ती के विजेता पहलवानों के सम्मान कार्यक्रम के दौरान मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी जैसे अभियानों पर विशेष

जोर दे रहे हैं। भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा बाजार ही नहीं, बल्कि सबसे बड़ा उत्पादक भी बन सकता है। यह सामर्थ्य हमारे देश में है और भाजपा इसे साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान धनखड़ ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की जीत पर संगठन के कार्यकर्ताओं और तमाम विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वह स्वयं एबीवीपी कार्यकर्ता रह चुके हैं, इसीलिए यह जीत उनके लिए व्यक्तिगत रूप से गर्व की बात है। धनखड़ ने बताया कि इस बार पंजाब विश्वविद्यालय में भी पहली बार एबीवीपी ने जीत दर्ज की है, जो छात्र राजनीति में बदलाव का स्पष्ट संकेत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर शुरू हुए सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत बुपनिया गांव में कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। धनखड़ ने विजेता पहलवानों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया और कहा कि यह अभियान सिर्फ खेल तक सीमित नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, फिटनेस और सेवा भाव को लेकर एक समर्पित अभियान है जो समाज के हर वर्ग को जोड़ता है।

धनखड़ ने दावा किया कि भाजपा सरकार द्वारा हरियाणा में चलाया गया फसल बीमा अभियान देशभर में सबसे प्रभावी और पारदर्शी रहा है। कई किसानों को प्राकृतिक आपदा के समय सीधे खाते में राहत राशि पहुंची है। यह किसानों के हित में लिया गया बड़ा कदम है। धनखड़ ने इस दौरान विपक्ष पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सच्चाई तो यह है कि किसान और आमजन की तरक्की विपक्ष को हजम नहीं हो रही है, इसीलिए सरकार पर अनाप शनाप आरोप लगाता रहता है।

नारनौल में हुए सड़क हादसे में नूंह के युवक की मौत

ज्योति दर्पण

नारनौल। नारनौल-धौलेड़ा रोड पर गांव बेरूंडला के पास एक पिकअप की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान नूंह जिला के गांव चांदड़ाका निवासी सतीश कुमार के रूप में हुई है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर नारनौल के नागरिक अस्पताल से पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार नूंह जिला के गांव चांदड़ाका निवासी सतीश कुमार बाइक पर सवार होकर शुक्रवार रात को धौलेड़ा से नारनौल की ओर जा रहा था। इस दौरान एक तेज रफ्तार पिकअप चालक ने उसको टक्कर मार दी। स्पीड तेज होने की वजह से पिकअप भी बेकाबू होकर पलट गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नागरिक अस्पताल नारनौल में भिजवाया। मृतक के भतीजे हवा सिंह ने बताया कि वे दोनों क्रेशर जोन में काम करते हैं।

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत पुलिस ने जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय को किया मजबूत

ज्योति दर्पण

पानीपत। पानीपत में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत पानीपत पुलिस द्वारा आठ मरला स्थित पार्क में जनसंपर्क एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सतीश वत्स ने इस दौरान वार्ड की विभिन्न कालोनियों के उपस्थित मौजिज व्यक्तियों के साथ सीधा संवाद स्थापित कर उनकी पुलिस से संबंधित समस्याओं को जाना और मौके पर ही थाना प्रभारी व चौकी इंचार्ज को इनका समाधान करने के निर्देश दिए। उप पुलिस अधीक्षक ने इस दौरान कानून व्यवस्था, साइबर क्राइम से बचाव, महिला सुरक्षा, यातायात नियमों व नशा उन्मूलन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी नागरिकों को जागरूक किया। साथ ही नागरिकों से अपील की गई कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। उप पुलिस अधीक्षक श्री सतीश वत्स ने कहा कि पुलिस तभी प्रभावी ढंग से कार्य कर सकती है जब समाज का सहयोग उसे प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि आपराधिक गतिविधियों की सूचना समय पर जिससे अपराधों पर पूर्णत अंकुश लगाया जा सके। इस दौरान थाना माडल टाउन प्रभारी सब इंस्पेक्टर जगमिंद्र, आठ मरला चौकी इंचार्ज सब इंस्पेक्टर

मिलना पुलिस के लिए अत्यंत आवश्यक है। पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद और सहयोग से ही एक सुरक्षित समाज की स्थापना संभव है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस और आमजन के बीच विश्वास, सहयोग एवं समन्वय को और अधिक सुदृढ़ बनाना है। रोबिन, वार्ड नंबर 19 के पार्षद योगेश शर्मा, तिलक राज मिगलानी, यशपाल शर्मा, शशि गोसाई, अंशुल शर्मा, विक्रम गोस्वामी, राजू कुंडू, कपिल मिगलानी, जोगिंदर पाल शर्मा, सुरेश आहूजा, देवांश शर्मा सहित काफी संख्या में कॉलोनी निवासी मौजूद रहें।

अधिकारियों का व्यवहार ही सरकार का असली चेहरा : उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल

एजेंसी

झज्जर। उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने जिला सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में विभिन्न विभागाध्यक्षों की बैठक ली और सरकारी योजनाओं व नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की। उपायुक्त ने कहा कि सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक सुगम व पारदर्शी तरीके से पहुंचे। उन्होंने कहा कि आमजन की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य किया जाए। उपायुक्त ने विभागाध्यक्षों को नवाचार व बेस्ट प्रैक्टिस को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग अपने कार्यक्षेत्र में ऐसे इनोवेटिव आइडिया लागू करे, जिनसे लोगों तक योजनाओं की जानकारी व लाभ सरलता से पहुंच

सके। साथ ही, अधिकारियों को अपने स्टाफ सदस्यों को भी इसी सोच के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने को कहा। उपायुक्त ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा योजनाओं के क्रियान्वयन की सख्त मॉनिटरिंग की जा रही है और यह सभी की जिम्मेदारी है कि योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय पर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे फील्ड में रहते हुए जनता के साथ बेहतर व्यवहार करें, क्योंकि अधिकारी ही सरकार का वास्तविक चेहरा होते हैं और उनके व्यवहार से ही शासन की छवि बनती है। बैठक में उपायुक्त ने विभागाध्यक्षों को यह भी निर्देश दिए कि न्यायालयों में लंबित मामलों की गंभीरता से पैरवी की जाए। उन्होंने कहा कि कानूनी मामलों में अनावश्यक देरी से न केवल आमजन प्रभावित होता है, बल्कि विभागीय संसाधनों का ह्रास होता है। मीटिंग में झज्जर के एसडीएम अंकित कुमार चौकसे, बहादुरगढ़ के एसडीएम नसीब कुमार, बेरी की एसडीएम रेणुका नांदल, डीएमसी डॉ. सुशील कुमार, डीसीपी अमित दहिया, डीआरओ मनबीर सिंह, डीडीपीओ निशा तंवर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पीयूष गोयल की इंडस्ट्री से अपील, टैक्स कटौती का पूरा फायदा ग्राहकों को दें

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 22 सितंबर से लागू होने वाले नए जीएसटी सुधारों से पहले उद्योगों से अपील की है कि वे टैक्स कटौती का पूरा फायदा ग्राहकों तक पहुंचाएं। नए फ्रेमवर्क के तहत मौजूदा चार टैक्स स्लैब (5, 12, 18, 28 फीसदी) को घटाकर सिर्फ दो स्लैब (5 और 18 फीसदी) किया जाएगा। इस बदलाव से कई वस्तुओं पर टैक्स कम होगा, जिससे आम लोगों को कीमतों में राहत मिलेगी। सरकार ने कई वस्तुओं के टैक्स में भारी कमी की है। इसके अलावा, सिन और लग्जरी वस्तुओं पर 40 प्रतिशत टैक्स निर्धारित किया गया है। मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में कहा कि टैक्स कटौती का लाभ सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाना जरूरी है, जिससे उद्योगों को भी दीर्घकालीन फायदा होगा। उन्होंने बताया कि ऑटोमोबाइल सेक्टर पहले ही कीमतों में कटौती कर ग्राहकों को फायदा पहुंचा रहा है। सरकार व्यापार सुगमता और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रही है, जिनमें नई लॉजिस्टिक्स नीति, नए औद्योगिक शहरों का विकास, छोटे विवादों को अपराधमुक्त करना और उद्योगों पर अनुपालन बोझ कम करना शामिल है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने उद्योग संघों और विभिन्न मंत्रालयों के साथ बैठकों के जरिए नए जीएसटी दरों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित किया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, टैक्स कटौती से उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की कीमतों में कम से कम 10 प्रतिशत और ऑटोमोबाइल की कीमतों में 12 से 15 प्रतिशत तक की कमी आएगी। इससे आम जनता को सस्ते दामों पर उत्पाद मिलेंगे और बाजार में मांग बढ़ेगी। इस प्रकार, नई जीएसटी व्यवस्था के लागू होने से उपभोक्ताओं को सीधे फायदा मिलने की उम्मीद है, जिसके लिए उद्योगों का सहयोग आवश्यक है।

एनटीपीसी विदेशों में यूरेनियम संपत्तियों का अधिग्रहण करेगी

- स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम, माही-बांसवाड़ा में 2,800 मेगावाट की परियोजना से होगी शुरुआत

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड अब परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश करने जा रही है। कंपनी अपनी भावी परियोजनाओं के लिए विदेशों में यूरेनियम संपत्तियों के अधिग्रहण की योजना बना रही है, जिससे परमाणु ईंधन की सुनिश्चित आपूर्ति हो सके। एनटीपीसी ने यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के मसौदे को मंजूरी दी है। इसके तहत विदेशों में यूरेनियम खनिजों की तकनीकी और वाणिज्यिक जांच की जाएगी। यूरेनियम एक प्राकृतिक धातु है, जिसका उपयोग परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में ईंधन के रूप में होता है। एनटीपीसी, जिसकी कुल स्थापित क्षमता 83,026 मेगावाट है, अब कोयला, गैस, जल और सौर ऊर्जा के साथ परमाणु ऊर्जा को भी अपने ऊर्जा मिश्रण में शामिल कर रही है। परमाणु क्षेत्र में इसकी पहली परियोजना राजस्थान के माही-बांसवाड़ा में 2,800 मेगावाट की होगी, जिसे न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के साथ संयुक्त उद्यम 'अणुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड के माध्यम से विकसित किया जाएगा। इसके अलावा, कंपनी ने जनवरी 2025 में अपनी सहायक इकाई एनटीपीसी न्यूक्लियर एनर्जी लिमिटेड की स्थापना भी की है। एनटीपीसी, अमेरिका की क्लीन कोर थोरियम एनर्जी जैसी कंपनियों के साथ सहयोग की संभावनाएं तलाश रही है। भारत सरकार का लक्ष्य है कि 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता स्थापित की जाए। फिलहाल देश की कुल ऊर्जा क्षमता में परमाणु ऊर्जा का योगदान सिर्फ 2 फीसदी (8,180 मेगावाट) है। एनटीपीसी का यह कदम इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारत समुद्री खाद्य निर्यात में ग्लोबल लीडर, 2030 तक 15 बिलियन डॉलर का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

भारत वर्तमान में 132 देशों को समुद्री खाद्य निर्यात कर विश्व बाजार में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है। 2024-25 में देश ने 16,98,170 टन सीफूड का निर्यात किया, जिसकी कीमत 62,408.45 करोड़ रुपए (7.45 बिलियन डॉलर) रही। यह पिछले वर्ष 2023-24 के 17,81,602 टन निर्यात और 60,523.89 करोड़ रुपए (7.38 बिलियन डॉलर) से मूल्य के हिसाब से बढ़त दर्शाता है। इस क्षेत्र की निरंतर बढ़ोतरी वैश्विक व्यापार में उतार-चढ़ाव के बावजूद उसकी मजबूती को दर्शाती है। मत्स्य पालन क्षेत्र करीब 3 करोड़ मछुआरों और फिश फार्मरों की आजीविका का सहारा है, जो देश की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाता है। यह क्षेत्र न केवल निर्यात में बढ़ोतरी कर रहा है, बल्कि ग्रामीण विकास और रोजगार सृजन में भी योगदान दे रहा है। एशिया के सबसे बड़े सीफूड ट्रेड फेयर, इंडिया इंटरनेशनल सीफूड शो का 24वां संस्करण 25 से 28 सितंबर तक भारत मंडपम, दिल्ली में आयोजित होगा। यह आयोजन वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 का हिस्सा है। एसईएआई के अध्यक्ष पवन कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम भारत के समुद्री खाद्य निर्यात क्षेत्र की वैश्विक स्थिति मजबूत करने और नए बाजारों में विस्तार के लिए महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। एसईएआई के महासचिव के.एन. राघवन ने कहा कि उनका आदर्श वाक्य 'सतत तरीके से प्राप्त, मानवीय तरीके से सोर्सिंग' इस क्षेत्र की जिम्मेदार और नैतिक प्रथाओं को दर्शाता है। आईआईएसएस 2025 में 260 से अधिक स्टॉल, तकनीकी सत्र, और 15 से अधिक देशों के प्रतिभागी मौजूद रहेंगे, जिनमें अमेरिका, यूरोपियन यूनियन, जापान और चीन प्रमुख हैं। भारत का समुद्री खाद्य निर्यात क्षेत्र तेजी से बढ़ते वैश्विक बाजार में अपनी मजबूती और स्थिरता को कायम रखे हुए है।

एच-1बी वीजा फीस हाइक : केंद्र सरकार नैसकॉम के साथ स्थिति का कर रही आकलन

- अमेरिका ने एच-1बी वीजा पर 1 लाख डॉलर की सालाना फीस लगाने का प्रस्ताव दिया

नई दिल्ली ।

अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा पर सालाना 1 लाख डॉलर की फीस लगाने के प्रस्ताव से भारतीय आईटी सेक्टर में हलचल है। इस फैसले से विशेषकर अमेरिकी कंपनियों पर असर पड़ने की उम्मीद है, जो तकनीकी प्रतिभा के लिए भारतीय पेशेवरों पर निर्भर हैं। भारत सरकार और प्रमुख आईटी संस्था नैसकॉम इस निर्णय के संभावित प्रभाव का विश्लेषण कर रहे हैं। सरकारी सूत्रों के अनुसार, वाशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास भी इस मुद्दे पर सक्रिय है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका की इस नीति से भारत में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसीएस) के विस्तार को बल मिलेगा। वर्तमान में भारत में लगभग 1,700 जीसीसीएस हैं, और 2030 तक यह संख्या 2,100 पार करने का अनुमान है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में कहा कि भारत में दुनिया के लगभग 50 फीसदी जीसीसीएस मौजूद हैं, जो अब सिर्फ बैक ऑफिस नहीं, बल्कि इनोवेशन और आरएंडडी के हब बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह सेक्टर विकसित भारत 2047 की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। टेक महिंद्रा के पूर्व सीईओ सीपी गुरनानी ने बताया कि भारतीय आईटी कंपनियों ने एच-1बी वीजा पर निर्भरता कम कर दी है और अब स्थानीय प्रतिभा, ऑटोमेशन और ग्लोबल डिलीवरी मॉडल पर जोर दिया जा रहा है। कुल मिलाकर, जहां एक ओर अमेरिकी नीति से चुनौतियाँ हैं, वहीं भारत के लिए यह तकनीकी नेतृत्व स्थापित करने का अवसर भी है।

चांदी ने इस साल अब तक दिया 49 फीसदी का रिटर्न, सोना और शेयर बाजार पीछे

- ईवी और सौर ऊर्जा सेक्टर की मांग, वैश्विक अनिश्चितता और कमजोर डॉलर ने चांदी पहुंची उच्च स्तर पर

नई दिल्ली ।

इस वर्ष चांदी ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न देकर सोना और शेयर बाजार को पीछे छोड़ दिया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी की कीमत 19 सितंबर 2025 तक 49.14 फीसदी बढ़कर 1,30,099 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष 87,233 रुपए प्रति किलोग्राम थी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तेजी वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, अमेरिकी डॉलर की कमजोरी, और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में संभावित कटौती की उम्मीदों से आई है। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा और स्वच्छ तकनीक क्षेत्रों से औद्योगिक मांग में तेज वृद्धि भी चांदी की कीमतों को बढ़ावा देने वाला मुख्य कारक रही। बाजार के जानकारों ने कहा कि भू-राजनीतिक तनावों के बीच सुरक्षित निवेश की तलाश ने भी चांदी को समर्थन दिया। इसके अलावा कमजोर रुपये ने घरेलू कीमतों को और ऊपर पहुंचाया। एक बाजार विश्लेषक ने बताया कि चांदी एकमात्र

ऐसी धातु है जिसमें बहुमूल्य और औद्योगिक दोनों गुण मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि चांदी कॉमेक्स पर 2012 के बाद पहली बार 40 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई। तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो सोना इस साल अब तक 43.2 फीसदी बढ़ा है, जबकि बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में क्रमशः 5.74 और 7.1 फीसदी की वृद्धि हुई है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि जोखिम क्षमता के अनुसार चांदी में निवेश अभी भी एक बेहतर विकल्प हो सकता है।

एच-1बी वीजा फीस सिर्फ नए आवेदकों पर लागू

– 21 सितंबर से पहले दाखिल पिटीशनों पर नहीं पड़ेगा असर

मुंबई । अमेरिका में एच-1बी वीजा को लेकर मची हलचल के बीच व्हाइट हाउस ने बड़ा स्पष्टीकरण जारी किया है। नए नियम के तहत लागू की गई 1,00,000 डॉलर (लगभग 83 लाख रुपए) की भारी फीस केवल नए एच-1बी आवेदकों पर लागू होगी, मौजूदा वीज़ा धारकों पर नहीं। अमेरिकी नागरिकता और इमिग्रेशन सेवा (यूएससीआईएस) ने साफ किया है कि यह फीस केवल 21 सितंबर के बाद दायर होने वाले नए पिटीशनों पर लागू होगी। यूएससीआईएस निदेशक जोसेफ़ एडलो के अनुसार यह नियम राष्ट्रपति ट्रंप के एक आदेश का हिस्सा है। इसका उद्देश्य अमेरिका में विदेशी श्रमिकों की एंट्री को नियंत्रित करना और अमेरिकी नागरिकों को नौकरी में प्राथमिकता देना है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता टेलर रोजर्स ने कहा कि यह एकमुश्त शुल्क है, न कि कोई सालाना फीस। वहीं प्रेस सेक्रेटरी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मौजूदा वीज़ा धारकों या उनके नवीनीकरण पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। हालांकि शुरू में इस आदेश से भारतीय एच-1बी वीज़ा धारकों में काफी भ्रम और डर फैल गया था। कई लोगों ने भारत लौटने की योजना टाल दी, जबकि कुछ की अमेरिका वापसी की फ्लाइट्स प्रभावित हुईं। अब इस स्पष्टीकरण से हजारों भारतीय प्रोफेशनल्स को राहत मिली है।

हीरो मोटोकॉर्प को उम्मीद, त्योहारों में होगी रिकॉर्ड बिक्री

- दोपहिया बाजार में बरकरार रहेगा शीर्ष स्थान

नई दिल्ली । हीरो मोटोकॉर्प को उम्मीद है कि इस साल त्योहारों का मौसम कंपनी के लिए अब तक का सबसे अच्छा साबित होगा। जीएसटी में कटौती के बाद मांग में तेजी आने की संभावना है, जिससे बिक्री के आंकड़े मजबूत होंगे। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पहले पांच महीनों में बिक्री लगभग स्थिर रही, लेकिन नवरात्र और त्योहारों के दौरान अच्छी बुकिंग देखी जा रही है। हीरो मोटोकॉर्प इस बार 12 नए उत्पाद पहली बार त्योहारों के मौके पर बाजार में ला रही है, जिससे कंपनी को दोहरा फायदा होने की उम्मीद है। मौजूदा उत्पादों के साथ-साथ नई पेशकशों की वजह से कंपनी उद्योग से बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सकारात्मक माहौल कंपनी के लिए उत्साहजनक है और इसे बढ़ावा देगा। वित्त वर्ष 2024-25 में हीरो मोटोकॉर्प ने दोपहिया वाहन बिक्री में 54,45,251 इकाइयों के साथ शीर्ष स्थान कायम रखा है। मुख्य प्रतिस्पर्धी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया की बिक्री 47,89,283 रही। अगस्त तक के आंकड़ों के अनुसार, हीरो लगभग दो लाख इकाइयों की बढ़त बनाए हुए है। हीरो मोटोकॉर्प 100 सीसी, 125 सीसी, स्कूटर और प्रीमियम सेगमेंट में विस्तार की योजना बना रही है। इलेक्ट्रिक वाहनों की उपलब्धता बढ़ाने और हार्ले-डेविडसन के साथ साझेदारी जारी रखने की भी रणनीति है। साथ ही, प्रीमियम बिक्री आउटलेट (प्रेमिया स्टोर) की संख्या बढ़ाई जाएगी। वर्मा ने भरोसा जताया कि कंपनी 2025 में भी इस क्षेत्र में सबसे आगे रहेगी।

भारत-ओमान जल्द करेंगे सीईपीए समझौते पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली । भारत और ओमान के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर जल्द ही हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। भारत में ओमान के राजदूत इसा सालेह अब्दुल्ला अलशिबानी ने बताया कि बातचीत पूरी हो चुकी है और अब कानूनी प्रक्रियाएं चल रही हैं। यह समझौता व्यापार को ऊर्जा क्षेत्र से आगे बढ़ाकर विविध वस्तुओं और सेवाओं तक विस्तारित करेगा। भारत, ओमान से मुख्य रूप से पेट्रोलियम उत्पाद और यूरिया का आयात करता है। 2024-25 में दोनों देशों के बीच व्यापार 10.61 अरब डॉलर रहा। ओमान में 6,000 से अधिक भारत-ओमान संयुक्त उद्यम कार्यरत हैं। सीईपीए से सीमा शुल्क में कटौती, सेवाओं के व्यापार में वृद्धि और निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। यह समझौता भारत और खाड़ी देशों के बीच मजबूत आर्थिक साझेदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

दोपहिया वाहनों के बीमा दावों में 15 फीसदी की बढ़ोतरी

- इलेक्ट्रिक बाइकों से सबसे ज्यादा खतरा

मुंबई । पॉलिसी बाजार की ताज़ा रिपोर्ट में दोपहिया वाहनों के इंश्योरेंस क्लेम को लेकर कई अहम खुलासे हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में ऐसे दावों में 15 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो हाल के वर्षों में सबसे अधिक है। अगले वर्ष इसमें 10-12 फीसदी और इजाफा होने की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट बताती है कि 150 सीसी से 350 सीसी की मिड-रेंज मोटरसाइकिलों से जुड़े दावे सबसे ज्यादा बढ़े हैं, जबकि कम्यूटर बाइकों और स्कूटरों से जुड़े क्लेम स्थिर रहे। शहरों में इन तेज और पावरफुल बाइकों की मांग दुर्घटनाओं के जोखिम को बढ़ा रही है। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों से जुड़े बीमा क्लेम पेट्रोल बाइकों की तुलना में 18-20 फीसदी अधिक हैं। इसकी प्रमुख वजह बैटरी से जुड़ी समस्याएं और महंगे पुर्जों की मरम्मत है, जिसका खर्च 30-35 फीसदी तक ज्यादा आता है। भौगोलिक दृष्टि से देखें तो महाराष्ट्र, दिल्ली और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से कुल दावों का लगभग आधा हिस्सा आता है। गाजियाबाद, जयपुर और मेरठ जैसे शहर अब बाइक चोरी के हॉटस्पॉट बन गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 70-75 फीसदी दावे मामूली दुर्घटनाओं और प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित हैं, जबकि 20-25 फीसदी चोरी और पूरी तरह के नुकसान के मामले हैं। थर्ड-पार्टी क्लेम कम होते हैं लेकिन इनका खर्च ज्यादा होता है। पॉलिसी बाजार के विशेषज्ञों ने बदलते ट्रैफिक और तकनीकी रुझानों के बीच व्यापक बीमा को आवश्यक बताया है, खासकर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए।

एच-1बी वीजा शुल्क बढ़ोतरी और जीएसटी में कटौती से बाजार की दिशा तय होगी

- आईटी कंपनियों पर अमेरिका का नया शुल्क बनेगा दबाव का कारण

मुंबई ।

अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा शुल्क को 100,000 डॉलर तक बढ़ाने के फैसले का असर इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार पर दिख सकता है। इस कदम से भारत की आईटी कंपनियों जैसे टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस, इंफोसिस और विप्रो की लागत बढ़ सकती है, जिससे उनकी आय पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला उन कंपनियों के लिए चिंता का विषय है जो अमेरिका में ऑनशोर प्रोजेक्ट्स पर निर्भर हैं। गौरतलब है कि एच-1बी वीजा धारकों में 70 फीसदी से अधिक भारतीय पेशेवर हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब वैश्विक व्यापार वार्ताएं चल रही हैं, और इससे आईटी सेवा निर्यातकों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ेगा। यह कदम अमेरिकी ग्राहकों की लागत बढ़ाएगा और भारतीय टैलेंट की मांग को प्रभावित करेगा। हालांकि घरेलू मोर्चे पर राहत की खबर है। जीएसटी परिषद ने 375 वस्तुओं पर कर दरों में कटौती की घोषणा

की है, जो 22 सितंबर से लागू होगी। इससे रसोई का सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयां और वाहन सस्ते होंगे।

यह त्योहारी सीजन में उपभोक्ता मांग को प्रोत्साहित कर सकता है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल 22 सितंबर को अमेरिका में व्यापार समझौते पर वार्ता के लिए जाएंगे, जिससे व्यापारिक दृष्टिकोण से सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार की दिशा निर्धारित करेंगी।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स में 721 अंक और निफ्टी में 213 अंकों की बढ़त देखी गई। अब निवेशकों की नजर अमेरिका के आर्थिक आंकड़ों और फेडरल रिजर्व की नीतियों पर भी बनी रहेगी।

अमूल और मदर डेयरी ने सस्ते किए दूध और दुग्ध उत्पाद

- जीएसटी में कटौती के बाद दोनों कंपनियों ने 22 सितंबर से लागू की नई कीमतें

नई दिल्ली। गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) जो अमूल ब्रांड नाम से उत्पाद बेचता है, ने अपने 700 से अधिक उत्पादों के दाम घटाने का ऐलान किया है। यह फैसला सरकार द्वारा दूध और संबंधित उत्पादों पर जीएसटी दरों में कटौती के बाद लिया गया है। अमूल का कहना है कि वह इसका पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाना चाहती है। नई कीमतें 22 सितंबर से लागू होंगी। इसके तहत 100 ग्राम मक्खन की कीमत 62 रुपए से घटकर 58 रुपए, एक लीटर घी 650 रुपए से घटकर 610 रुपए और 1 किलो चीज ब्लॉक 575 रुपए से घटकर 545 रुपए हो गया है। 200 ग्राम फ्रोजन पनीर अब 95 रुपए में मिलेगा, जो पहले 99 रुपए था। अमूल का मानना है कि कीमतों में कमी से दूध उत्पादों की मांग बढ़ेगी, जिससे किसानों को भी सीधा लाभ मिलेगा। जीसीएमएमएफ के 36 लाख से अधिक किसान सदस्य हैं। उधर, मदर डेयरी ने भी अपने उत्पादों के दाम घटाए हैं। यूएचटी दूध (टेट्रा पैक) की कीमत 77 रुपए से घटकर 75 रुपए कर दी गई है। मक्खन, चीज और घी पर भी क्रमशः 20 रुपए, 35 रुपए और 30 रुपए तक की कटौती की गई है। पनीर 3 रुपए से 6 रुपए प्रति किलो सस्ता हुआ है।

सेंसेक्स की प्रमुख सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.18 लाख करोड़ बढ़ा

- शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस पहले स्थान पर बनी रही

मुंबई ।

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में सकारात्मक रुख देखने को मिला, जिससे शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,18,328.29 करोड़ रुपए की बढ़त दर्ज की गई। इस दौरान भारतीय स्टेट बैंक और भारती एयरटेल को सबसे अधिक लाभ हुआ। बीएसई सेंसेक्स सप्ताह भर में 721.53 अंक चढ़कर बंद हुआ। इस बढ़त का सीधा असर प्रमुख कंपनियों के मार्केट कैप पर पड़ा। एसबीआई का बाजार मूल्यांकन 35,953.25 करोड़ रुपए बढ़कर 7,95,910 करोड़ रुपए हो गया, जबकि भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 33,214.77 करोड़ रुपए बढ़कर 11,18,952.64 करोड़ पहुंच गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 17,389.23 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ 19,04,898.51 करोड़ रुपए रहा। इसके अलावा टीसीएस (12,952.75 करोड़ रुपए), एलआईसी (12,460.25 करोड़ रुपए), इन्फोसिस (6,127.73 करोड़ रुपए) और एचडीएफसी बैंक (230.31 करोड़ रुपए) के मूल्यांकन में भी वृद्धि दर्ज की गई। वहीं दूसरी ओर आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत में गिरावट आई। आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 10,707.87 करोड़ रुपए घटकर 10,01,654.46 करोड़ रह गया। बजाज

फाइनेंस और एचयूएल में क्रमशः 6,346.93 करोड़ रुपए और 5,039.87 करोड़ रुपए की गिरावट हुई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस पहले स्थान पर बनी रही, उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, एचयूएल और एलआईसी का क्रम रहा।

डिविडेंड का धमाका, अगले हफ्ते 111 कंपनियां बांटेंगी मुनाफा

- 22 से 26 सितंबर तक बजाज, महाराष्ट्र स्कूटर, मोंटे कार्लो जैसी कंपनियां देंगी मोटा डिविडेंड

मुंबई । अगला हफ्ता शेयर बाजार में निवेशकों के लिए खास होने जा रहा है। 22 से 26 सितंबर के बीच कुल 111 कंपनियां अपने निवेशकों को डिविडेंड बांटेंगी। सबसे बड़ा डिविडेंड महाराष्ट्र स्कूटर लिमिटेड की ओर से 160 प्रति शेयर का घोषित किया गया है। वहीं, बजाज होल्डिंग्स 65 रुपए और मोंटे कार्लो 20 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड देगी। अकेले 22 सितंबर को ही 60 से ज्यादा कंपनियां लाभांश बांटेंगी। 23 सितंबर को इंडिया ग्लाइकोल्स 10 रुपए और जिंदल पॉली फिल्म्स 5.90 रुपए का डिविडेंड देगी। इसके अलावा कई छोटी-बड़ी कंपनियां इस हफ्ते मुनाफा बांटेंगी। निवेशकों के लिए यह हफ्ता निष्क्रिय आय कमाने का बेहतरीन अवसर हो सकता है। ध्यान दें कि डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट और एक्स-डिविडेंड डेट का पालन जरूरी है।

नरेन्द्र मोदीः राजनीतिक अभिजातवर्ग को चुनौती देने वाले जननायक

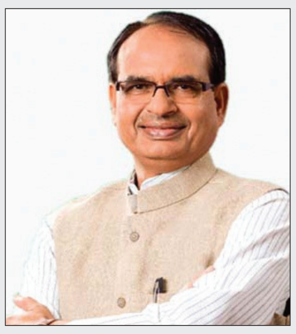

शिवराज सिंह चौहान

मूलभूत रूप से, उनके जीवन और नेतृत्व ने भारतीय राजनीति के केवल अभिजात वर्ग से संबद्ध होने की धारणा को नए सिरे से परिभाषित किया है। वह योग्यता और परिश्रम का प्रतीक बन चुके हैं तथा वह शासन को जनसाधारण के और करीब ले आए हैं। उनकी राजनीतिक शक्ति सत्ता को जनता से जोड़ने में निहित है। ऐसा करके, उन्होंने भारतीय राजनीति को एक नया रूप दिया है, जो आम नागरिक के संघर्षों और भावनाओं पर आधारित है।

भारतीय राजनीति में नरेन्द्र मोदी के उदय को विशेषाधिकार के पारंपरिक लेंस से नहीं समझा जा सकता। राजनीतिक वंशों में पले-बढ़े अनेक नेताओं के विपरीत, मोदी और उनकी नेतृत्व शैली जमीन से उभरी है, जिसने उनके संघर्ष, वर्षों से जमीनी स्तर पर किए गए कार्यों और सरकार के विभिन्न स्तरों पर प्राप्ता व्यदवहारिक अनुभवों से आकार लिया है। उनका करियर मात्र एक व्यक्ति के उत्थान को ही प्रदर्शित नहीं करता, बल्कि यह भारत में अभिजात वर्ग द्वारा संचालित राजनीति की नींव के लिए एक चुनौती भी है।

वडनगर के एक साधारण परिवार में जन्मे मोदी का बचपन ज़िम्मेदारी और सादगी से भरपूर रहा। बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए चैरिटी स्टॉल लगाने से लेकर स्कूली छात्र के रूप में जातिगत भेदभाव पर आधारित नाटक लिखने तक, उन्होंने अल्पारयु में ही संगठनात्मक कौशल और सामाजिक सरोकार का अद्भुत मिश्रण प्रदर्शित किया। उन्होंने वंचित सहपाठियों के लिए पुरानी किताबें और वर्दियाँ इकट्ठा करने के अभियान भी चलाए, जो इस बात का प्रारंभिक संकेत था कि वह नेतृत्व को किसी विशेषाधिकार के रूप में नहीं, बल्कि सेवा के रूप में देखते हैं। इन छोटे-छोटे प्रयासों ने उनके द्वारा सार्वजनिक जीवन में अपनाए जाने वाले दृष्टिकोण का पूवार्भास करा दिया।

उनकी मूलभूत प्रवृत्तियाँ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में और भी प्रखर हुईं, जहाँ साधारण कार्यकताओं को ग्रामीणों से घुलने-मिलने, उनके जैसा जीवन व्यंतीत करने और अपने आचरण के जरिए उनका विश्वास अर्जित करने का प्रशिक्षण दिया जाता था। एक युवा प्रचारक के तौर पर मोदी ने बिल्कुनल वैसा ही किया। अक्सर बस या स्कूटर से गुजरात भर में यात्रा करते हुए, और भोजन व आश्रय के लिए ग्रामीणों पर निर्भर रहते हुए, उन्होंने साझा कठिनाइयों और संघर्षों के माध्यम से सभी वर्गों का विश्वास अर्जित किया। इस अनुशासन ने उन्हें उन लोगों के रोजमर्रा के सरोकारों से जुड़े रहने में मदद की, जिनकी वे सेवा करना चाहते थे, और इसी ने उन्हें संकटकाल में संगठित, बड़े पैमाने पर कदम उठाने की आवश्यरकता पड़ने पर प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने के लिए

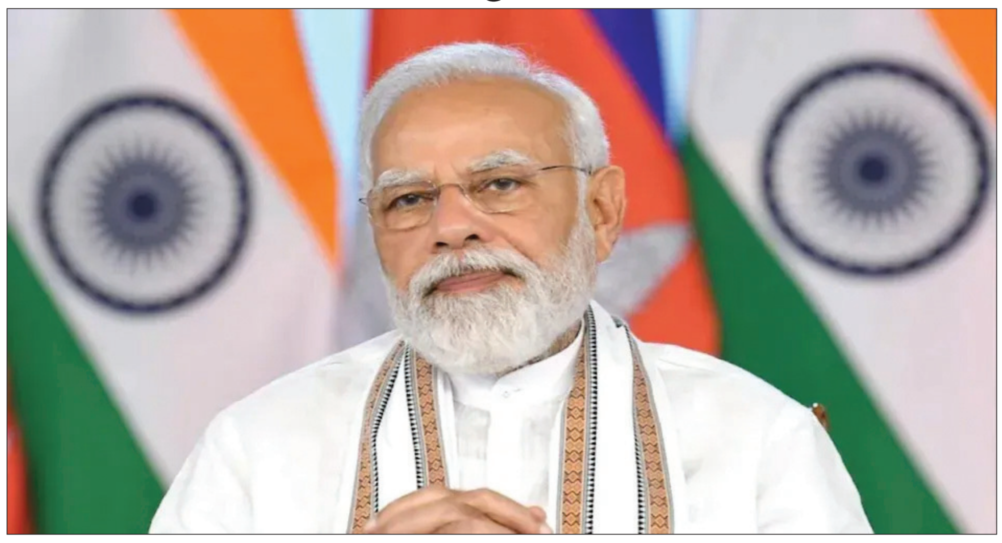

भी तैयार किया।

ऐसा ही एक संकट 1979 में मच्छू बांध के टूटने से आया था, जिसमें हजारों लोग मारे गए थे। 29 वर्षीय मोदी ने तुरंत स्वयंसेवकों को पालियों में संगठित किया, राहत सामग्री का प्रबंध किया, शवों को निकाला और परिवारों को सांत्वना दी। कुछ साल बाद, गुजरात में सूखे के दौरान, उन्होंने सुखड़ी अभियान का नेतृत्व किया, जो पूरे राज्य में फैल गया और लगभग 25 करोड़ रुपये मूल्ये का भोजन वितरित किया गया। दोनों ही आपदाओं में, उन्होंने बिल्कुपल आरंभ से ही बड़े पैमाने पर राहत प्रयास शुरू किए, जिससे उनके उद्देश्य की स्पष्टता, उनके सैन्य-शैली के संगठन और उनका इस आग्रह का परिचय मिला कि नेतृत्व का अर्थ केवल प्रतीकात्मकता नहीं, बल्कि सेवा है।

इन शुरूआती घटनाओं ने जहाँ एक ओर लोगों को संगठित करने की उनकी क्षमता को परखा, वहीं आपातकाल ने दमन के दौर में उनके साहस की परीक्षा ली। मात्र 25 वर्ष की आयु में, एक सिख के वेश में, उन्होंने पुलिस निगरानी से बचने की कोशिश कर रहे कार्यकताओं और नेताओं के बीच संवाद कायम रखा। इस जमीनी नेटवर्क ने क्रूर शासन के विरुद्ध प्रतिरोध को जीवित रखा, जिससे उन्हें एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में ख्याति मिली।

इन्हीं कौशलों का उपयोग जल्द ही चुनावी राजनीति में भी किया गया। भाजपा - गुजरात के संगठन मंत्री के रूप में, उन्होंने पार्टी का विस्तार नए समुदायों तक किया, जिनमें राजनीतिक विमर्श में हाशिए पर पड़े लोग भी शामिल थे। उन्होंने विविध पृष्ठभूमियों के नेताओं को तैयार किया, जमीनी स्तर पर समर्थन जुटाया और पूरे गुजरात में लालकृष्ण आडवाणी की सोमनाथ-अयोध्या रथ यात्रा जैसे बड़े आयोजनों की योजना बनाने में मदद की। बाद में, विभिन्न राज्यों के प्रभारी के रूप में उन्होंने बूथ स्तर तक मजबूत पार्टी तंत्रों का निर्माण किया।

साल 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के पद पर आसीन होने पर उन्होंने ये सबक शासन में लागू किए। उदाहरण के लिए, पदभार ग्रहण करने के चंद घंटे बाद ही उन्होंने साबरमती में नर्मदा का जल लाने के विषय में एक बैठक बुलाकर इस बात का संकेत दिया कि निर्णायक कार्रवाई उनके प्रशासन को परिभाषित करेगी। उनका दृष्टिकोण शासन को एक जन आंदोलन बनाना था, जहाँ प्रवेशोत्सव ने स्कूलों में नामांकन को प्रोत्साहित किया, कन्या केलवणी ने बालिकाओं की शिक्षा का समर्थन किया, गरीब कल्याण मेलों ने कल्याण को नागरिकों तक पहुँचाया, और कृषि रथ ने कृषि सहायता को किसानों के खेतों तक पहुँचाया। नौकरशाहों को दफ्तरों से निकालकर कस्बों और गाँवों तक भेजा गया। उनका मानना है कि शासन लोगों तक वहाँ पहुँचे जहाँ वे रहते हैं, न कि केवल मीटिंग कक्षों तक सीमित रहे।

उनके प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के बाद गुजरात में किए गए प्रयोग राष्ट्रीय आदर्श बन गए। स्वच्छता अभियानों के उनके अनुभव ने स्वच्छ भारत मिशन का रूप लिया, जहाँ उन्होंने प्रतीकात्मकता को सामूहिक कार्रवाई में बदलने के लिए स्वयं झाड़ू उठाई। डिजिटल इंडिया, जन-धन योजना और अन्य पहल शीर्ष से शुरू किए गए कार्यक्रम नहीं थे, बल्कि जमीनी स्तर पर बिताए उनके वर्षों से प्राप्त सीखों पर आधारित जन-आंदोलन थे। इन्होंनने जन-भागीदारी के उनके दर्शन को मूर्त रूप दिया, जहाँ शासन तभी कारगर होता है, जब नागरिक निष्क्रिय प्राप्तकर्ता न बने रहकर, स्वायं भागीदार बनें। मोदी जैसे नेता और जनता के बीच दशकों से विकसित इसी विश्वास ने आज के भारत में नीति को साझेदारी में बदल दिया है।

दशकों से, मोदी बैठकों में होने वाली बहसों से नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर जीवंत संपर्क की बदौलत लोगों की जरूरतों को समझने और उन्हें पूरा करने के तरीकों को जानने की दुर्लभ सहज प्रवृत्ति प्रदर्शित करते आए हैं। यह प्रवृत्ति कठोर प्रशासनिक अनुभव के साथ मिलकर उनकी राजनीति को परिभाषित करती है।

मूलभूत रूप से, उनके जीवन और नेतृत्व ने भारतीय राजनीति के केवल अभिजात वर्ग से संबद्ध होने की धारणा को नए सिरे से परिभाषित किया है। वह योग्यता और परिश्रम का प्रतीक बन चुके हैं तथा वह शासन को जनसाधारण के और करीब ले आए हैं। उनकी राजनीतिक शक्ति सत्ता को जनता से जोड़ने में निहित है। ऐसा करके, उन्होंने भारतीय राजनीति को एक नया रूप दिया है, जो आम नागरिक के संघर्षों और भावनाओं पर आधारित है।

(केंदीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री)

संपादकीय

अमेरिका ने बढ़ा दी चिंता

अमेरिका से कारोबारी रिश्तों को बेहतर बनाने के प्रयासों के बीच कुछ ऐसा हो गया है जो इस प्रयास में गंभीर अड़ंगा डाल सकता है। अमेरिका से एक बुरी खबर आई है जो कुछ भारतीयों की संदेहास्पद हरकतों पर रोशनी डालती है, जिससे रिश्तों में फिर खटास आ सकती है। कथित तौर पर इन लोगों में कुछ व्यावसायिक अधिकारी और कुछ बड़े कॉरपोरेट नेता शामिल हैं। मामला दर्दनाशक दवाओं के नाम पर ऐसे दवा अनुपूरकों ('फेंटेनाइल प्रीकर्सर') की तस्करी से जुड़ा है जिसे अमेरिका में अक्षम्य अपराध माना जाता है क्योंकि अमेरिका की युवा पीढ़ी बड़े पैमाने पर इनका इस्तेमाल मादक पदार्थ के रूप में करती है। यह लत अमेरिका में राष्ट्रीय समस्या का रूप ले चुकी है। अमेरिका ने 'फेंटेनाइल प्रीकर्सर' की तस्करी में कथित संलिप्तता के चलते कुछ भारतीय व्यावसायिक अधिकारियों और कॉरपोरेट नेताओं के वीजा रद्द कर दिए हैं और उन्हें आगे वीजा देने से इनकार कर दिया गया है। हालांकि उन कारोबारी नेताओं की पहचान उजागर नहीं की गई है जिनके वीजा रद्द कर दिए गए। इस मुद्दे पर नई दिल्ली की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। फेंटेनाइल प्रीकर्सर का आशय उन रसायनों से है जिनसे मादक पदार्थ बनाए जाते हैं। अमेरिकी दूतावास का कहना है कि जिन लोगों के वीजा रद्द किए गए हैं, वे और उनके परिजन हमेशा के लिए अमेरिका यात्रा के लिए अयोग्य करार दिए जा सकते हैं। अमेरिकी दूतावास के अनुसार, अमेरिका में फेंटेनाइल और इससे संबंधित उत्पादों को रोकना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम इस साझा चुनौती से निपटने में भारत सरकार में अपने समकक्षों के घनिष्ठ सहयोग के लिए आभारी हैं। साथ मिलकर काम करने से ही हमारी दोनों सरकारें इस अंतरराष्ट्रीय खतरे का समाधान कर पाएंगी और दोनों देशों के लोगों को अवैध नशीले पदाथरे से सुरक्षित रख पाएंगी। इसका आशय यह है कि सारा मामला भारत सरकार के संज्ञान में है। तब तो इस मामले में भारत की जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है। 2025 की एक अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में भारत और चीन को मादक पदाथरे, उपकरणों और रसायनों की तस्करी का प्रमुख स्त्रेत कहा जा चुका है। रिपोर्ट के अनुसार फेंटेनाइल और अन्य सिंथेटिक ओपिओइड अमेरिका में तस्करी की जाने वाली घातक दवाएं हैं, जिनके कारण 2024 में 52,000 से अधिक मौत हो चुकी हैं।

चिंतन-मनन

विचार-निर्विचार, चिंतन-अचिंतन

पूरा विश्व, विचारों पर चलता है, सारे आविष्कार, युध्द, आतंकवाद, साहित्य सृजन, भाषण, प्रवचन, तू-तू, मैं-मैं सब विचारों की देन है। विचार ही सब कार्यों को अंजाम देता है। भक्ति, प्रार्थना, व्यवहार, सेवा सब विचारों की देन है। हम सोचते हैं तो करते हैं होता है। अब प्रश्न यह है कि विचार कैसे हो, दो श्रेणियों में बांटा गया है उन्हें, सकारात्मक, नकारात्मक, सकारात्मकता निर्माण करती है, नकारात्मकता विध्वंस, मनुष्य ने सभ्यता को ऊंचाई तक पहुंचाया है एक तरफ तो दूसरी तरफ नृशंसता के गर्त में भी। जैसे विचार वैसा वातावरण और वृत्त। विचार करना सुविचार करना कोई किसी को जबरदस्ती नहीं सीखा सकता क्योंकि संस्कार, लालन-पालन, शिक्षा, मनन-चिंतन, संगति, वातावरण से विचारों में परिवर्तन होता है। पता नहीं यह दुनिया कब से बनी है, मनुष्य ने सोचना कब से शुरू किया, उसमें कैसे-कैसे परिवर्तन होते गया यह एक बड़ा गूढ़ विषय है। इस पर शास्त्र रचे जा सकते हैं। विचारों ने ही तो इतना ज्ञान इस विश्व को दिया है विज्ञान, साहित्य, शिक्षा, राजनीति, धर्म, कानून, जैसे-जैसे आवश्यकताएं होती गई या बढ़ती गई सब आविष्कार या रचना होती गई। आतंकवाद, विस्तारवाद, युध्द भी विचारों का खेल है। नेतृत्व के गलत विचारों का खामियाजा पूरे देश को देना होता है, कौम हो देना होता है। धार्मिक उन्माद भी कुछ गलत विचारों की देन है। बुध्दिहीन या कम बुध्दि वाले लोगों को बुध्दिमान चालाक लोग भेड़ों की तरह हांक कर अपने ढंग से उपयोग या दुरुपयोग करते हैं। इन्सान का अपना वजूद जब कमजोर होता है तो वह हिप्मोटाइज हो जाता है दूसरों से और पीछे-पीछे चलने लगता है, उसे पता नहीं होता कि वह कुएं में जाएगा या खाई में। हर कर्म के पीछे विचार होता है। सत्कर्म और बुरे कर्म। बिना विचारे कोई कुछ नहीं करता, यह अलग बात है कि कितनी गहराई और गंभीरता से विचार किया जाता है। आदमी हमेशा विचारों के हिंडोले में हिचकोले खाता रहता है, कभी आनंददायक कभी दुख देने वाले विचारों से स्वास्थ्य, विचार से रोग, वीरोचित कार्य कायराना कार्य। इसलिए विचारों को सुधार लीजिए सब कुछ ठीक हो जाएगा। मेडिकल इंसान और रिसर्च में भी यही पाया गया है कि रोग विचारों की देन है नकारात्मक विचारों की। सकारात्मक विचारों से, आशा, विश्वास से लोग निरोग होते देखे गए हैं। गीता में कहा गया है चित्त वृध्दि निरोध की स्थिति में आना याने सब दृष्टि से संतुलन, शांति, आनंद, निर्भयता में जीना। अति प्रसन्न और अति दुखी होना भी गलत है। हमेशा समस्थिति में रहना। भगवान विष्णु की तरह जो शेष नाग की शैया पर (विषमता) में भी शांत और प्रसन्न रहते हैं हमें हमारे पौराणिक दृष्टांतों से बहुत कुछ हासिल हो सकता है पर हम पढ़े सोचे और चलें तब। सोचिए आपको कैसे जीना है।

नवरात्र : शक्ति की आराधना का महापर्व

हर्षवर्धन पान्डे

नवरात्र भारतीय संस्कृति में एक पवित्र पर्व है जो दैवीय शक्ति की विजय का प्रतीक माना जाता है। यह नौ रातों और दस दिनों का उत्सव माँ दुर्गा की पूजा और उनके नौ रूपों के सम्मान में मनाया जाता है। नवरात्र का अर्थ है नौ रातें और यह पर्व वर्ष में दो बार चैत्र मार्च-अप्रैल और शारदीय सितंबर-अक्टूबर में उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह उत्सव न केवल धार्मिक बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है जो बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश देता है।

एक ही परम तत्व परमपुरुष पराशक्ति के रूप में सर्वत्र व्यापक है। शास्त्रकारों ने एक ही शक्ति को कभी पुरुष के रूप में तो कभी देवी के रूप में स्वीकारा है। सब के घट में एक समान विराजमान वह दिव्य शक्ति प्रकाश के रूप में हमेशा मौजूद रहती है जिसे जीवन शक्ति कहा जाता है और उसका दर्शन होना ही शक्ति की आराधना है। दुष्टों का संहार करके भक्तों की रक्षा करने हेतु कभी काली तो कभी दुर्गा के रूप में उस शक्ति का अवतरण इस धरा पर हुआ है। दुर्गा जी की पूजा अर्चना का विधान वेद, पुराण, उपनिषदों हिन्दुओं के अन्य धर्मशास्त्रों में भी मिलता है। वेद में एकोएहं बहुस्याम और अजाय मानों बहुधा ब्यजायत के रूप में और देवी पुराण में सा वाणी साच सावित्री विप्राधिष्ठात वहां सर्व दुर्गा के रूप में संस्थापित है। मार्कण्डेय पुराण में स्वयं मान जएकैवाहं जगत्यत्र द्वितीया का ममापरा। पश्यैता दुष्ट मय्येव विशन्त्यो मद्विभूतयः अर्थात मैं ही दुर्गा हूँ , सर्वशक्ति स्वरूपा हूँ और मुझमें ही पूरी सृष्टि विलीन है। आशय यह है कि यह विशाल सृष्टि उत्पन्न होती है, बढ़ती है और विभिन्न रूपों में परिवर्तित होकर अंत में विनिष्ट हो जाती है।

देवी पुराण में एक बड़े रोचक कथा प्रसंग की चर्चा की गयी है। अक्सर भ्रम में पड़ जाने वाले देवर्षि नारद को एक बार भ्रम हो गया। ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों सर्वश्रेष्ठ हैं तो भला ये तीनों किस महाशक्ति का स्मरण करते हैं ? नारद जी अपने सन्देश निवारण हेतु शिव के पास गए और बोले मुझे ब्रह्मा, विष्णु और महेश से बढ़कर कोई अन्य देवता नहीं दिखाई देता है फिर आप तीनों से ऊंचा कौन है जिसकी उपासना और स्मरण आप करते हैं ? शिव मुस्कुराये और बोले हे ऋषिवर सूक्ष्म और शूल शरीर से परे जो महाप्राण आदिशक्ति जगदम्बा है वही तो परब्रह्म स्वरुप है। वह केवल अपनी इच्छा मात्र से ही सृष्टि की रचना, पालन और संहार करने में समर्थ है। वस्तुतः वह आदिशक्ति दुर्गा निर्गुण स्वरूप है परन्तु उसे किसी भी रूप मे मन समय -समय पर धर्म की रक्षा और दुष्टों के विनाश के लिए साकार होना पड़ता है। इसी समय-समय पर पार्वती,दुर्गा,काली, चंडी, सरस्वती आदि अवतार धारण किये हैं। इसी जगत जननी का सभी देव भी स्मरण करते हैं। वैसे भी आदिशक्ति स्वरुप दुर्गा में सभी देवताओं का कुछ न कुछ अंश शामिल है।

दुर्गाशप्तशती के दूसरे अध्याय में देवी स्वरुप का वर्णन करते हुए बतलाया गया है भगवान शंकर के तेज से उस देवी का मुख प्रकट हुआ। यमराज के तेज से मस्तक के केश, विष्णु के तेज से भुजाएं, चन्द्रमा के तेज से स्तन, इंद्रा के तेज से कमर, वरुण के तेज से जंघा, पृथ्वी के तेज से नितम्ब, ब्रह्म के तेज से चरण, सूर्य के तेज से दोनों पैरों की अंगुलियां, वसुओं के तेज से दोनों हाथों की अंगुलियां, प्रजापति के तेज से सम्पूर्ण दांत, अग्नि के तेज से दोनों नेत्र, संध्या के तेज से भौहें, वायु के तेज से कान, अन्य देवताओं के तेज से देवी के भीं- भीं अंग बने। इसी प्रकार सभी अमोघ शक्तियों से दुर्गा के रूप में एक आदिशक्ति का सृजन किया गया इसलिए यह स्वरुप सभी देवताओं के लिए स्मरणीय हो गया। आज दो नवरात्रि के रूप में माँ जगदम्बा की पूजा शारदीय और वासंतीक दोनों नवरात्र दोनों में जारी है। शारदीय नवरात्र आश्विन मास में और वासंतिक नवरात्र अभी चैत्र माह में होते हैं। चैत्र वर्ष प्रतिपदा से हिन्दुओं का नया संवत्सर शुरू होता है। दोनों नवरात्र का समान महत्व है। नौ दिन और नौ रातों तक माँ दुर्गा के नौ अलग -अलग रूपों की पूजा की जाती है। यह आज तक रहस्य बना हुआ है। दुर्गा की पूजा सबसे पहले राम ने की या किसी अन्य ने लेकिन इतना तय है लंका पर चढ़ाई और रावण वध से पहले राम ने आदिशक्ति स्वरूप मानकर दुर्गा जी की पूजा की। यह स्थान भी रामेश्वरम के नाम से जाना जाता है। नवरात्र महोत्सव आसुरी शक्ति पर दैवीय शक्ति की विजय का प्रतीक है। नवरात्र में प्रथमा से लेकर नवमी तक शक्ति के 9 स्वरूपों की पूजा -अर्चना होती है। ये नौ शक्तियां बहनों का स्वरुप हैं और इन नौ शक्तियों के विभिन्न नाम रूप के कारण शारदीय नवरात्र उत्सव का उल्लास देखते ही बनता है।

9 दिनों में लोगों की भक्ति भावना, आस्था और शक्ति देखते ही बनती है। माता की नौ शक्तियों के नाम हैं शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धदात्री। प्रत्येक दिन माँ दुर्गा के एक अलग रूप की पूजा की जाती है।जैसे प्रथम दिन शैलपुत्री, दूसरे दिन ब्रह्मचारिणी, तीसरे दिन चंद्रघंटा, चौथे दिन कुष्मांडा, पांचवे दिन स्कंदमाता,छठे दिन कात्यायनी, सातवें दिन कालरात्रि, आठवें दिन महागौरी और नवें दिन सिद्धिदात्री। ये नौ रूप नारी शक्ति के विभिन्न पहलुओं को भी दर्शार्ते हैं। नवरात्र में अंतिम दिन पर कन्या पूजा का विशेष महत्व होता है। इस दिन नौ कुमारी कन्याओं को देवी स्वरुप मानकर लोग उनका विशेष पूजन भोजन, उपहार देकर करते हैं। कन्या पूजन में दो वर्ष से लेकर 10 वर्ष तक की कन्याओं को पूजा जाता है। दस वर्ष से अधिक वर्ष की कन्याओं का पूजन वर्जित है। दो वर्ष की कन्या कन्याकुमारी , तीन वर्ष की त्रिमूर्तिनी, चार वर्ष की कल्याणी , पांच वर्ष की रोहिणी, छह वर्ष की ;काली, सात वर्ष की चंडिका, आठ वर्ष की शम्भवी, नौ वर्ष की दुर्गा और दस वर्ष की सुभद्रा स्वरूपा मानी गयी है।

आतिशबाजी रहित उत्सवों की परम्परा का सूत्रपात हो

ललित गर्ग

पर्यावरण संकट हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों की लगातार हो रही क्षति ने जीवन को असहज और असुरक्षित बना दिया है। यह संकट किसी दूर के भविष्य की चिंता नहीं है, बल्कि हमारे रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित कर रहा है। राजधानी दिल्ली इसका सबसे जीवंत उदाहरण है, जहाँ दीपावली और अन्य त्योहारों के बाद वायु गुणवत्ता इतनी खराब हो जाती है कि सांस लेना तक मुश्किल हो जाता है। इसका एक प्रमुख कारण पटाखों का प्रयोग है। पटाखे और आतिशबाजी कुछ क्षणों के लिए उत्सव का शोर और रोशनी जरूर बिखेरते हैं, लेकिन उनके पीछे छूट जाता है जहरीला धुआं, असहनीय शोर, सांस लेने में तकलीफ और एक असंतुलित वातावरण। इस स्थिति में दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पटाखों पर अंकुश लगाने के संदर्भ में देश की शीर्ष अदालत की टिप्पणी संवेदनशील और मार्गदर्शक होने के साथ-साथ जनजागरूकता बढ़ाने वाली है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि यदि साफ वायु राष्ट्रीय राजधानी के विशिष्ट लोगों का हक है तो यह हक शेष देश के हर व्यक्ति को भी मिलना चाहिए। दिल्ली ही नहीं, सम्पूर्ण देश में वायु प्रदूषण को नियंत्रण करना जरूरी है।

दुनिया भर के प्रदूषित देशों में भारत पांचवें नंबर पर है, दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर भी हमारे ही देश में हैं, ऐसे तेरह शहर दुनिया के शीर्ष बीस प्रदूषित शहरों में शुमार हैं, इन चिन्ताजनक हालातों में हवा को जहरीला बनाने वाले पटाखे निरंकुश रूप से जलाना एक आत्मघाती कदम ही है। पटाखों के दुष्प्रभाव स्पष्ट और प्रमाणित हैं। वे वातावरण में जहरीली गैसों का उत्सर्जन करते हैं, जिससे हवा की गुणवत्ता अचानक बेहद खराब हो जाती है। दीपावली की रात पटाखों से निकलने वाला धुआं कई दिनों तक हवा में बना रहता है और सांस की तकलीफ, आंखों में जलन, हृदय रोग और दमा जैसी बीमारियों को और गंभीर कर देता है। पटाखों से होने वाला ध्वनि प्रदूषण बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के लिए भय और असहनीय पीड़ा का कारण बनता है। पशु-पक्षियों की स्थिति भी दयनीय हो जाती है, उनके जीवन में असुरक्षा और बेचैनी घुल जाती है। यह सब जानते हुए भी आतिशबाजी को लेकर समाज में अब भी ढिलाई और परंपरा के नाम पर अनदेखी जारी रहना दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है।

दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में दीपावली के बाद की स्थिति किसी आपदा से कम नहीं होती। पिछले वर्ष दीपावली के दौरान दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई 300 से ऊपर चला गया और 'बहुत खराब' से 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज हुआ। यह हर साल का दोहराया जाने वाला दृश्य है और हर साल सरकार, समाज और न्यायपालिका को इसे लेकर चिंतित होना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस विकट स्थिति को गंभीरता से लिया है और हाल के वर्षों में बार-बार स्पष्ट किया है कि केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे देश में पटाखों पर रोक लगनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के आलोक में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अब चाहे दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बनीर्हाट हो या पंजाब व राजस्थान के सबसे अधिक प्रदूषित शहर हों, उन्हें भी पटाखों के नियमन का लाभ मिलना चाहिए। हाल ही में अदालत ने सरकारों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि पटाखों के उत्पादन, बिक्री और भंडारण पर पूर्ण रोक हो, और जो भी इन नियमों का उल्लंघन करे उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। अदालत का यह रुख केवल कानूनी आदेश नहीं है, बल्कि समाज को चेताने वाला संदेश भी है कि अब हमें अपने उत्सवों की परिभाषा बदलनी होगी।

दिल्ली सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की धारा 5 के तहत पटाखों पर पूर्ण और स्थायी प्रतिबंध लागू किया है। इस प्रतिबंध के अनुसार न तो पटाखों का उत्पादन हो सकता है, न बिक्री और न ही भंडारण या उपयोग। यह कदम पर्यावरण और नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए जरूरी था। लेकिन केवल सरकारी आदेश और अदालत के निर्देश काफी नहीं होंगे, जब तक समाज स्वयं अपनी सोच और व्यवहार में बदलाव नहीं लाता। परंपराओं को बदलने में समय लगता है, लेकिन जैसे लोग धीरे-धीरे प्लास्टिक के खिलाफ खड़े हुए और विकल्प तलाशने लगे, वैसे ही आतिशबाजी से मुक्त त्योहारों को भी अपनाया जा सकता है। सवाल यह है कि हम लोग क्यों नहीं सोचते कि हमारे पटाखे जलाने से श्वास रोगों से जूझते तमाम लोगों का जीना दुश्वार हो जाता है। यह एक हकीकत है कि देश के तमाम शहरों में हवा ही नहीं, पानी व मिट्टी तक में जहरीले तत्वों का समावेश हो चुका है। जो न केवल हमारी आबोहवा के लिये बल्कि हमारे शरीर के लिये भी घातक साबित हो रहा है। यही वजह है कि हाल के वर्षों में देश में श्वसन तंत्र से जुड़े रोगों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। साथ ही प्रदूषित हवा के प्रभाव में सांस संबंधी रोगों से लोगों के मरने का आंकड़ा भी बढ़ा है।

कहीं न कहीं हमारे वातावरण में बढ़ता प्रदूषण ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाने वाले कारकों में वृद्धि भी कर रहा है। लेकिन पटाखों से होने वाला प्रदूषण ऐसा है जो हमारे संयम के जरिये रोका जा सकता है। चिंता की बात यह है कि पटाखों के जलने से निकलने वाले कण हमारे श्वसनतंत्र को नुकसान पहुंचाने के साथ ही हमारे खून में घुल रहे हैं। जिसमें पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे महीन कण फेफड़ों में प्रवेश करके गंभीर रोगों को जन्म दे रहे हैं। इतना ही नहीं पटाखे जलाने के कारण जहरीली रासायानिक गैसों के रिसाव से हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र को गंभीर क्षति पहुंच रही है। इससे ओजोन परत भी क्षतिग्रस्त हो रही है। साथ ही ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन भी हमारे वायुमंडल में जलवायु परिवर्तन के संकटों को बढ़ाने में भूमिका निभा रहा है।

त्योहार और उत्सव हमारे जीवन का हिस्सा हैं। वे सामाजिक जुड़ाव, सांस्कृतिक गौरव और सामूहिक खुशी का प्रतीक हैं। लेकिन जब खुशी मनाने का तरीका ही हमारे स्वास्थ्य और जीवन के लिए संकट बन जाए, तब उस पर गंभीर पुनर्विचार आवश्यक हो जाता है। दीपावली पर पटाखों की परंपरा समाज में गहराई तक पैठ चुकी है। लोग इसे परंपरा, रौनक और आनंद का प्रतीक मानते हैं। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि ह्लबिना पटाखों के त्योहार अधूरा लगता है ह्व लेकिन यह सोच आज के समय में बेहद खतरनाक साबित हो रही है। त्योहार की असली रौनक दीपों की जगमगाहट, परिवार की एकजुटता, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामूहिक उत्सवों में है। संगीत, नाटक, कला और पारंपरिक दीपक किसी भी पटाखे से कहीं अधिक स्थायी आनंद दे सकते हैं।

समय आ गया है कि हम यह स्वीकार करें कि आतिशबाजी अब हमारी खुशियों का हिस्सा नहीं रह सकती। खुशियों का असली मतलब है एक-दूसरे के साथ का आनंद, स्वच्छ वातावरण में खुलकर सांस लेना और समाज में शांति और प्रेम का संचार करना।

ट्रंप की द न्यूयॉर्क टाइम्स के खिलाफ दायर मानहानि की शिकायत खारिज

एजेंसी
वाशिंगटन। फ्लोरिडा के एक संघीय न्यायाधीश ने द न्यूयॉर्क टाइम्स के खिलाफ चार दिन पहले दायर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मानहानि की शिकायत को खारिज कर दिया। संघीय न्यायाधीश ने शिकायत को अनुचित और अस्वीकार्य बताया। न्यायाधीश ने ट्रंप के वकीलों को संशोधित शिकायत दर्ज करने के लिए 28 दिन का समय दिया। 15 अरब डॉलर के हर्जाने की मांग वाली शिकायत में द न्यूयॉर्क टाइम्स और उसके चार पत्रकारों के साथ-साथ प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस पर एक सफल व्यवसायी के रूप में ट्रंप की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का आरोप लगाया गया था। फॉक्स न्यूज के अनुसार, फ्लोरिडा के मध्य जिले के अमेरिकी जिला न्यायालय के न्यायाधीश स्टीवन डी. मेरीडे ने कहा कि राष्ट्रपति की 85 पृष्ठों की शिकायत अनावश्यक रूप से लंबी और विषय से भटकाने वाली है। उन्होंने मानहानि का औपचारिक आरोप दर्ज करने के लिए 80वें पृष्ठ तक इंतजार करने और उससे पहले राष्ट्रपति की प्रशंसा करने और कई शिकायतों का जिक्र करने वाले दर्जनों अतिशयोक्तिपूर्ण और कमजोर करने वाले पृष्ठ शामिल करने के लिए ट्रंप के वकीलों की आलोचना की।

नेपाल में भारी बारिश और भूस्खलन से सात राजमार्ग अवरुद्ध

काठमांडू। नेपाल में पिछले कुछ दिनों से जारी भारी बारिश और भूस्खलन के कारण देशभर के सात प्रमुख राजमार्ग अवरुद्ध हो गए हैं।नेपाल पुलिस के मुख्य प्रवक्ता और उप महानिरीक्षक विनोद घिमिरे ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति सामान्य करने के लिए प्रयास जारी है। भोटखोला में कोशी राजमार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध है। मकालू के इक्का क्षेत्र में कोशी राजमार्ग का एक हिस्सा भी बाधित है। सिद्धिचरन राजमार्ग पर कटारी की सड़क भूस्खलन के कारण क्षतिग्रस्त हो गई है। बाढ़ के पानी ने रसुवा को चीन से जोड़ने वाले मितेरी ब्रिज पर यातायात को भी बाधित कर दिया है।अरानिको राजमार्ग पर कोदारी और डकलांग में सिंधुपालचोक की भोटेकोशी में भूस्खलन ने दोनों सड़क खंड को अवरुद्ध कर दिया है।चितवन में इच्छाकामना के तुइन खोला में भूस्खलन ने नारायणगढ़-मुगलिन सड़क को अवरुद्ध कर दिया है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार शाम को हुए भूस्खलन के बाद से यातायात अवरुध हो गया है।कालीगंडकी कॉरिडोर, रत्न राजमार्ग और गलची-त्रिशुली के पास पूर्व-पश्चिम राजमार्ग पर सड़कों को आंशिक रूप से खोल दिया गया है, जिससे एकतरफा यातायात शुरू हो सका है। अधिकारियों ने यात्रियों से सतर्क रहने और यातायात निर्देश का पालन करने का आग्रह किया है क्योंकि प्रभावित राजमार्गों पर सड़क पर से मलबा हटाने का काम जारी है।

बलोचिस्तान में पीपीपी और पीएमएल-एन नेता के घरों पर ग्रेनेड हमला, सात सुरक्षाकर्मी घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बलूचिस्तान के खुजदार के दो तलवार इलाके में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के वरिष्ठ नेता आगा शकील अहमद दुर्रानी और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के सीनेटर आगा शाजेब दुर्रानी के आवास पर हुए ग्रेनेड हमले में सात सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। खुजदार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शहजादा उमर अब्बास बाबर के अनुसार, हमलावरों ने घर की बाहरी दीवार पर ग्रेनेड फेंका। इससे विस्फोट हुआ और आसपास की इमारतों में भी इसकी गूंज सुनाई दी। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने बताया कि मोटरसाइकिल सवार हमलावर विस्फोट के बाद भागने में सफल रहे। सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है और इलाके में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बाबर ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों की मदद से आगे की जांच जारी है। उन्होंने कहा, हम जल्द ही दोषियों को गिरफ्तार कर लेंगे और उनके पीछे छिपे तत्वों का पर्दाफाश करेंगे। उन्होंने बताया कि घायल सुरक्षा कर्मियों को खुजदार टीचिंग अस्पताल ले जाया गया। स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुष्टि की कि उनकी हालत स्थिर है और उन्हें जल्द ही छुट्टी दे दी जाएगी। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे आतंकवादी कृत्य बताया।

यूएनएससी द्वारा प्रतिबंध हटाने में विफल रहने पर आईएईए के साथ सहयोग होगा निलंबित-ईरान

तेहरान। ईरान के शीर्ष सुरक्षा निकाय ने घोषणा की कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) द्वारा तेहरान पर अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों को हटाने के प्रस्ताव को बरकरार न रखने के प्रस्ताव के बाद, संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था के साथ देश का सहयोग प्रभावी रूप से निलंबित कर दिया जाएगा। यह बयान ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एसएनएससी) की ओर से आया है, जिसमें राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की अध्यक्षता में हुई बैठक के परिणामों का विवरण दिया गया है।बैठक के दौरान, एसएनएससी ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम के संबंध में फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी - जिन्हें सामूहिक रूप से ई -3 के रूप में जाना जाता है - द्वारा विवेकहीन कार्रवाइयों पर चर्चा की परिषद ने घोषणा की कि यूरोपीय देशों की कार्रवाइयों के जवाब में, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के साथ तेहरान का सहयोग प्रभावी रूप से निलंबित कर दिया जाएगा, जबकि ईरान एजेंसी के साथ सहयोग जारी रखे हुए है और परमाणु मुद्दे को हल करने के प्रस्ताव भी मौजूद हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध से अमेरिका पैसे कमा रहा: ट्रम्प

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनका देश रूस-यूक्रेन की जंग से पैसे कमा रहा है। उनका यह बयान उनके पहले के रुख के विपरीत है, जिसमें उन्होंने कीव को बिना शर्त सैन्य समर्थन देने की बात कही थी, जिसके तहत अमेरिका उसे हथियारों की आपूर्ति करता रहा है।

आरटी की रिपोर्ट के अनुसार व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए श्री ट्रंप ने जुलाई में उस हस्ताक्षरित समझौते की प्रशंसा की, जिसके तहत अमेरिका अपने साथी नाटो सदस्यों को हथियार बेचता है, जो बाद में वे यूक्रेन को सौंप देते हैं। श्री ट्रंप ने कहा, हम युद्ध पर और खर्च नहीं कर रहे हैं। क्या आप जानते हैं हमें जो कुछ भी भेजा गया है, उसके लिये भुगतान किया जा रहा है, बाइडेन के जैसे नहीं। उन्होंने उन्हें 350 अरब डॉलर दिये और ये चौंकाने वाला था। उन्होंने जोर देकर

कहा कि युद्ध को नाटो द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है।उन्होंने कहा, असल में मैं उस युद्ध से पैसे नहीं कमाना चाह रहा, लेकिन सच में हम इस युद्ध से पैसे कमा रहे क्योंकि वे हमारे उपकरण खरीद रहे, जैसा कि आप जानते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पूर्व राष्ट्रपति जो बिडेन पर कटाक्ष करते हुये उनकी आलोचना की कि उन्होंने यूक्रेन को अमेरिका से हथियार खरीदने की पूरी छूट दे दी और देश के राष्ट्रीय खजाने को खाली करने तथा करदाताओं के खर्च पर पूरे युद्ध का वित्तपोषित किया। उन्होंने अलग से यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की पर हमला बोला और उन्हें 'धरती का सबसे बड़ा विक्रेता' बताया, क्योंकि उनके देश में हथियारों की आपूर्ति लगभग असीमित हो रही। गौरतलब है कि श्री ट्रम्प ने इस साल के आरंभ में रूस के साथ सीधी वार्ता पुनः शुरू की थी, जिसके परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच बातचीत के रास्ते खुल गये थे, लेकिन उन्होंने युद्ध को समाप्त करने में एंकोरेज शिखर सम्मेलन की विफलता को स्वीकार किया था।

उन्होंने अमेरिका-रूस संबंधों में सुधार के लिए इसकी प्रशंसा की थी, लेकिन अन्य सभी तरीके बहुत कम उपयोगी साबित हुये क्योंकि मॉस्को की प्रगति निर्बाध रूप से जारी है। रूस ने दावा किया कि पश्चिमी हथियारों की कोई भी मात्रा उसे जीत हासिल करने से नहीं रोक सकती और उसने यूक्रेन को छद्म रूप में इस्तेमाल करके नाटो देशों को युद्ध का वास्तविक नेता बताया।

बांग्लादेश के बाजारों से बड़े आकार की हिल्सा मछली गायब

एजेंसी
ढाका। भारत में चटखारे लेकर खाई जाने वाली बांग्लादेश से आयातित हिल्सा मछली का आकार आजकल वहां के मछुआरों के लिए बड़ा मसला बना हुआ है क्योंकि देश के दक्षिणी क्षेत्र के बाज़ारों से बड़े आकार की हिल्सा लगभग गायब हो गई हैं। व्यापारियों का कहना है कि अब ज़्यादातर पकड़ी गई हिल्सा का वज़न 200 से 400 ग्राम के बीच ही है। डेली स्टार के मुताबिक देश के बाजारों से बड़े आकार की हिल्सा मछलियां लुप्त सी हो गई हैं और जबकि छोटी मछलियों की बाढ़ सी आ गई है।

बरिशाल संभागीय मत्स्य कार्यालय के अनुसार ये छोटी हिल्सा 400 से 600 टका प्रति किलोग्राम के हिसाब से बिक रही हैं। वर्तमान में पकड़ी जा रही 60-65 प्रतिशत हिल्सा इसी आकार की हैं। इस बीच मछुआरों ने बताया कि पिछले वर्षों के विपरीत इस साल न केवल पकड़ी गई मछलियां कम मात्रा में हैं, बल्कि उनमें भी छोटे आकार की मछलियां ज़्यादा हैं। गौरतलब है कि मौसम के इसी चरण में बड़ी मछलियां उपलब्ध होती थीं। संभागीय मत्स्य विभाग ने बताया कि 225 ग्राम से कम वज़न वाली हिल्सा को जटका माना जाता है जिन्हें पकड़ना और बेचना प्रतिबंधित है। फिर भी जटका और थोड़ी बड़ी मछलियाँ बाज़ारों में खुलेआम बिक रही हैं। हाल ही में बारिशाल संभाग के 364 बाज़ारों और लैंडिंग स्टेशनों पर लगभग 567 टन हिल्सा मछलियाँ लाई गई जिनमें से 65 प्रतिशत का वज़न 200 से 400 ग्राम के बीच ही था। बारिशाल बदंरगाह रोड के थोक लैंडिंग केंद्र पर आरिफ एंटरप्राइज के प्रबंधक मोहम्मद शकील ने बताया कि बाज़ार में ज़्यादातर आपूर्ति छोटी मछलियों की ही हो रही है।

गाजा से रिहा 48 कैदियों की 'विदाई तस्वीर' में दिखाई दिए नेपाल के विपिन जोशी

एजेंसी
काठमांडू। हमास की सशस्त्र शाखा ने गाजा में बंद 48 इजरायली कैदियों को रिहा कर दिया है। 'विदाई तस्वीर' में नेपाल के विपिन जोशी भी दिखाई दिए हैं। अब हमास के कब्जे से छुडाकर नेपाली युवक विपिन जोशी को भी नेपाल लाये जाने की संभावना बढ़ गई है। समाचार एजेंसी के अनुसार हमास ने इजरायली कैदियों की विदाई फोटो ऐसे समय जारी की है, जब इजरायली सेना घेरे हुए क्षेत्र के सबसे बड़े शहर को नष्ट करने और उस पर नियंत्रण करने के अपने अभियान को जारी रखे हुए है। .

कस्साम ब्रिगेड ने तस्वीरों का एक संकलन ऑनलाइन पोस्ट किया, जिसमें जीवित और मृत कैदियों के चेहरे दिखाई दे रहे हैं। कैप्शन में उन सभी को रॉन अराद कहा गया है।

हमास की ओर से जारी फोटो में लिखा है, यह एक विदाई फोटो है, क्योंकि नेतन्याहू के इनकार और ज़मीर के आत्मसमर्पण के कारण गाजा शहर में सैन्य अभियान शुरू हो गया है। हमास ने दावा किया है कि इजरायल के व्यापक जमीनी और हवाई हमलों ने गाजा पट्टी में बंद

कैदियों की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है। हमास की ओर से इजरायल पर हमले के पहले दिन ही करीब दर्जन भर नेपाली नागरिकों की हत्या करने के साथ ही कई नेपाली नागरिकों का अपहरण कर लिया गया था। मारे गए नेपाली नागरिकों में अधिकतर छात्र थे, उनके शव स्वदेश लाये जा चुके हैं। सैकड़ों नेपाली नागरिकों को भी सुरक्षित नेपाल लाया जा चुका है, लेकिन हमास के कब्जे से नेपाली युवक विपिन जोशी की अब तक रिहाई नहीं हो पाई है। अब कैदियों की 'विदाई तस्वीर' में विपिन के दिखने से उसे भी नेपाल लाये जाने की संभावना बढ़ गई है।

एच-1 बी वीजा शुल्क वृद्धि का फैसला अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक: कृष्णमूर्ति

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एच-1 बी वीजा शुल्क बढ़ाने के फैसले को डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने प्रतिभा का अपमान और अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक करार दिया है, जबकि सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने इस फैसला का बचाव किया है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डेमोक्रेट सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने इस शुल्क को ऐसा अव्यवहारिक प्रयास बताया जो देश को उच्च कुशल श्रमिकों से दूर करेगा। उन्होंने कहा कि कई एच-1 बी वीजा धारक आखिरकार अमेरिकी नागरिक बनकर व्यवसाय शुरू करते हैं जो अच्छे वेतन वाली नौकरियां पैदा करते हैं। जब अन्य देश वैश्विक प्रतिभा को आकर्षित कर रहे हैं तब अमेरिका को अपने कार्यबल को मजबूत कर आव्रजन नीति को आधुनिक बनाना चाहिए न कि बाधांए खड़ी करके अर्थव्यवस्था को कमजोर करना चाहिए।फांउडेशन फार इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज के खंडेराव कंद ने इस फैसले को बेहद निराशाजनक बताया। कैटों इंस्टीटयूट के डेविड जे बियर ने कहा कि भारतीय एच-1 बी पेशेवरों ने करो और सेवाओं के जरिए देश की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने इस फैसले को नकारात्मक सोच का परिणाम बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के सलाहकार एवं एशियाई अमेरिकी समुदाय के नेता और डेमोक्रेट पार्टी की नीतियों के प्रति झुकाव रखने वाले सांसद अजय भुटोरिया ने चेतावनी दी कि ट्रंप का यह कदम अमेरिकी प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा क्षमता को खतरे में डाल सकता है। उन्होंने कहा कि यह कदम कुशल पेशेवरों को दूर भगाएगा जो सिलिकान वैली को शक्ति प्रदान करते हैं और अमेरिकी

अर्थव्यवस्था में अरबों डालर का योगदान करते हैं। इस बीच अमेरिकी वाणिज्य सचिव एच. लुटनिक ने इस फैसले का समथर्न करते हुए कहा कि अब कंपनियों को फैसला करना होगा कि क्या व्यक्ति इतना मूल्यवान है कि सरकार को हर साल एक लाख डालर का भुगतान किया जाए या फिर उन्हें घर भेज दिया जाए। उन्होंने कहा की सभी कंपनियां इससे सहमत हैं और यह ट्रंप प्रशासन की अमेरिका प्रथम नीति के तहत ही किया गया है।

बगराम एयरबेस को लेकर अफगानिस्तान को ट्रंप की धमकी-वापस नहीं किया तो बहुत बुरा होगा

एजेंसी
वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस को लेकर एकबार फिर धमकी देते हुए कहा है कि अगर यह एयरबेस अमेरिका को वापस नहीं किया गया तो इसे नतीजे बहुत बुरे होंगे। हाल ही में अपनी ब्रिटेन यात्रा के दौरान ट्रंप ने कहा था कि उनकी सरकार अफगानिस्तान में बगराम एयरबेस को हासिल करने की कोशिश कर रही है।हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति की इन कोशिशों को चुनौती देते हुए अफगानिस्तान के मौजूदा तालिबान शासन की तरफ से कहा गया कि अफगान धरती ने विदेशी ताकतों को कभी स्वीकार नहीं किया।साल 2021 में अमेरिका ने अप्रत्याशित रूप से अपने सैनिकों को अफगानिस्तान से रातोंरात वापस बुला लिया था जिसके बाद से वहां तालिबान का शासन है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अफगानिस्तान के तालिबान शासन

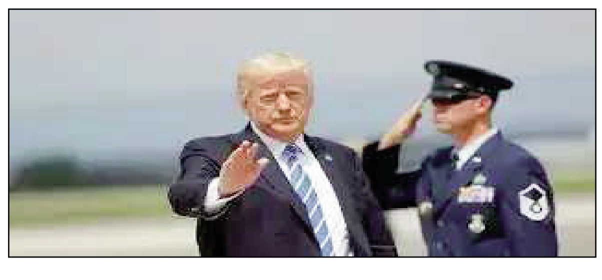

को बगराम एयरबेस वापस नहीं करने पर बुरे नतीजे की धमकी दी है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अफगानिस्तान बगराम एयरबेस को उसके निर्माता यानी अमेरिका को वापस नहीं किया गया तो बहुत बुरा होगा। इससे पहले ब्रिटेन दौरे पर ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ प्रेस वार्ता में कहा कि अमेरिका बगराम एयरबेस को वापस पाने की कोशिश कर रहा है। ट्रंप का दावा है कि चीन के परमाणु हथियार बनाने वाले इलाके से यह बेस सिर्फ एक घंटे की दूरी पर है इसलिए अमेरिका के लिए रणनीतिक रूप से बहुत अहम है। अफगानिस्तान का सबसे बड़ा सैन्य ठिकाना रहे बगराम एयरबेस का अमेरिका ने बीस साल तक इस्तेमाल किया। साल 2021 में अमेरिकी सेना ने अप्रत्याशित रूप से भारी अफरातफरी के बीच रातोंरात अफगानिस्तान से वापसी की थी। जिसके बाद काबुल एयरपोर्ट पर मची अफरातफरी और आत्मघाती हमले में 13 अमेरिकी सैनिकों समेत 170 लोग मारे गए थे। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान दो दशकों के बाद अफगानिस्तान में एकबार फिर तालिबान का शासन वापस लौटा। अमेरिका ने जिस अराजक तरीके से रातोंरात सारा साजो-सामान छोड़कर अपने सैनिकों को अफगानिस्तान से वापस बुलाया, उसकी भारी किरकिरी हुई थी। अब ट्रंप भी अपने पूर्ववर्ती बाइडेन शासन के इस फैसले की आलोचना करते हुए कहते हैं कि वे भी अपने कार्यकाल के दौरान अफगानिस्तान से अपने सैनिकों को निकालने वाले थे लेकिन ताकत और गरिमा के साथ।

रूस के रुख की ईरान ने की सराहना

एजेंसी
तेहरान। ईरान के शीर्ष सैन्य कमांडर ने देश के खिलाफ इज़राइल की आक्रामक कार्रवाई का विरोध करने में संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) जैसे मंचों पर रूस के दृढ़ रुख की प्रशंसा की है। ईरान के सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल अब्दुलरहीम मौसवी ने तेहरान में रूसी ऊर्जा मंत्री सर्गेई त्सिविलेव के साथ एक बैठक के दौरान यह टिप्पणी की। मौसवी ने कहा कि ईरान ने एक बार फिर दुनिया को दिखा दिया है कि वह कभी युद्ध की शुरुआत करने वाला नहीं रहा है। उन्होंने ज़ोर दिया कि विवादों को सुलझाने के लिए कूटनीति ही सबसे बेहतर रास्ता है। उन्होंने कहा, ईरान कूटनीति और बातचीत को समस्याओं का सबसे अच्छा समाधान मानता है। जनरल मौसवी ने याद दिलाया कि ईरान के दुश्मनों ने अक्सर बातचीत को धोखे के बहाने के रूप में इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि दुश्मन ने बातचीत को विश्वासघात की आड़ में इस्तेमाल किया और ईरान के खिलाफ थोपा हुआ युद्ध शुरू कर दिया। मौसवी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस तरह के कपट के बावजूद ईरान ने दिखा दिया है कि वह अपनी रक्षा करने में संकोच नहीं करेगा। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि ईरान की सशस्त्र सेनाओं ने अमेरिका और इजराइली शासन को मज़बूत और करारा जवाब दिया। गौरतलब है कि 13 जून को इज़राइल ने ईरान के ख़िलाफ़ आक्रामक कार्रवाई की जिसके बाद दोनों देशों के बीच 12 दिनों तक चले युद्ध में ईरान के वरिष्ठ सैन्य कमांडरों, परमाणु वैज्ञानिकों और नागरिकों सहित कम से कम 1,064 ईरानी मारे गए। इस बीच सैन्य मुद्दों से परे मौसवी ने ईरान और रूस के बीच सहयोग के व्यापक अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने दोनों देशों की साझेदारी के लचीलेपन की ओर इशारा करते हुए कहा कि ईरान और रूस में पश्चिमी दबाव के बावजूद सहयोग विकसित करने की अपार क्षमताएं हैं।

ट्रम्प से मुलाकात में रूस पर और प्रतिबंध लगाने का आग्रह करेंगे: जेलेंस्की

एजेंसी
कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने सहयोगी देशों पर समय बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए घोषणा की है कि वह अगले हफ़्ते न्यूयॉर्क में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ भेंट में उनसे रूस पर और प्रतिबंध लगाने का आग्रह करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ज़ेलेंस्की ने यहां पत्रकारों के एक समूह से बातचीत में कहा कि अगर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन उनसे आमने-सामने की बातचीत करने या युद्धविराम पर सहमत होने से इनकार करते हैं तो उन्हें रूस के खिलाफ और प्रतिबंध लगाए जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, अगर युद्ध जारी रहता है और शांति की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया जाता है तो हम प्रतिबंधों की उम्मीद करते हैं। ट्रम्प ने कई बार रूस के ख़िलाफ़ कार्रवाई की धमकी दी है लेकिन अब तक वह ऐसा करने में विफल रहे हैं। पिछले हफ़्ते उन्होंने कहा था कि अमेरिका

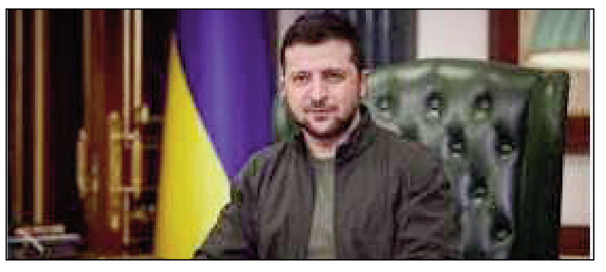

बड़े प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार है, लेकिन ऐसा तभी हो पाएगा जब उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सभी देश रूस से तेल खरीदना बंद करके और एक अन्य बड़े आयातक चीन पर टैरिफ लगाने पर सहमत हो जाएं। ट्रंप के करीबी सहयोगी यूरोपीय देशों हंगरी और स्लोवाकिया ने रूस के साथ ऊर्जा संबंध तोड़ने से इनकार कर दिया है। वे यूरोपीय संघ के अंतिम दो सदस्य हैं जो अभी भी द्रुज़्बा पाइपलाइन के ज़रिए रूसी तेल खरीद रहे हैं। यूक्रेन ने पिछले महीने इस पाइपलाइन पर बमबारी की थी जिस पर हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन ने नाराज़गी जताई थी। अपनी न्यूयॉर्क यात्रा के दौरान ज़ेलेंस्की इस बात पर भी स्पष्टीकरण मांगेंगे कि शांति समझौते के तहत अमेरिका क्या सुरक्षा गारंटी देने को तैयार है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने ट्रंप की ब्रिटेन की राजकीय यात्रा के दौरान उनके समक्ष यह सवाल उठाया था। ज़ेलेंस्की ने कहा कि उनकी पत्नी ओलेना न्यूयॉर्क में मेलानिया ट्रंप से संभवतः मुलाकात करेंगी। वह रूस द्वारा अपहृत यूक्रेनी बच्चों की वापसी पर चर्चा करेंगी।

ज़ेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन रूस की ऊर्जा सुविधाओं को निशाना बनाने के लिए लंबी दूरी के ड्रोनों का इस्तेमाल बढ़ा रहा है। शनिवार तड़के ड्रोन ने एक हफ़्ते में दूसरी बार सारातोव तेल रिफ़ाइनरी पर हमला किया। उन्होंने यूरोप से यूक्रेन की हवाई सुरक्षा को मज़बूत करने और हथियारों की आपूर्ति बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा, इस बाबत एक मज़बूत अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया की ज़रूरत है।

संसद कैंटीन की हालत देख कर सलाद खाना ही बंद कर दिया: विक्रमरत्ने

एजेंसी
कोलंबो। श्रीलंकाई संसद की कैंटीन का भोजन दूषित और गंदगी में बन रहा है और उसे ही सभी सांसद खा रहे हैं तो आम जन के भोजन के बारे में क्या ही कहा जा सकता है। संसद के स्पीकर डॉ. जगत विक्रमरत्ने ने खुलासा किया कि संसद की स्थापना के बाद से 40 वर्षों में किसी भी जन स्वास्थ्य निरीक्षक (पीएचआई) ने संसद की कैंटीन का निरीक्षण नहीं किया जिससे खाद्य सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो रही हैं। उन्होंने खुलासा किया कि कैंटीन में भोजन बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले मसाले मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त पाए गए हैं। उन्होंने कहा, संसद सर्वोच्च संस्था है जहां देश के कानून बनाए जाते हैं। अगर ऐसी जगह का खाना गंदा हो और सांसद उसे खाकर बीमार पड़ जाएं, तो यह बहुत गंभीर स्थिति होगी। डॉ. विक्रमरत्ने ने कहा कि

कैंटीन के अंदर चूहे और तिलचट्टे देखे गए जबकि खाना पकाने के बर्तन टूटे, मुड़े और दागदार थे। रसोई की हालत देखकर मैंने संसद में सलाद खाना भी बंद कर दिया। संसद में सिर्फ़ खाने-पीने की चीज़ों के दाम बढ़ाना ही काफ़ी नहीं है। हमें इस बात की भी बारीकी से जांच करनी चाहिए कि वहां क्या पकाया जा रहा है। स्पीकर ने बताया कि कैंटीन का पहली बार अप्रैल में ही निरीक्षण किया गया था जब वह बत्तरामुल्ला के स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी और पीएचआई की एक टीम के साथ कैंटीन गए थे। डॉ. विक्रमरत्ने ने कहा, जब मरम्मत शुरू हुई तो कुछ अधिकारी नाखुश थे और कुछ तो मज़ाक में मुझे 'मिस्टर पीएचआई' भी कहते थे, लेकिन मैं इन चुनौतियों को स्वीकार करता हूं।

दक्षिणी लेबनान में इज़रायली हवाई हमले में हिज़्बुल्लाह कार्यकर्ता ढेर

एजेंसी
बेरूत। दक्षिणी लेबनान में एक नागरिक कार पर इज़रायली हवाई हमले में शनिवार को एक हिज़्बुल्लाह कार्यकर्ता मारा गया। लेबनानी अधिकारियों और सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। आधिकारिक लेबनानी राष्ट्रीय समाचार एजेंसी ने बताया कि एक इज़रायली ड्रोन ने लेबनान के दक्षिणी सीमा क्षेत्र के पूर्वी क्षेत्र में खरदाली-मरजायून सड़क पर एक कार को निशाना बनाया, जिसमें काफ़र किला गाँव के एक व्यक्ति की मौत हो गई। लेबनान सेना की खुफिया एजेंसी के एक सूत्र ने बताया कि पीड़ित हसन शाहरूर नाम का एक हिज़्बुल्लाह कार्यकर्ता था। 27 नवंबर, 2024 से,अमेरिका और फ्रांस की मध्यस्थता से हिज़्बुल्लाह और इज़रायल के बीच एक युद्धविराम समझौता लागू है, जिससे गाजा पट्टी में युद्ध के बाद दोनों पक्षों के बीच शुरू हुए संघर्ष समाप्त हो गए हैं। समझौते के बावजूद इज़रायली सेना कभी-कभी लेबनान में हमले करती है, यह दावा करते हुए कि उनका उद्देश्य हिज़्बुल्लाह के 'खतरों' को ख़त्म करना है, जबकि लेबनानी सीमा क्षेत्र में पाँच प्रमुख ठिकानों पर अपनी सेना को तैनात रखती है।

साइबर हमले के कारण यूरोप के कई प्रमुख हवाई अड्डों पर परिचालन बाधित

एजेंसी
लंदन। चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम प्रदान करने वाली एक कंपनी पर हुए साइबर हमले ने यूरोप के कई प्रमुख हवाई अड्डों पर परिचालन बाधित कर दिया है। इससे यूरोप के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे लंदन के हीथ्रो समेत ब्रुसेल्स, बर्लिन ब्रैंडेनबर्ग, डबलिन और कार्क हवाईअडडों पर उड़ानो में देरी अथवा उन्हें रद्द किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर के हवाई अड्डों पर कई एयरलाइनों के लिए सिस्टम उपलब्ध कराने वाली कंपनी कोलिन्स एयरोस्पेस को एक तकनीकी समस्या का सामना करना पड़ा जिससे कई बड़े हवाई अड्डों पर उड़ानें प्रभावित हुईं। इस हमले का सुबह तक यूरोप के कई हवाईअड्डों पर असर देखा गया। प्रभावित हवाई अड्डों में हीथ्रो, ब्रुसेल्स, बर्लिन ब्रैंडेनबर्ग, डबलिन और कार्क हवाईअडडे शामिल हैं। इसके कारण प्रस्थान करने वाले यात्रियों को देरी हो रही है और यात्रियों को मैनुअली चेक इन कराया जा रहा है। हीथ्रो हवाई अड्डे ने उड़ानों में देरी की चेतावनी जारी की है। कोलिन्स एयरोस्पेस की मूल कंपनी आरटीएक्स ने बिना हवाई अड्डों का नाम लिए कहा कि उसे चुनिंदा हवाई अड्डों पर अपने सॉफ़्टवेयर में साइबर संबंधी व्यवधान के बारे में पता चला है। आरटीएक्स ने एक ई-मेल के जरिए जारी एक बयान में कहा कि इसका असर इलेक्ट्रॉनिक ग्राहक चेक-इन और सामान छोड़ने तक सीमित है और इसे मैन्युअल चेक-इन से कम किया जा सकता है। बयान में यह भी कहा गया है कि वे इस समस्या को जल्द से जल्द ठीक करने के लिए काम कर रहे हैं। इस बीच ब्रुसेल्स हवाई अड्डे ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि हमले के कारण स्वचालित प्रणालियां निष्क्रिय हो गई हैं और केवल मैन्युअल चेक-इन और बोर्डिंग प्रक्रिया ही संभव है। बयान के मुताबिक यह समस्या से आरंभ हुई थी। हवाई अड्डे के सूत्रों ने बताया कि अब तक 10 उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं और सभी प्रस्थान उड़ानों में औसतन एक घंटे की देरी हुई है। हालांकि डेल्टा एअरलाइंस पर इसका न्यूनतम प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। डेल्टा एयर लाइंस ने कहा कि उसे तीन प्रभावित हवाई अड्डों से उड़ान भरने वाली उड़ानों पर न्यूनतम प्रभाव पड़ने की उम्मीद है और उसने इस बाधा को कम करने के लिए एक समाधान लागू किया है। बर्लिन हवाई अड्डे ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि चेक-इन के लिए प्रतीक्षा समय लंबा हो गया है और वह एक त्वरित समाधान पर काम कर रहा है। एक प्रवक्ता ने कहा कि इससे जर्मनी का सबसे बड़ा फ्रैंकफर्ट हवाई अड्डा प्रभावित नहीं हुआ है। ज्यूरिख हवाई अड्डे के संचालन नियंत्रण केंद्र के एक अधिकारी ने भी कहा कि उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। ईज़ीजेट सामान्य रूप से परिचालन कर रही है। आयरलैंड के डबलिन और कार्क हवाईअडडों पर भी उड़ानों के परिचालन में देरी की खबरे हैं। यूरोप की सबसे बड़ी एयरलाइनों में से एक ईज़ीजेट ने कहा कि वह वर्तमान समय में सामान्य रूप से परिचालन कर रही है और उसे उम्मीद है कि इस समस्या का दिन के बाकी समय में उसकी उड़ानों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उधर पोलैंड के उपप्रधानमंत्री और डिजिटल मामलों के मंत्री क्रिज़िस्तोफ़ गॉकोव्स्की ने कहा कि देश के हवाई अड्डों को किसी भी खतरे का कोई संकेत नहीं मिला है। ब्रिटिश परिवहन मंत्री हेइडी अलेक्जेंडर ने कहा कि उन्हें स्थिति पर नियमित अपडेट मिल रहे हैं। इस बीच विशेषज्ञों ने इसे काफी शातिर हमला करार देते हुए चेतावनी दी है कि यह हाइब्रिड युद्ध का हिस्सा है। यूरोपीय साइबर सिक्योरिटी एजेंसिया और आरटीएक्स मामले की जांच कर रहीं हैं।

जानकारी

सीने में दर्द और जलन का कारण हो सकता है 'प्लूरिसी' रोग

फेफड़ों की झिल्लियों में हो जाता है इन्फेक्शन

सीने में दर्द और जलन हो, तो ये सिर्फ हार्ट अटैक या दिल की बीमारी का संकेत नहीं होता है, बल्कि कई बार फेफड़ों की बीमारी के कारण भी ऐसा हो सकता है। प्लूरिसी फेफड़ों से संबंधित रोग है। हमारे फेफड़ों की सुरक्षा के लिए उन पर पतली झिल्ली का दोहरा खोल चढ़ा होता है। इन झिल्लियों को प्लूरा कहते हैं। इसकी एक तह फेफड़ों के बाहरी भाग पर चढ़ी रहती है और दूसरी तह पसलियों के भीतरी भाग पर। इन्हीं झिल्लियों में होने वाले संक्रमण को प्लूरिसी कहते हैं।

इस संक्रमण के कारण झिल्लियों में सूजन आ जाती है। इन दोनों झिल्लियों के बीच द्रव की एक पतली पर्त होती है, जो इन्हें चिकनाहट प्रदान करती है। इस रोग के कारण इन झिल्लियों में सूजन आ जाती है और ये अपेक्षाकृत मोटी हो जाती हैं। इस वजह से दोनों झिल्लियां आपस में टकराने लगती हैं। इस टकराहट के कारण झिल्लियों के बीच का द्रव एक जगह ठहरने लगता है और जमने लगता है। इसके कारण रोगी को छाती में तेज जलन और दर्द महसूस होता है जो कभी-कभी असहनीय हो सकता है।

यह हैं रोग के लक्षण

चूंकि ये रोग फेफड़ों से संबंधित है इसलिए इस रोग के कारण मरीज को सांस लेने, छींकने और खांसने में बहुत परेशानी होती है। इस रोग का सबसे आम लक्षण सीने में तेज दर्द और जलन है, जिसके कारण छींकने और खांसने में तेज दर्द होता है। प्लूरिसी के कारण सांस लेने और छोड़ने में भी तकलीफ होती है और दर्द महसूस होता है। इस रोग के कारण छाती भारी लगने लगती है और खांसने के दौरान मुंह से कुछ गंदे पदार्थ भी निकल सकते हैं। इसके अलावा बुखार आना, भूख न लगना और शरीर का वजन तेजी से कम होने लगना आदि प्लूरिसी के लक्षण हैं।

प्लूरिसी रोग के कारण

प्लूरिसी में तीन तरह से सूजन आ सकती है- शुष्क प्लूरिसी, नम प्लूरिसी और एम्पाइमा प्लूरिसी। फेफड़े में बैक्टीरियल इंफेक्शन या छाती की मांसपेशियों में वायरल संक्रमण शुष्क प्लूरिसी के कारण होता है। कई बार फेफड़ों की टीबी, फेफड़े का ट्यूमर जैसे रोग होने पर खून की सप्लाई रुक जाने से भी प्लूरा की तहों में सूजन आ जाती है। नम प्लूरिसी तब होती है जब प्लूरिसी में पानी भर जाता है। टीबी के कारण प्लूरा में पानी भर जाता है। इसके अलावा निमोनिया, ट्यूमर, कैंसर के कारण भी प्लूरा प्रभावित हो सकती है। पेट के अंदरूनी अंगों में सूजन होने पर भी ये तकलीफ हो सकती है। दिल, गुर्दे और जिगर में से किसी एक के ठीक से काम न करने पर भी प्लूरा में पानी भर सकता है। इसके अलावा एम्पाइमा होने पर प्लूरिसी में खून एकत्र हो जाता है। चोट से प्लूरा में खून एकत्र होने व संक्रमण हो सकता है।

सही समय पर इलाज जरूरी

प्लूरिसी रोग खतरनाक और जानलेवा होता है, इसलिए इसका सही समय पर इलाज जरूरी है। सीने में तेज जलन, दर्द, चुभन आदि को बिल्कुल नजरअंदाज न करें। पेट के किसी भाग में कोई सूजन समझ आए या भूख न लगे और छाती भारी लगे तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और उचित सलाह लें। छाती के एक्स-रे या अल्ट्रासांउड में प्लूरा में पानी और मवाद के लक्षण दिख जाते हैं। अगर अल्ट्रासाउंड में प्लूरिसी रोग का पता चलता है तो इसका सही कारण जानने के लिए छाती के अंदर से सुई के माध्यम से नमूना निकालकर जांच की जाती है।

घरेलू इलाज

प्लूरिसी के लक्षणों को सामान्य समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, लेकिन इसके दर्द से तत्काल राहत के लिए कुछ घरेलू नुस्खों की मदद ली जा सकती है। दर्द से राहत के लिए गरम पानी से सिंकाई या इलैक्ट्रिक हीटिंग पैड असरकारी है। अगर आप नियमित श्वसन से जुड़े व्यायाम करते हैं तो प्लूरिसी होने का खतरा बहुत हद तक कम हो जाता है, क्योंकि इससे फेफड़े को खुलने में मदद मिलती है।

वर्कआउट करने का सही समय और फायदे

सही व्यायाम से घटेगा वजन

स्वस्थ व चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए जितना जरूरी सही खानपान है, उतना ही जरूरी व्यायाम भी है, जिससे हमारा वजन भी नियंत्रित रहता है। स्वस्थ जीवन और खुशहाल जिंदगी की कुंजी है व्यायाम। इस कारण हमारी दिनचर्या में व्यायाम को महत्वपूर्ण स्थान देना जरूरी हो जाता है।

जीवित रहने के लिए जिस प्रकार वायु, जल और भोजन आवश्यक है, उसी प्रकार शरीर को स्वस्थ एवं तंदुरुस्त रखने के लिए व्यायाम आवश्यक है। इसकी कमी से या इसको नियमित रूप से न करने से मनुष्य का जीवन दुर्बल और अनेक रोगों का घर बन जाता है। प्रतिदिन नियम के तहत व्यायाम करने से शरीर हल्का तथा फुर्तीला बना रहता है। व्यायाम हमेशा उतनी ही मात्रा में किया जाना चाहिए कि शरीर में थोड़ी थकावट तो महसूस हो, लेकिन आप थककर चूर न हो जाएं। जैसे-जैसे शक्ति का संचार बड़े, वैसे-वैसे व्यायाम का समय बढ़ाया जा सकता है।

शरीर की शक्ति से बढ़कर व्यायाम करना हानिकारक सिद्ध हो सकता है। ध्यान रहे, व्यायाम शरीर को गठीला बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ-साथ स्वस्थ रखने में भी सहायक होता है। विभिन्न लोगों के लिए विभिन्न प्रकार के व्यायाम हैं। कुछ शरीर को स्वस्थ बनाने के लिए होते हैं और कुछ निरोगी रखने में सहायक होते हैं। ऐसे ही कुछ व्यायामों के बारे में जानने की कोशिश करते हैं, जिनसे बढ़ती उम्र को 10 साल तक कम किया जा सकता है।

खेलकूद में मन लगाएं

सामूहिक खेलकूद केवल कसरत करने से कहीं ज्यादा उपयोगी होते है। खेलों में मजा तो आता ही है, साथ ही शारीरिक कसरत भी हो जाती है, लेकिन सभी खेल एक जैसे उपयोगी नहीं होते। यह खेल की गति, उसमें लगने वाली ताकत, मासपेशियों के तालमेल, दबाव सहने की क्षमता आदि भी खेल की उपयोगिता पर निर्भर करती है।

जितना हो सके उतना चलें

चलना सभी उम्र के लोगों के लिए (खासतौर पर दिल की बीमारियों से प्रभावित लोगों के लिए) काफी उपयोगी होता है। शारीरिक फायदों के अलावा चलने से स्फूर्ति और आराम मिलता है। मध्यम गति से एक किलोमीटर चलने पर करीब 50 कैलरी ऊर्जा खर्च होती है। इसलिए जितना हो सके, चलना चाहिए।

योग को जीवन में ढालें

योग में शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के अनुशासन की जरूरत होती है। योग एक कमाल का व्यायाम होता है, जिसमें मूलतः तीन चीज की जाती हैं- आसन, मुद्राएं, बंध। नियमित योग हृदय रोग, रक्तवाहिका रोग, डायबिटीज और मोटापा जैसे रोगों की रोकथाम करता है।

योग की सीमाओं को समझें

किसी भी आसन को तीन से पांच बार और योग को एक से दो बार किया जा सकता है। अनुलोम-विलोम, कपालभाति एवं भ्रिरका जैसे प्राणायाम में सांस को अधिक देर तक न रोकें, वर्ना चक्कर आने एवं उल्टी आ सकती है। शीर्षासन को अधिक देर करने से चक्कर आ सकते हैं और ब्लड प्रेशर भी बढ़ सकता है। इसलिए सभी अभ्यास विशेषज्ञ की देखरेख में ही सीखें या करें।

नियमों को न करें नजरअंदाज

शुरुआत के लिए : शुरुआती दिनों में बहुत अधिक व्यायाम करने से बचें। ट्रेनर के अनुसार ही व्यायाम करें। सप्ताह में जितना व्यायाम कहा जाए, उससे ज्यादा करना शरीर को तकलीफ दे सकता है।

वार्मअप जरूर करें : व्यायाम शुरू करने के पहले वार्मअप जरूर करें, ताकि आपका शरीर पूरी तरह से तैयार हो सके। अगर आप वार्मअप की अनदेखी करते हैं, तो यह आपके शरीर के लिए हानिकरक हो सकता है।

उम्र के अनुसार : व्यायाम का चुनाव अपनी उम्र के अनुसार करें और शुरू करने से पहले विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें। अगर आपको सेहत संबंधी कोई समस्या है, तो इसका विशेष ध्यान रखें।

खानपान का ध्यान : व्यायाम के साथ-साथ डाइट का भी विशेष ध्यान रखें और तेजी से पचने वाले भोजन का सेवन करें। ये शरीर में मांसपेशियों के निर्माण में सहायता करते हैं।

प्रभावी नहीं होते ये व्यायाम

- एरोबिक्स व्यायाम से शरीर लचीला और मजबूत तो बनता है, लेकिन यह चर्बी कम करने में उतना सक्षम नहीं है।
- स्पॉट ट्रेनिंग से वजन घटाना आसान नहीं होता। बेहतर होगा कि कार्डियो व्यायाम के साथ इनको मिलाएं।
- सिट-अप्स, क्रंच व एब्स एक्सरसाइज करने से पेट की चर्बी नहीं घटती। वजन घटाने के लिए प्रभावी व्यायाम का चुनाव करना जरूरी है।
- जब तक आप वेट ट्रेनिंग के साथ कार्डियों को नहीं मिलाते हैं, वजन घटाने में कोई इसका योगदान नहीं हो पाता है और आप व्यर्थ में ही पसीना बहा रहे होते हैं।
- सीधे पैर कर सिट-अप्स लगाना व्यर्थ है। इससे कोई फायदा नहीं होता। इस तरह से सिट-अप्स लगाने से कमर में चोट लगने की आशंका अधिक हो जाती है।
- अगर आप पूरे सेट लगाकर पुल-डाउन कर रहे हैं, तो ध्यान रहे कि आप रॉड को आगे की ओर रखते हुए ही इसे करें। पीछे से पुल डाउन करने पर आपकी गर्दन एवं कंधों में चोट आ सकती है।

खेल भी अच्छा व्यायाम

खेल शिक्षिका नंदिनी रावत के मुताबिक, स्वस्थ जीवन के लिए व्यायाम का बढ़ा महत्व है। व्यायाम से रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है। व्यायाम से शारीरिक अंगों का विकास होता है और दृढ़ता आती है।

सुझाव

पेट के ऊपरी हिस्से में हो रहा दर्द कहीं पैंक्रियाटाइटिस तो नहीं

पेट में दर्द कई कारणों से हो सकता है। कई बार ये सामान्य बीमारियों जैसे एसिडिटी, कब्ज, गैस आदि के कारण होता है और कई बार इसके पीछे कोई गंभीर बीमारी हो सकती है। अगर किसी को पेट के ऊपरी हिस्से में तेज दर्द हो रहा है तो संभव है कि उसे पैंक्रियाटाइटिस यानि अग्नाशयशोथ हुआ हो। ये रोग दो तरह का हो सकता है यानि एक्यूट और क्रॉनिक पैंक्रियाटाइटिस। इस बीमारी के नाम से आपको कुछ नहीं समझ आ रहा है तो घबराएं नहीं। हम आपको बता रहे हैं कि क्या है ये बीमारी और कैसे संभव है इससे बचाव।

क्या होता है पैंक्रियाटाइटिस

अग्नाशय पेट के पीछे उदर गुहा में होता है जो सामान्यतः छोटी आंत में खाना को पचाने वाले एंजाइम्स छोड़ता है। अग्नाशय से निकलकर जब ये एंजाइम्स छोटी आंत में पहुंचते हैं, तो एक्टिवेट होते हैं और खाना पचाने की प्रक्रिया शुरू होती है। अगर यही एंजाइम्स छोटी आंत में पहुंचने से पहले सक्रिय हो जाएं, तो अग्नाशय को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे अग्नाशय यानि पैंक्रियाज में सूजन आ जाती है। अग्नाशय की इसी सूजन को प्रैंक्रियाटाइटिस कहते हैं। ये दो तरह के होते हैं। एक्यूट यानि तीव्र पैंक्रियाटाइटिस, जो तेजी से मरीज को अपनी चपेट में लेता है और इससे मरीज के दिल, फेफड़े या गुर्दे पर प्रभाव पड़ सकता है। दूसरा क्रॉनिक पैंक्रियाटाइटिस यानि दीर्घकालिक पैंक्रियाटाइटिस, जिसमें मरीज को लंबे समय तक इस अंग विशेष में सूजन रहती है। पैंक्रियाटाइटिस एक गंभीर बीमारी है क्योंकि ये मरीज के दिल को भी प्रभावित कर सकती है। एक्यूट पैंक्रियाटाइटिस में मरीज को अचानक से इसका दर्द हो सकता है और इसका कारण ज्यादा मात्रा में शराब पीना, पित्ताशय में पथरी या किसी एक्सीडेंक के कारण लगी चोट हो सकती है। इसमें मरीज की जान को खतरा होता है।

यह हो सकते हैं बीमारी के कारण

पैंक्रियाटाइटिस गंदगी के कारण होता है। सड़क के किनारे खड़े ठेलों और रेहड़ी पर बनने वाले फूड्स जिनमें मक्खियां भिनभिनाती हैं और धूल-मिट्टी भर जाती हैं, उन्हें खाने से पैंक्रियाटाइटिस का खतरा होता है। इसके अलावा पैंक्रियाटाइटिस का सबसे बड़ा कारण शराब का सेवन है। ज्यादा मात्रा में शराब पीना या लगातार शराब पीने से पैंक्रियाज प्रभावित होते हैं। इसके अलावा कुछ दवाइयों के रिएक्शन से, पित्त नलिका में बाधा आने से, किसी संक्रमण से या खून में कैल्शियम घुलने से ये रोग हो सकता है। सही समय पर इलाज न करने से इस रोग के कारण पैंक्रियाटिक कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

ऐसे करें बचाव

पैंक्रियाटाइटिस से बचाव के लिए एल्कोहलिक पदार्थों का सेवन बिल्कुल न करें। इसके अलावा एलर्जेंस यानि ऐसे पदार्थ जिनसे एलर्जी की संभावना होती है जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स, सोया प्रोडक्ट्स, केमिकल वाले फूड्स का सेवन बंद कर दें। कैफीन वाले पदार्थों का सेवन भी कम कर दें। इसके अलावा खाने में फल, सब्जियां, प्रोटीनयुक्त आहार, अनाज, ऑलिव ऑयल, कोकोनट ऑयल आदि का सेवन शुरू कर दें। रोजाना योग करें और तनाव से बचें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है।धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शुभांक-4-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा का योग हैं। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-7-8-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़े अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बने रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। पूजा-पाठ आदि धार्मिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म में रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 2594

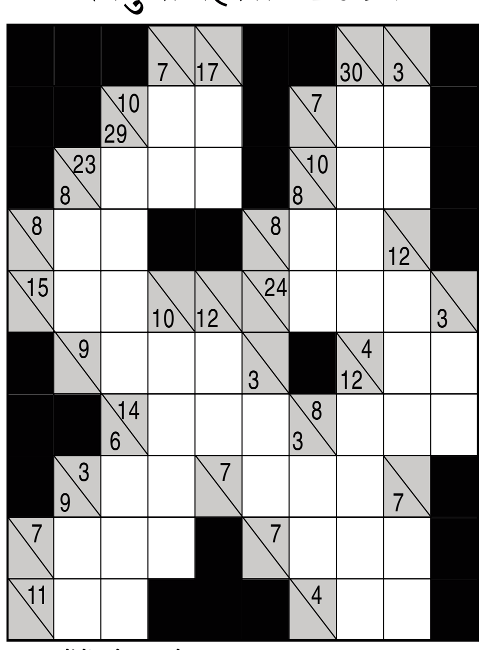

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

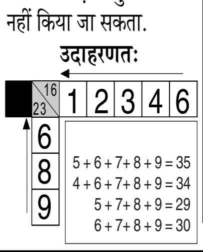

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2593 का हल

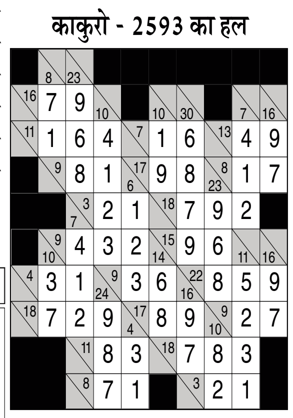

लॉफिंग ज़ोन

संपादक (प्रबंधक से) - अखबार में थोड़ी सी जगह बची है क्या लिखूं?
प्रबंधक - लिख दो, कल चांदनी चौक में डाका पडा, खून हो गया.
संपादक - थोड़ी सी जगह और है.
प्रबंधक - वहां लिख दो - बाद में पता चला यह सब अफवाह थी.

☺ ☺ ☺

वकील (मुजरिम से) - तुमने एक ही दुकान में दोबारा चोरी क्यों की?
मुजरिम - साहब जी, उस दुकान के बाहर लिखा था दोबारा जरूर आएं.

☺ ☺ ☺

मुकेश (ड्राइवर से) - यह टायर पंचर कैसे हुआ?
ड्राइवर - एक कांच की बोतल पर चढ़ गया था.
मुकेश - क्या तुम्हें बोतल दिखाई नहीं दी?
ड्राइवर - जी नहीं, बोतल उस आदमी की जेब में रखी थी जो गाड़ी के नीचे आ गया था!

☺ ☺ ☺

रमेश (नौकर से) - जरा देखना तो कितने बजे हैं?
नौकर - मुझे समय देखना नहीं आता.
रमेश - अच्छा कोई बात नहीं, यह देखकर बताओ कि बडी सुई कहां है और छोटी सुई कहां है?
नौकर - दोनों सुइयां घड़ी में हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 2594

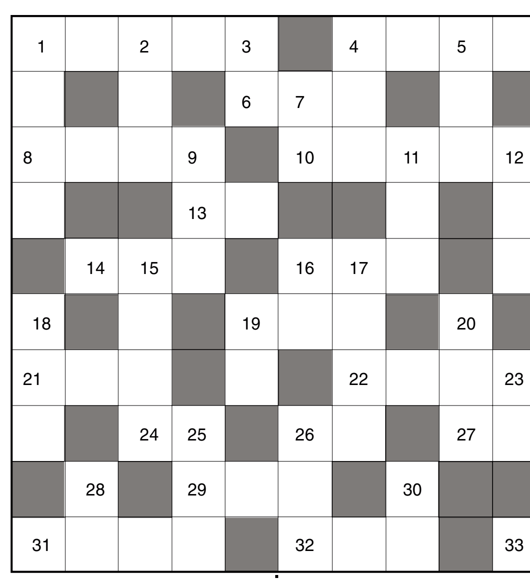

बायें से दायें:-
१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरूख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-
१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरो गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने राही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2593

सूडोकु - 2594

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2593 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 2594

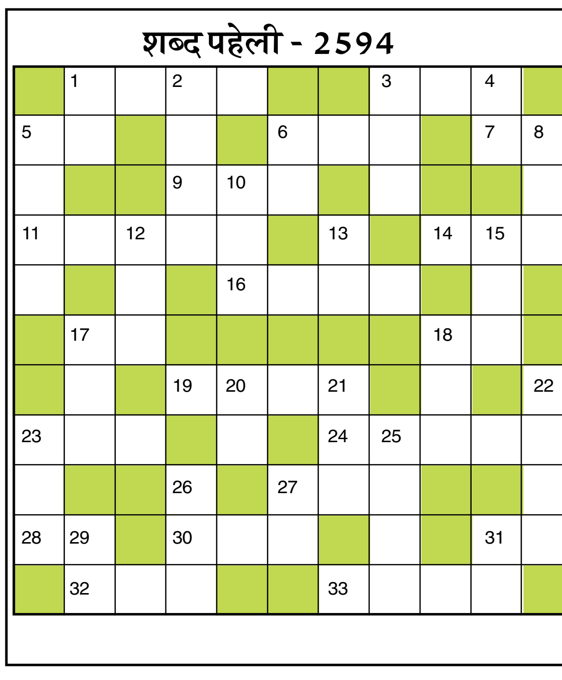

बाएँ से दाएँ
1.मूर्ख,बुद्धिहीन-4
3.रुई की फसल-3
5.वंश,खानदान-2
6.आह,पीड़ा भरी ध्वनि-3
7.जी,इच्छा,चित्त-2
9.पहनना-3
11.दास,नौकर,सेवक-5
14.अग्नि,आग-3
16.चयनित,स्वीकृत-4
17.जाति,संप्रदाय-2
18.उस समय-2
19.आदत,व्यवहार-4
23.माला का मोती-3
24.लालन-पालन-5
27.पूर्णिमा-3
28.वश,अधीन-2
30.खबर देने वाला-3
31.खदान,माइन-2
32.आश्रय,पनाह-3
33.संपत्ति-4

ऊपर से नीचे
1.घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2.धारा के बीच में,अधर में-2,2
3.आफत,आपदा-3
4.एक समान-2
5.गृहपति,चांसलर-4
6.दाना-2
8.प्रतिकृति,प्रतिरूप-3
10.रोकर धनराशि-3
12.प्रेम ,आसक्ति-3
13.नीर,जल-2
15.भाग्य,तकदीर-3
17.जंबुल,जांब-3
18.टेंशन,परेशानी-3
20.काया,बदन-2
21.उष्णता-3
22.नाश होने योग्य-4
23.साम्राज्ञी,रानी-3
25.रमण करने योग्य-4
26.अदा,चोंचला-3
27.पूड़ी,गोलगप्पा-2
29.पिता की बहन-2
31.उर्वरक,गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली -2593 का हल

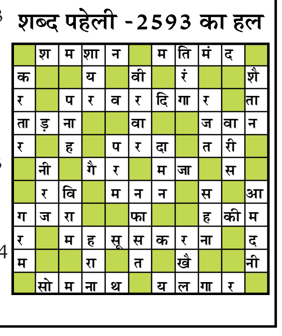

छत्तीसगढ़ में आबकारी और कोयला घोटाला मामले में एसीबी और ईओडब्ल्यू का छापा

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोल और शराब घोटाला में मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की संयुक्त टीम ने आज रविवार को रायपुर और अकलतरा में छापेमारी की है। वहीं, शराब घोटाले मामले में ईओडब्ल्यू की टीम रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में छापा मारा है। जानकारी के मुताबिक, ईओडब्ल्यू की टीम रायपुर के शिव विहार कॉलोनी स्थित अवधेश यादव के घर पहुंची है। अवधेश शराब कारोबार से जुड़ा हुआ है। कारोबारी के 2 ठिकानों पर टीम जांच कर रही है। एसीबी और ईओडब्ल्यू के अधिकारी दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि ईडी की टीम ने 2 दिन पहले भिलाई के हुडको और तालपुरी में राइस मिलर सुधाकर राव के घर पर भी छापेमारी की थी। यहां ईडी की टीम ने दस्तावेज खंगाले।

रांची में आयोजित ईस्ट टेक-2025 के दूसरे दिन झारखंड में रक्षा क्लस्टर और परीक्षण सुविधाएं स्थापित करने पर बल

रांची। रांची में आयोजित ईस्ट टेक-2025 के दूसरे दिन 'आत्मनिर्भरता से सम्प्रभुता' थीम को आगे बढ़ाते हुए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भूमिका को केंद्र में रखा गया। ईस्ट टेक-2025 संगोष्ठी में झारखंड में रक्षा क्लस्टर और परीक्षण सुविधाएं स्थापित करने पर बल दिया गया है, जिसका उद्देश्य भारतीय सेना के साथ राज्य के उद्योगों के सहयोग को बढ़ाना है। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने इस आयोजन की अध्यक्षता की, जहां सेना के अधिकारियों और उद्यमी व एमएसएमई प्रतिनिधियों ने पूर्वी कमान के रक्षा क्षेत्र में झारखंड के बढ़ते अवसरों पर चर्चा की। इस अवसर पर मंत्री संजय सेठ ने प्रत्येक स्टॉल का दौरा किया। मुख्यालय पूर्वी कमान (भारतीय सेना), सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स और भारतीय उद्योग परिसंघ की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में 'झारखंड के एमएसएमई को दोहरी उपयोगिता नवाचार और रक्षा औद्योगीकरण के उत्प्रेरक के रूप में सशक्त बनाना' विषय पर एक विशेष सत्र आयोजित किया गया। सत्र का संचालन एमएसएमई समिति और कार्यकारी परिषद सदस्य, एसआईडीएम के सदस्य अशोक कनोडिया ने किया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में व्यापार के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं और नवाचार की ज़रूरत सबसे अधिक है, जिसकी नींव एमएसएमई की ओर से रखी जाती है।

मध्य प्रदेश के गुलाबों के शहर 'गुना' ने रचा राष्ट्रीय कीर्तिमान

भोपाल। देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में स्कॉच समिट-2025' में मध्य प्रदेश क गुलाबों के शहर गुना को देश के सर्वोच्च नवाचार सम्मान 'स्कॉच पुरस्कार-2025' से अलंकृत किया गया। यह सम्मान गुना जिले के उद्यानिकी विभाग की अभिनव परियोजना ÷गुना-गुलाबों के नगर की ओर बढ़ते कदमः पॉलीहाउस के माध्यम से पुष्प क्रांति÷ को प्रदान किया गया। पुरस्कार गुना जिले के कलेक्टर किशोर कन्याल एवं उद्यानिकी विभाग क उप संचालक केपीएस किरार ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया। भारत में स्कॉच पुरस्कार को राष्ट्रीय उत्कृष्टता का मानदण्ड माना जाता है। यह केवल उन्हीं योजनाओं को प्रदान किया जाता है, जो नवाचार, पारदर्शिता, ईमानदारी तथा श्रेष्ठ कार्यान्वयन के उच्चतम मानकों पर खरी उतरती हैं। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी, विदेश राज्य मंत्री एल. मुरूगन की उपस्थिति में कार्यक्रम हुआ। स्कॉच समूह के अध्यक्ष समीर कोचर ने पुरस्कार प्रदान किये। केंद्रीय राज्यमंत्री एल. मुरूगन ने कोचर की पुस्तक 'मोदीनॉमिक्स : समावेशी विकास की यात्रा' का विमोचन किया। मप्र के उद्यानकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा ने गुना जिले में गुलाब की खेती को देश के प्रतिष्ठित स्कॉच अवार्ड मिलने पर जिले के गुलाब उत्पादक किसानों, जिला कलेक्टर, उद्यानकी विभाग के अधिकारी और जिला प्रशासन को बधाई दी है। उन्होंने कहा की सभी के समन्वित प्रयास का परिणाम है गुना जिले को स्कॉच अवार्ड का सम्मान प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अन्य जिलों में भी गुलाब एवं अन्य फूलों के उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाएगा।

नांगलोई में ट्रेन से कटकर दो स्कूली छात्राओं की मौत

नई दिल्ली। नांगलोई नगर निगम स्कूल से घर लौट रही दो स्कूली छात्राओं की प्रेमनगर के पास ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। दोनों नांगलोई स्टेशन के नजदीक रेलवे लाइन के पास से पैदल अपने घर आ रही थीं। छात्राओं की पहचान आठ वर्षीय शाहिस्ता प्रवीण और सात साल की रौनक खातून के रूप में हुई। दोनों प्रेमनगर की रहने वाली थीं। छात्राओं की मौत के बाद स्थानीय लोगों ने हंगामा किया, बाद में पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर घर भेजा। पुलिस सूत्रों की मानें तो पिछले महीने ही रेलवे ने दीवार खड़ी कर क्षेत्र के लोगों की आवाजाही बंद कर दी थी। इसके बाद से लोग वैकल्पिक मार्ग और एफओबी बनाए जाने की मांग कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर शासन-प्रशासन ने सुरक्षित मार्ग दिया होता तो दोनों बच्चों की जान बच सकती थी। रेलवे पुलिस ने दोनों छात्राओं के शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिए हैं। लगभग छह-सात साल पहले भी दो बच्चे स्कूल से घर लौटते समय ट्रेन की चपेट में आकर जान गंवा चुके हैं।

पहला सुख निरोगी काया, फिट रहें, नशे से बचें : डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल। तन और मन की शुचिता के साथ इनका स्वस्थ रहना भी हम सबके लिए बेहद जरूरी है। मनुष्य को पहला सुख निरोगी काया से ही मिलता है। इसलिए हमेशा फिजिकली फिट रहने की कोशिश करें और किसी भी प्रकार के नशे के सेवन से बचें। उक?त बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार की सुबह अटल पथ पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के सभी नागरिकों विशेषत- युवाओं से अपील करते हुए कही। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्र सरकार द्वारा संचालित फिट इंडिया मूवमेंट और नशामुक्त भारत अभियान के संकल्प पूर्ति एवं जन-जागरूकता के लिए आयोजित नमो युवा रन (मैराथन दौड़) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि पूरे देश में 17 सितम्बर से दो अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। इस पखवाड़े के दौरान नमो युवा रन का आयोजन हम सबको देश की सेवा के लिए आगे आने की प्रेरणा देता है।मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कार्यक्रम में नमो युवा रन के मोमेंटों

(लोगो) का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री एवं अन्य अतिथियों ने स्वयं स्पोर्ट्स ट्रेक सूट में मैराथन दौड़ में शिरकत कर हजारों की संख्या में नमो युवा रन में शामिल प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं और उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर युवाओं को उत्साह से भरते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। हम सदैव अपनी सोच में, अपने विचारों में, अपने मूल्यों में 'देश सबसे पहले' की भावना रखें। हमेशा स्वदेशी वस्तुओं का ही उपयोग करें, तभी हमारा राष्ट्र पूरी दुनिया का सिरमौर बनेगा। प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में भारत ने विश्व पटल पर एक अलग प्रतिष्ठा स्थापित की है। मध्यप्रदेश ने भी प्रधानमंत्री श्री मोदी की सोच और उनके विजन से कदम से कदम मिलाते हुए देश-दुनिया में अपनी अलग जगह और नई पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश ने खेलों के मामले में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त की है। देश के साथ मध्यप्रदेश का भी खेल स्पर्धाओं में प्रदर्शन दिनों-दिन सुधर रहा है। राज्य के हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर, ऑलिम्पिक में पदक विजेता टीम के सदस्य रहे। यह हमें खेल के क्षेत्र में और बेहतर करने के लिए प्रेरित करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं से आह्वान किया कि यह संकल्प लें कि हम खुद को फिट रखेंगे, नशे से दूर रहेंगे और अपने-अपने काम और कर्तव्यों में भी हमेशा अव्वल रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट और नशामुक्त भारत अभियान के संबंध में एक वीडियो संदेश प्रसारित किया गया।

न्यायमूर्ति पी.बी. बजनथ्री नियुक्त किये गये पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

एजेंसी

पटना। पटना उच्च न्यायालय को स्थायी मुख्य न्यायाधीश मिल गया हैं। केंद्र सरकार ने उच्चत्तम न्यायालय कालेजियम की अनुशंसा को मंजूरी देते हुए न्यायाधीश पी.बी. बजनथ्री को पटना उच्च न्यायालय का नियमित मुख्य न्यायाधीश नियुक्त कर दिया है। वे 27 अगस्त 2025 से कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश के रूप में दायित्व संभाल रहे थे। इस नियुक्ति के बाद बजनथ्री पूर्णकालिक मुख्य न्यायाधीश के रूप में पटना उच्च न्यायालय के न्यायिक प्रशासन का नेतृत्व करेंगे। उल्लेखनीय है कि तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बिपुल एम. पंचोली के उच्चतम न्यायालय में पदोन्नत होने के बाद यह पद रिक्त हो गया था। इसके बाद से ही जस्टिस बजनथ्री कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश के तौर पर जिम्मेदारी निभा रहे थे। जस्टिस पी.बी. बजनथ्री का जन्म 23 अक्टूबर 1963 को कर्नाटक में हुआ। उन्होंने बेंगलुरु के एसजेआरसी लॉ कॉलेज से कानून की पढ़ाई की और 1990 में कर्नाटक उच्च न्यायालय में वकालत शुरू की। वर्ष 1993-94 में वे स्टैंडिंग काउंसल रहे और 2006 में केंद्र सरकार ने उन्हें नोटरी नियुक्त किया। 2 जनवरी 2015 को उन्हें कर्नाटक उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश बनाया गया। इसके बाद 16 मार्च 2015 को उनका तबादला पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय में हुआ। वर्ष 2018 में वे पुनः कर्नाटक उच्च न्यायालय के जज बने। 20 अक्टूबर 2021 को उनका स्थानांतरण पटना उच्च न्यायालय में किया गया। तब से वे यहां न्यायिक कार्यों में सक्रिय हैं।

राजस्थान की जयपुर सेंट्रल जेल से दो चोर कैदी फरार, पानी के पाइप से कूदी 27 फीट दीवार

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर की हाई-सिक्योरिटी सेंट्रल जेल से शनिवार अल सुबह साढ़े तीन बजे दो कैदियों के फरार होने से जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। दोनों ने बाथरूम की खिड़की से लोहे की सलाखें हटाकर पानी के रबर पाइप की मदद से 27 फीट ऊंची दीवार फांदकर भाग निकले। सुबह गिनती के दौरान मामले का खुलासा हुआ। जेल अधिकारियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और उच्चस्तरीय जांच के आदेश जारी कर दिए। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जेल (एडीजी) रुपिंदर सिंह ने बताया कि जयपुर सेंट्रल जेल से 28 वर्षीय बंदी अनस कुमार और 32 वर्षीय नवलकिशोर महावर फरार हुए हैं। बंदी अनस यूपी के तालावाली बगिया फिरोजाबाद का रहने वाला है और नवल किशोर महावर इब्राहिमपुर थाना नई मंडी हिंडौन सिटी करौली का रहने वाला है। दोनों बंदी जेल के बाथरूम से निकलकर दीवार पर चढ़कर फरार हुए हैं। पुलिस को भी मौके पर बुलाया गया है। पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है, जिसकी भी लापरवाही पाई जाएगी, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। दीवार पर पानी का पाइप लटका हुआ है। आशंका जताई जा रही है कि पानी के पाइप के सहारे कूद कर फरार हुए हैं। दोनों बंदी इसी सप्ताह जेल में आए थे। बंदी अनस सांगानेर से चोरी के मामले में 15 सितंबर को जेल में पहुंचा था, जबकि बंदी नवल किशोर मालपुरा से चोरी के मामले में 17 सितंबर को जयपुर सेंट्रल जेल पहुंचा था और दोनों ही 13 नंबर बैरक में बंद थे। इधर पुलिस महानिदेशक जेल (डीजी) गोविंद गुप्ता ने पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) जेल विक्रम सिंह को उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। पूरे घटनाक्रम में जिस भी अधिकारी और कर्मचारियों की लापरवाही रही है। उस पर जल्द गाज गिर

सकती है। जेल विभाग के आला अधिकारी पूरे मामले की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। वहीं पुलिस की टीम में दोनों बंदियों की तलाश में जुट गई है। इसके अलावा जयपुर शहर के सभी एंट्री और एग्जिट प्वाइंट्स पर पुलिस की कड़ी नाकाबंदी कर दी गई । पुलिस ने लोगों से भी अपील की है कि अगर उन्हें अनस और नवल किशोर के बारे में कोई भी जानकारी मिलती है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। इस घटना के बाद से जेल की सुरक्षा की समीक्षा की जा रही है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। वहीं हाई-सिक्योरिटी वाली जेल से इस तरह कैदियों का भाग जाना प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती है।

कानून-व्यवस्था के प्रभावी अमल से देश महाशक्ति की ओर बढ़ सकता है : देवेंद्र फडणवीस

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई में कहा कि कानून-व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन से देश महाशक्ति की ओर बढ़ सकता है। कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए नशीले पदार्थों से संबंधित अपराध पुलिस बल के लिए एक चुनौती हैं और इसके लिए राज्य ने शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलते समय के अनुरूप साइबर क्षेत्र में अपराधों को सुलझाने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग आवश्यक है। मुख्यमंत्री फडणवीस आज भारतीय पुलिस फाउंडेशन के 10वें स्थापना दिवस के अवसर पर कोलाबा स्थित पुलिस मुख्यालय में आयोजित भारत के आर्थिक विकास के लिए पुलिस बल की पुनर्कल्पना विषय पर चर्चा सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्हें गर्व है कि महाराष्ट्र पुलिस और मुंबई पुलिस ने हमेशा उच्च मानदंड बनाए रखे हैं। यह सराहनीय बात है कि पुलिस आज भारत के आर्थिक विकास पर चर्चा कर रही है और आज के कार्यक्रम में आयोजित विचार-मंथन सत्र पुलिस बल में और अधिक सकारात्मक बदलाव लाने के लिए महत्वपूर्ण होंगे।मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस बल के साथ-साथ समाज में भी एकता

होनी चाहिए। इससे समाज में नकारात्मकता कम होगी और राज्य और देश सतत प्रगति की ओर बढ़ सकेंगे। समय के साथ अपराधों का स्वरूप बदला है और पुराने समय के सतत मूल्यों के साथ-साथ नई तकनीक का उपयोग किया जाए तो प्रगति संभव है। अन्य देशों ने भी हमारे राज्य जैसी प्रयोगशाला स्थापित करने की मांग की है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से जटिल आपराधिक मामलों का तेज़ी से निपटारा हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश की तीनों सेनाएँ और राज्य का पुलिस बल तथा एजेंसियां सक्षम होने के कारण नशे के ज़रिए अपराध बढ़ रहे हैं और इनमें फंसे युवाओं को निष्क्रिय बना रही हैं। आज, नशे से जुड़े अपराध पुलिस बल के सामने एक चुनौती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इसमें जीरो टॉलरेंस ज़रूरी है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के सामाजिक न्याय राज्य मंत्री असीम अरुण, भारतीय पुलिस फाउंडेशन के प्रमुख और मेघालय के पूर्व राज्यपाल आर.एस. इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. मसारी, उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक ओ.पी. सिंह, राज्य पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती और विभिन्न राज्यों के पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

जुबीन गर्ग के मौत की जांच करेगी असम सरकार : सरमा

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने घोषणा की कि राज्य सरकार प्रसिद्ध गायक जुबीन गर्ग की असामयिक मृत्यु की परिस्थितियों की औपचारिक जांच करेगी। इस मामले पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यकर्ता श्यामकानु महंत और जुबीन के लंबे समय से प्रबंधक रहे सिद्धार्थ सरमा भी जांच के दायरे में आएंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस दुखद क्षति के पीछे की सच्चाई का पता लगाने के लिए सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित गायक का सिंगापुर में पोस्टमार्टम पूरा हो चुका है और उनका पार्थिव शरीर भारतीय उच्चायोग को सौंप दिया गया है। उनका पार्थिव शरीर रविवार सुबह 6-7 बजे के बीच गुवाहाटी पहुंचेगा। हालांकि यह आज रात पहले दिल्ली पहुंच सकता है, लेकिन परिवहन की औपचारिक व्यवस्था पूरी होने तक पार्थिव शरीर परिवार के पास ही रहेगा।गुवाहाटी पहुंचने पर, जुबीन गर्ग का पार्थिव शरीर सबसे पहले काहिलीपारा स्थित उनके आवास पर

ले जाया जाएगा, ताकि उनके परिवार को शोक मनाने के लिए निजी समय मिल सके। इसके बाद, पार्थिव शरीर को सरुसजाई ले जाया जाएगा, जहां जनता के लिए अंतिम दर्शन की व्यवस्था की जा रही है। सरुसजाई हेलीपैड से होकर भी कार्यक्रम स्थल तक पहुंच सुगम होगा।

ुख्यमंत्री सरमा ने प्रशंसकों एवं नागरिकों से आग्रह किया कि वे इस दौरान सहयोग करें और सार्वजनिक श्रद्धांजलि शुरू होने से पहले परिवार को निजी तौर पर शोक व्यक्त करने का अवसर दें। उन्होंने कहा, पूरा राज्य जुबीन गर्ग को श्रद्धांजलि देना चाहता है, लेकिन उनका परिवार उनके साथ मौन और गरिमापूर्ण जीवन के शुरुआती पल बिताने का हकदार है। अधिकारियों ने यह भी घोषणा की है कि शांतिपूर्ण वातावरण सुनिश्चित करने के लिए जुबीन गर्ग के अंतिम संस्कार के दिन राष्ट्रीय राजमार्गों पर सभी प्रकार के यातायात को निलंबित कर दिया जाएगा और सार्वजनिक गतिविधियां बंद रहेंगी। असम सरकार, गायक के परिवार, सांस्कृतिक निकायों और स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय में, राज्यव्यापी विदाई की तैयारियों की देखरेख कर रही है। असमिया संगीत और संस्कृति में उनके अद्वितीय योगदान के साथ, जुबीन गर्ग के जाने से एक खालीपन पैदा हो गया है जिसे असम और उसके बाहर के नागरिक भावभीनी श्रद्धांजलि के साथ भरने की तैयारी कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने वायनाड में दोहराया वोट चोरी का आरोप, जल्द खुलासे का दावा

एजेंसी

वायनाड। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि उनके पास वोट चोरी के सबूत हैं, जिन्हें वे जल्द सार्वजनिक करेंगे। राहुल गांधी आज कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के साथ वायनाड में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ओमान चांडी की स्मृति में बने सभागार के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। यहां उन्होंने कहा कि पिछली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस ने वोटर लिस्ट में धांधली के उदाहरण पेश किए थे, जिनमें महादेवपुरा और आलंद मे वोट जोड़ने और काटे जाने की बात थी। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा कि आलंद विधानसभा क्षेत्र में 6 हजार वोटरों के नाम गलत तरीके से काटने की कोशिश का मामला सीआईडी जांच के दायरे में है, जो सीईसी की भूमिका पर सवाल उठाता है। उन्होंने कहा कि ओमान चांडी सत्ता में रहते हुए भी जनता से जुड़े और विनम्र रहे, जबकि आज कई राष्ट्रीय नेता सत्ता हासिल करते घमंड में आ जाते हैं।उन्होंने केरल की लोकतांत्रिक व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि पंचायतें यहां की राजनीति की नींव हैं और यह देश के लिए आदर्श उदाहरण है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि वायनाड मे बाढ़ और कटाव जैसी समस्याओं के कारण क्षेत्र अलग-थलग पड़ जाता है। कांग्रेस कार्यकर्ता यहां आश्रय स्थल बनाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने आदिवासी समुदायों के सामने स्वास्थ्य, संपर्क और शिक्षा की चुनौतियों का जिक्र किया, साथ ही धान और कॉफी किसानों की समस्याओं का भी उल्लेख किया।

मप्र के छतरपुर में कर्ज से परेशान परिवार के चार लोगों ने खाया जहर, पिता-बेटे की मौत

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में ओरछा थाना क्षेत्र अंतर्गत देरी गांव में रात कर्ज से परेशान एक परिवार के चार लोगों ने जहर खा लिया। इनमें से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक पिता-पुत्र हैं। वहीं दो लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच में जुटी है। ग्राम देरी निवासी किसान ओमप्रकाश अहिरवार (35) ने खेती के लिए ट्रैक्टर कर्ज पर लिया था। लगातार फसल खराब होने के कारण वे किश्त नहीं चुका पाए। दो दिन पहले ट्रैक्टर कंपनी के कर्मचारी घर पहुंचे और 30-40 हजार रुपये की किश्त जमा करने का दबाव बनाया। किश्त नहीं चुकाने पर ट्रैक्टर ले जाने की धमकी दी गई थी। बताया जा रहा है कि शुक्रवार की रात ओमप्रकाश के परिवार ने भोजन किया, जिसके बाद जिससे उनकी तबीयत बिगड़ गई। वे लोग रात में अस्पताल नहीं जा पाए। शनिवार सुबह के समय घर के दरवाजे देर तक नहीं खुले तो ग्रामीणों ने उनके गेट खुलवाए, तब पता चला कि उन्होंने कुछ जहरीला पदार्थ खा लिया है। ग्रामीण चारों को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने ओमप्रकाश और

उनके दो वर्षीय छोटे बेटे निहाल को मृत घोषित कर दिया। वहीं, उनकी पत्नीनंदिनी (29) और बड़े बेटे तनिष्क का जिला अस्पताल में इलाज जारी है।

जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. आशीष शुक्ला ने बताया कि परिवार ने रात में आलू की सब्जी खाई थी। इसके बाद सभी को उल्टियां होने लगीं। महिला की हालत फिलहाल स्थिर है, जबकि बच्चे की स्थिति नाजुक बनी हुई है। वहीं, सीएसपी अरुण कुमार सोनी ने बताया कि पुलिस मामले को लेकर जांच पड़ताल कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इधर, ग्रामीणों ने बताया कि एक दिन पहले लोन का बकाया जमा करने के लिए लोन देने वाली कंपनी के लोग आए थे और जमीन की कुर्की कराने की बात कह गए थे। अब घटना के पीछे की हकीकत क्या है, इसकी जानकारी परिवार के दो लोगों के होश में आने के बाद ही चल सकेगा।

सप्त शक्ति कमान का राजस्थान में महा-अभ्यास, 'अमोघ फ्यूरी'

जयपुर। राजस्थान के थार मरुस्थल स्थित महाजन फील्ड फायरिंग रेंज (एमएफएफआर) में सप्त शक्ति कमान ने 'अमोघ फ्यूरी' नामक इंटीग्रेटेड फायर पावर एक्सरसाइज का सफल आयोजन किया। इस उच्च तीव्रता वाले फायर पावर एक्सरसाइज में विभिन्न फायरिंग प्लेटफार्मों के बीच बेहतरीन समन्वय और तालमेल प्रदर्शित किया गया। भारतीय सेना ने बहु-क्षेत्रीय युद्ध परिदृश्य में अपनी तत्परता दिखाते हुए सैनिकों की त्वरित तैनाती, आक्रामक जमीनी कार्रवाइयों और संयुक्त युद्धक अभियानों का प्रदर्शन किया। जन संपर्क अधिकारी (रक्षा) जयपुर (राजस्थान) ले. कर्नल निखिल धवन के अनुसार 'अमोघ फ्यूरी' का उद्देश्य वास्तविक युद्ध परिस्थितियों में सेना की युद्ध क्षमता, समन्वय और परिचालन तैयारियों का परीक्षण करना था। इसमें युद्धक टैंक, इन्फैंट्री कॉम्बैट वाहन, आक्रमणकारी हेलीकॉप्टर, लंबी दूरी की क्षमता वाले आर्टिलरी सिस्टम्स, ड्रोन्स तथा सहित अत्याधुनिक हथियार प्रणालियाँ शामिल रहीं।

अनेक चुनौतियों के बावजूद हमारा भारत अखंड, एकजुट और मजबूत : मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई

एजेंसी

बीकानेर। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने शनिवार को बीकानेर में कहा कि आज हमारे पड़ोसी देश घोर अस्थिरता के दौर से गुजर रहे हैं, लेकिन कई आंतरिक और बाह्य चुनौतियों के बावजूद हमारा भारत अखंड, एकजुट और मजबूत है। इसका श्रेय हमारे संविधान तथा संविधान निर्माताओं को जाता है, जिसमें बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण रही है। सीजेआई गवई महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में आयोजित 'संविधान निर्माण के 75 वर्ष और बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका' विषयक सेमिनार को संबोधित कर रहे थे।

मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा कि देश का संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। इसे लागू हुए हाल ही में 75 वर्ष पूर्ण हुए हैं और हम संविधान का अमृत महोत्सव आयोजित कर रहे हैं। यह संविधान बनाने में बाबा साहेब की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण थी। उनके योगदान को इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के संविधान ने 'वन पर्सन,

वन वोट, वन वेल्यू' का अधिकार दिया। वे सामाजिक और आर्थिक समानता के पक्षधर थे। गवई ने कहा कि भारत का संविधान युद्ध और शांतिकाल में देश को एक सूत्र में बांधने वाला है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि 75 वर्ष का समय लम्बा नहीं होता, लेकिन फिर भी इस दौर में हमारे देश ने बहुत प्रगति की है। हमारी विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका ने बेहतर कार्य करते हुए राष्ट्र को और सशक्त किया है। आज देश के वंचित वर्ग के लोग आगे आए हैं। देश के सर्वोच्च पदों पर इस तबके के लोग और महिलाओं को बैठने का मौका हमारे संविधान ने दिया है। देश के हर कौने में सड़क, पानी, बिजली और शिक्षा जैसे सुविधाएं पहुंची हैं। मुख्य न्यायाधीश गवई ने मां अमृता देवी के पर्यावरण संरक्षण के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि मां अमृता देवी ने सदियों पूर्व पर्यावरण संरक्षण की चेतना जगाई। आज उनके सिद्धांत सर्वाधिक प्रासंगिक हैं। हमें इन्हें समझना और इनका अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिश्नोई समाज आज भी उनके आदर्शों का अनुसरण कर रहा है। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि अमेरिका में महिलाओं को मतदान का अधिकार पाने में 144 साल लगे। ब्रिटेन ने सौ साल के लंबे संघर्ष के बाद दो चरणों में मतदान का अधिकार पाया, लेकिन बाबा साहेब के संविधान ने महिलाओं और पुरुषों को मतदान का समान अधिकार दिया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब प्रत्येक विषय के जानकार थे। उन्होंने देश को समानता का अधिकार दिया। बाबा साहेब का मानना था कि समानता रहेगी तो स्वतंत्रता अपने आप सुरक्षित होगी। उन्होंने संविधान निर्मात्री सभा में सदस्य रहे बीकानेर के स्व. श्री जसवंत सिंह दाऊदसर के योगदान का स्मरण भी किया।

गुजरात में दो नए राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं से पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा : गडकरी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के भावनगर में 34200 करोड रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं गुजरात के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ पर्यटन और आर्थिक विकास को गति देंगी।केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि प्रधानमंत्री ने जिन परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, उनमें दो महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं शामिल हैं, जो स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, सरदार सरोवर बांध, जंबुघोडा वन्यजीव अभयारण्य, रतनमहल स्लॉथ बेयर अभयारण्य, शूलपनेश्वर वन्यजीव अभयारण्य और पूर्णा वन्यजीव अभयारण्य जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक बेहतर पहुंच प्रदान करेंगी। नितिन गडकरी ने अपने एक्स पोस्ट में जानकारी दी कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय राजमार्ग-56 के दो प्रमुख खंडों की आधारशिला रखी। पहली परियोजना छोटा उदयपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग-56 के जाबुगाम-धमासिया खंड का 38.3 किलोमीटर लंबा चार-लेनिंग है, जबकि दूसरी परियाजना भरुच में राष्ट्रीय राजमार्ग-56 के बिटाडा/मोवी-नसरपुर खंड का 29.1 किलोमीटर लंबा चार-लेनिंग है। ये परियोजनाएं छोटा उदयपुर, नर्मदा, भरुच, सूरत और तापी जिलों में सडक संपर्क को बेहतर बनाएंगी। उन्होंने बताया कि ये राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं न केवल परिवहन को सुगम बनाएंगी, बल्कि पर्यटन और आध्यात्मिक स्थलों तक पहुंच को भी आसान करेंगी। उनाई माता मंदिर जैसे तीर्थस्थलों तक यात्रा सरल होगी, जिससे धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इन सडकों से गुजरात के प्रमुख पर्यावरण-पर्यटन स्थलों तक कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिससे पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। गडकरी ने कहा कि ये परियोजनाएं विशेष रूप से दक्षिण गुजरात के आदिवासी-बहुल क्षेत्रों में रोजगार सृजन को बढावा देंगी और सतत आर्थिक विकास को गति प्रदान करेंगी। नर्मदा जैसे आकांक्षी जिले में कनेक्टिविटी में सुधार से स्थानीय समुदायों को नए अवसर प्राप्त होंगे।

दिल्ली के पूर्व क्रिकेटर मिथुन मन्हास बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के लिए तैयार

मुंबई (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व कप्तान मिथुन मन्हास अगले BCCI अध्यक्ष बनने के लिए तैयार हैं। BCCI के विभिन्न पदों के लिए नामांकन दाखिल करने की समय सीमा समाप्त होने से एक दिन पहले, शनिवार तक, मन्हास अध्यक्ष पद की दौड़ में एकमात्र नाम थे, जो इस साल अगस्त में पूर्व भारतीय ऑलराउंडर रोजर बिन्नी के पद छोड़ने के बाद से खाली है। BCCI उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला तब से अंतरिम रूप से इस पद पर कार्यरत थे।

BCCI पदाधिकारियों में एक और क्रिकेटर के शामिल होने की संभावना है, कर्नाटक और भारत के पूर्व स्पिनर रघुराम भट कोषाध्यक्ष का पदभार संभालेंगे। भट वर्तमान में कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के अध्यक्ष हैं। मन्हास, जो अक्टूबर में 46 वर्ष के हो जाएंगे, जम्मू और कश्मीर क्रिकेट संघ के संचालन के लिए BCCI द्वारा नियुक्त उप-समिति का हिस्सा हैं।

जम्मू में जन्मे मन्हास 2015 में दिल्ली से जम्मू और कश्मीर चले गए थे और उसके अगले वर्ष सेवानिवृत्त हो गए। तब से उन्होंने विभिन्न टीमों के साथ कोच के रूप में काम किया है, जिसमें बांग्लादेश पुरुष अंडर-19 टीम के बल्लेबाजी सलाहकार के साथ-साथ आईपीएल टीमों किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स), रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटन्स के लिए भी काम किया है। भारतीय घरेलू क्रिकेट के दिग्गज मन्हास ने 1997-98 से 2016-17 तक 157 प्रथम श्रेणी मैच खेले, जहां उन्होंने 9714 रन बनाए; 130 लिस्ट ए मैचों में 4126 रन बनाए; और 91 टी20 मैचों में 1170 रन बनाए।

मन्हास का नाम शनिवार को दिल्ली में हुई एक अनौपचारिक बैठक में सामने आया, जिसमें BCCI के कुछ प्रमुख पूर्व और वर्तमान सदस्य शामिल हुए, जिनमें वर्तमान ICC अध्यक्ष जय शाह, शुक्ला, BCCI सचिव देवजीत सैकिया, दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष रोहन जेटली और पूर्व बोर्ड सचिव निरंजन शाह शामिल थे। विभिन्न पदाधिकारियों के लिए चुनाव 28 सितंबर को मुंबई में होने वाली बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक में होने वाले हैं। हालांकि, रविवार के अंत तक नए नामांकन दाखिल नहीं किए जाते, तो दिल्ली बैठक में चर्चा किए गए नामों के अंतिम होने की उम्मीद है।

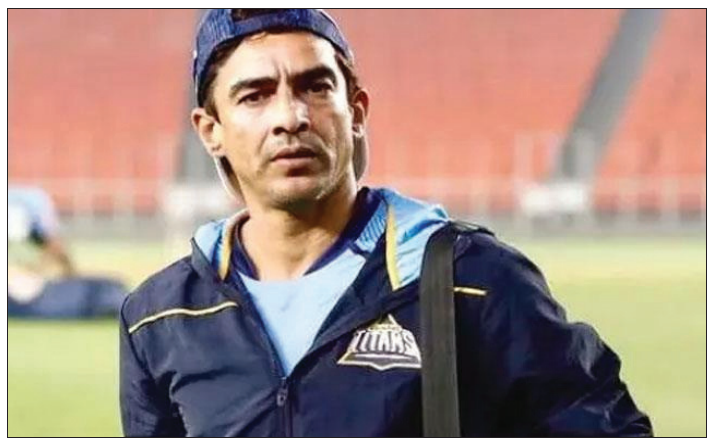

माना जा रहा है कि सैकिया, जिन्होंने इसी जनवरी में जय की जगह BCCI सचिव का पद संभाला था, इस पद पर बने रहेंगे, जबकि शुक्ला भी उपाध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ के प्रभतेज भाटिया, जिन्हें जनवरी में कोषाध्यक्ष चुना गया था, गोवा क्रिकेट संघ के पूर्व सचिव रोहन देसाई की जगह संयुक्त सचिव का पद संभालेंगे। सौराष्ट्र के पूर्व कप्तान जयदेव शाह को BCCI की शीर्ष परिषद में शामिल किए जाने की संभावना है और वह मिजोरम के खैरुल जमाल मजूमदार की जगह लेंगे, जिनके आईपीएल गवर्निंग काउंसिल में शामिल होने की संभावना है।

सुपर-4 में हार के बावजूद श्रीलंका कप्तान ने की टीम की सराहना, कहा- ड्रेसिंग रूम इस बात से खुश

स्पोर्ट्स डेस्क। श्रीलंका के कप्तान चरित असलांका ने दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में एशिया कप 2025 के सुपर 4 के अपने पहले मैच में बांग्लादेश से चार विकेट से मिली हार के बावजूद अपनी टीम के प्रदर्शन की जमकर तारीफ की। श्रीलंका ने ग्रुप चरण में अफगानिस्तान के कड़े मुकाबले में जीत हासिल कर सुपर 4 में अपनी जगह पक्की की थी। बांग्लादेश के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने दासुन शनाका की दमदार पारी की बदौलत 20 ओवरों में 168 रन बनाए। मैच के बाद बोलते हुए असलांका ने स्वीकार किया कि टीम ने अच्छा संघर्ष दिखाया लेकिन वे अपनी पारी को और बेहतर तरीके से समाप्त कर सकते थे। असलांका ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'यह एक शानदार मैच था। हमने अंत तक संयम बनाए रखा लेकिन यह काफी नहीं था। अपनी बल्लेबाजी से थोड़ा खुश हूं, हम आखिरी 2 ओवरों में बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे। हम 10-15 रन कम बना पाए। दासुन शनाका ने पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए वाकई अच्छी बल्लेबाजी की। उन्होंने एक लंबा छक्का लगाया और ड्रेसिंग रूम लगभग 170 के स्कोर से खुश था।'

श्रीलंका बनाम बांग्लादेश मैच रिपोर्ट

सैफ हसन और तौहीद हृदयॉय के शानदार अर्धशतकों और अपने गेंदबाजों के धारदार गेंदबाजी की बदौलत बांग्लादेश ने एशिया कप सुपर-4 मैच में श्रीलंका को चार विकेट से हरा दिया। श्रीलंका ने दासुन शनाका के 37 गेंदों में 64 रनों की बदौलत सात विकेट पर 168 रन बनाए, लेकिन बांग्लादेश ने सैफ (45 गेंदों में 61 रन) और हृदयॉय (37 गेंदों में 58 रन) की शानदार पारियों की बदौलत 19.5 ओवर में 6 विकेट पर 169 रन बनाकर मैच जीत लिया।

वैभव सूर्यवंशी ने फिर दिखाई अपनी पावर-हिटिंग, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगाए चौके-छक्के

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ पहले यूथ वनडे में भारत के 225 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 14 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी पावर-हिटिंग दिखाते हुए सहजता से चौके जड़ने का जलवा दिखाया। ओपनिंग करने उतरे सूर्यवंशी ने शुरुआत से ही ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण पर हमला बोला औरचौके जड़े। उन्होंने सिर्फ 22 गेंदों पर 7 चौकों और एक गगनचुंबी छक्के की मदद से 38 रनों की पारी खेली। इस किशोर खिलाड़ी ने हेडन शिलर और चार्ल्स लैचमंड का डटकर सामना किया, जो शुरुआती ओवरों में दबाव में थे।

भारत को जीत के लिए 225 रनों की जरूरत थी, और सूर्यवंशी और कप्तान आयुष म्हात्रे ने शानदार शुरुआत दिलाई। सूर्यवंशी के आउट होने के बाद म्हात्रे (6) और विहान मल्होत्रा (9) सस्ते में आउट हो गए, यानी भारत ने 100 रन का आंकड़ा पार करने से पहले ही 3 विकेट गंवा दिए। ऑस्ट्रेलिया की पारी जॉन जेम्स की नाबाद 77 रनों की पारी के दम पर आगे बढ़ी, जिन्होंने शुरुआती विकेट गिरने के बाद निचले क्रम को संभाले रखा। हेनिल पटेल (3/38) और किशन कुमार (2/59) ने भारत की ओर से गेंदबाजी का नेतृत्व किया जबकि कनिष्क चौहान ने भी दो विकेट लिए।

मेजबान टीम 50 ओवर में 9 विकेट पर 225 रन ही बना सकी। सूर्यवंशी गेंदबाजों पर हावी होने की अपनी क्षमता से एक बार फिर मुकाबले में आकर्षण का केंद्र बन गए। उनकी पारी के वायरल वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गए और प्रशंसक क्रीज पर इस युवा खिलाड़ी के कौशल का जश्न मना रहे थे। भारत का लक्ष्य अब मध्य क्रम के बल्लेबाज़ों पर है, लेकिन शुरुआती बढ़त सूर्यवंशी के नाम रही।

यशस्वी जायसवाल ने एशिया कप स्क्वॉड से नजरअंदाज किए जाने पर तोड़ी चुप्पी

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम का एशिया कप 2025 में प्रदर्शन शानदार रहा है। टीम ने लीग स्टेज के सभी मुकाबले जीतकर सुपर-4 में प्रवेश किया है, जहां उसका पहला मुकाबला पड़ोसी देश पाकिस्तान से होगा। भारतीय स्क्वॉड में अधिकांश खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन कुछ खिलाड़ियों को मेन स्क्वॉड में जगह नहीं मिली, जिनमें यशस्वी जायसवाल का नाम भी शामिल है। इस बीच, जायसवाल ने एशिया कप स्क्वॉड से नजरअंदाज किए जाने पर अपनी चुप्पी तोड़ी और कहा कि खिलाड़ियों का चयन चयनकर्ताओं के हाथ में होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह सिर्फ अपनी कड़ी मेहनत और प्रदर्शन पर ध्यान दे रहे हैं।

यशस्वी ने टेस्ट और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन टी20 जैसे छोटे प्रारूप में भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए उन्हें अभी भी संघर्ष करना पड़ रहा है। एशिया कप के लिए टीम चयन के समय यशस्वी का नाम शामिल न होने से कई सवाल उठे थे। गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने और विराट कोहली तथा रोहित शर्मा के वरिष्ठ खिलाड़ियों के जाने के बाद टीम के ऊपरी क्रम में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने जिम्मेदारी संभाली। इसके अलावा, उपकप्तान के रूप में शुभमन गिल की एंट्री के बाद जायसवाल को भारतीय टीम में आने के लिए और लंबा इंतजार करना पड़ सकता है।

यशस्वी ने कहा, ये सब चयनकर्ताओं के हाथ में होता है। वे इसे टीम संयोजन के नजरिए से देखते हैं। मैं मेहनत जारी रखूंगा और मुझे पता है मेरा समय आएगा। तब तक, मैं खुद पर काम करता रहूंगा और बेहतर करता रहूंगा। 23 टी20 मैचों में यशस्वी ने 723 रन बनाए हैं, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 164.31 का रहा। इस दौरान उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक लगाए हैं। उनकी बल्लेबाजी की निरंतरता भारतीय टीम के लिए भविष्य में बड़ी ताकत साबित हो सकती है।

भारत ने शुक्रवार को ओमान को 21 रन से हराकर एशिया कप के ग्रुप लीग चरण का अंत जीत की हैट्रिक के साथ किया। अब भारतीय टीम 48 घंटे से भी कम समय में दुबई में सुपर 4 मुकाबले में पाकिस्तान से भिड़ेगी। इस मुकाबले में टीम का पूरा ध्यान जीत पर होगा, जबकि युवा खिलाड़ियों जैसे यशस्वी को अपने खेल को और निखारने का मौका मिलने का इंतजार रहेगा। यशस्वी की प्रतिक्रिया से साफ है कि वह निराश नहीं हुए हैं और अपने समय के इंतजार में मेहनत जारी रखेंगे, जिससे भविष्य में भारतीय टीम में उनकी वापसी निश्चित ही देखने को मिल सकती है।

संजू सैमसन ने सूर्यकुमार यादव और गौतम गंभीर की टीम संस्कृति पर की बात, बताया कैसा है माहौल

नई दिल्ली। भारत के पसंदीदा विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में समानता और स्वतंत्रता का माहौल बनाने के लिए कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व को श्रेय दिया। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में सैमसन ने बताया कि कैसे टीम संस्कृति ने खिलाड़ियों को खुद को और अधिक स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने में मदद की है। सैमसन ने कहा, 'मैं अपने टीम लीडर सूर्यकुमार और गौतम भाई (गौतम गंभीर) को इस बात का बहुत श्रेय देना चाहता हूं कि वे इस माहौल को कैसे बनाए रखते हैं। यह बहुत ही शांत वातावरण है। यह एक समान वातावरण है। सभी के साथ समान व्यवहार किया जाता है और टीम में सभी को समान महत्व दिया जाता है। मुझे लगता है कि इससे आपका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सामने आता है और इस प्रारूप में यही जरूरी है। पूरी तरह स्वतंत्र और जिम्मेदार होना। मुझे लगता है कि आप टीम को, टीम के साथी को आजादी कैसे देते हैं।' ओमान के खिलाफ सैमसन को बल्लेबाजी क्रम में तीसरे नंबर पर भेजा गया, जहां उन्होंने संयमित अर्धशतक लगाकर भारत की पारी को संभाला। वह क्रीज पर समय बिताने के मौके के लिए आभारी थे। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो, मुझे लगता है कि क्रीज पर कुछ समय बिताने के लिए मैं वाकई आभारी हूं। मुझे लगता है कि मैं घर पर कुछ मैच खेल रहा हूं, लेकिन देश के लिए, एशिया कप के लिए, क्रीज पर कुछ समय बिताने से मुझे वाकई मदद मिली।'

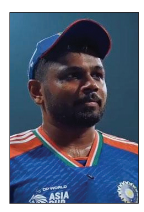

अश्विन ने मैच रैफरी को निशाना बनाने के लिए पीसीबी को आड़े हाथों लिया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर रहे आर अश्विन ने मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग करने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की कड़ी आलोचना की है। पीसीबी ने मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट पर भारतीय टीम का साथ देने को आरोप लगाया था। भारतीय खिलाड़ियों के हाथ नहीं मिलाने के लिए पाइक्रॉफ्ट को जिम्मेदार बताने पर भी अश्विन ने हैरानी जतायी है। इसके अलावा यूएई मैच से पहले पाइक्रॉफ्ट की पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा से मुलाकात को जिस प्रकार से रिकार्ड किया गया उसे भी अश्विन ने गलत बताया है। अश्विन ने कहा कि पीबीसी बेकार की नाटकबाजी कर रही है। अश्विन ने कहा, पाइक्रॉफ्ट ने सबको ऐसा बेकार का ड्रामा देखने से बचा लिया।

पीठ में दर्द की समस्या से जूझ रहे पैट कमिंस एशेज में सभी टेस्ट मैंच खेलने की उम्मीद

सिडनी। पीठ में दर्द की समस्या से जूझ रहे ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस एशेज के सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलना चाहते है। कमिंस ने एक कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। कमिंस ने स्वीकार किया कि एशेज से पहले वे पूरी तरह से प्रतीक्षा करने और देखने की स्थिति है। कमिंस ने कहा, लक्ष्य पांच टेस्ट मैच है। हर गर्मियों में आप पांच टेस्ट मैच खेलने का लक्ष्य रखते हैं। यह मैच थोड़ा अलग हो सकता है क्योंकि आप बाकी मैचों से थोड़े अलग अंदाज में आ रहे हैं। लेकिन शुरुआती लक्ष्य पांच विकेट लेना है। एक बार जब हम करीब पहुंच जाएंगे, तब हम शायद अधिक यथार्थवादी परिस्थितियों पर बात करूंगा। सच कहूं तब यह कहना अभी बहुत दूर की बात है, लेकिन फिलहाल हमारा लक्ष्य इन सबके लिए तैयार रहने का प्रयास करना है। कमिंस ने इशारा किया कि पहले तीन टेस्ट मैचों के कार्यक्रम में आठ दिनों का स्पष्ट अंतराल रखा गया था, इसलिए बैकअप लेना कोई समस्या नहीं हो सकती। लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि यह संभावना नहीं है कि ऑस्ट्रेलिया पूरी गर्मियों में एक अपरिवर्तित आक्रमण के साथ टिकेगा। उन्होंने कहा, ज्यादातर सालों में, कम से कम एक गेंदबाज तब खेल ही जाता है। जॉश हेजलवुड पिछले साल आखिरी हाफ में नहीं खेल पाए थे। जाहिर है, परिस्थितियां बदलती हैं, लेकिन मुझे लगता है कि आपको बस एक नए गेंदबाज की जरूरत है, जो आकर टेस्ट मैच में बिना पलक झपकाए 40 ओवर गेंदबाजी कर सके। उल्लेखनीय है कि इस हफ्ते ऑस्ट्रेलियाई कोच एंड्रयू मैकडॉनाल्ड ने कहा कि कमिंस इस सीरीज में 'हिस्सा लेने वाले है। इस टेस्ट सीरीज का पहला मैच 21 नवंबर से पर्थ में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होगा। मैकडॉनाल्ड ने कहा कि कमिंस एशेज में' महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगे। लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि 5 टेस्ट मैचों की योजना कभी भी तेज गेंदबाजी के लिए नहीं थी। हालांकि कमिंस अभी भी आशान्वित हैं। पैट कमिंस पांचों एशेज टेस्ट खेलने का लक्ष्य बना रहे हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज को श्रृंखला के करीब आने पर ही पता चलेगा कि वह एक व्यावहारिक विकल्प है या नहीं। हालांकि कमिंस इस लेकर आशांवित है।

सात्विक और चिराग चीन मास्टर्स के फाइनल में कड़े मुकाबले में हारे

शेनझेन (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी को एक बार फिर दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा जब वे रविवार को यहां चीन मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में किम वोन हो और सियो सेयुंग जेइ की कोरिया की दुनिया की नंबर एक जोड़ी के खिलाफ सीधे गेम में हार गए।

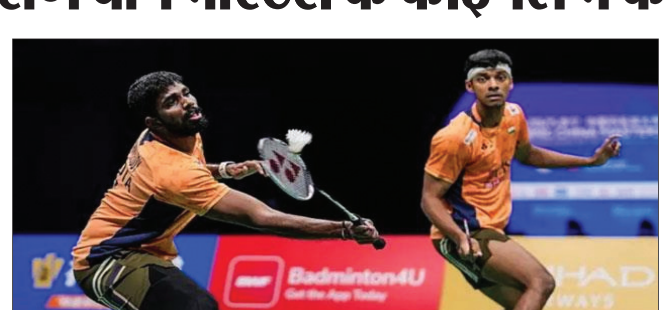

एशियाई खेलों की चैंपियन भारतीय जोड़ी को फाइनल में अपने खिताबी सूखे को खत्म करने की उम्मीद थी लेकिन पहले गेम में 14-7 की मजबूत बढ़त बनाने बावजूद उन्हें मुकाबले में 45 मिनट में सीधे गेम में 19-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। सात्विक और चिराग की जोड़ी लगातार दूसरे फाइनल में लय में दिखी। विश्व चैंपियनशिप में दूसरा कांस्य पदक जीतने और हांगकांग ओपन में उपविजेता रहने के बाद पूरे हफ्ते भारतीय जोड़ी ने एक भी गेम नहीं गंवाया। लेकिन उन्हें मजबूत स्थिति में होने के बावजूद पहला गेम गवाने का मलाल जरूर रहेगा।

किम और सियो अन्य जोड़ीदारों के साथ प्रयोग करने के बाद मौजूद सत्र में फिर से साथ आए हैं। यह जोड़ी 2025 के अपने नौवें फाइनल में खेल रही थी और पहले ही छह खिताब जीत चुकी थी जिसमें पेरिस में विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण और ऑल इंग्लैंड तथा इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 का खिताब भी शामिल है। इस मुकाबले को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आक्रमण और सर्वश्रेष्ठ डिफेंस के बीच की लड़ाई माना जा रहा था और किम तथा सियो ने बेहतर धैर्य और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की।

कोरियाई टीम ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले गेम में 3-0 की बढ़त बनाई लेकिन भारतीय जोड़ी ने लगातार दमदार स्मैश के साथ वापसी की और स्कोर 6-6 कर दिया। चिराग के नेट पर सटीक शॉट ने भारतीय जोड़ी को ब्रेक तक 11-7 की बढ़त दिला दी और जल्द ही उन्होंने इसे 14-8 कर दिया। हालांकि कुछ गलतियां हुईं। एक वीडियो चैलेंज के असफल होने से सात्विक और चिराग की लय टूटी और कोरियाई जोड़ी ने अगले नौ में से आठ अंक जीतकर स्कोर 15-15 से बराबर कर दिया।

नेट पर चिराग की गलती ने कोरियाई जोड़ी को 19-17 की बढ़त दिला दी लेकिन भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए सियो की गलती से स्कोर 19-19 कर दिया। बाएं हाथ के किम ने एक तेज विनर शॉट के साथ गेम प्वाइंट हासिल किया और चिराग ने इसके बाद शॉट बाहर मार दिया जिससे कोरियाई टीम ने पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने 3-2 की बढ़त बनाई और फिर स्कोर 8-6 कर दिया। कोरियाई जोड़ी ने 9-9 पर बराबरी हासिल की और ब्रेक तक एक अंक की बढ़त बनाने में सफल रही।

खेल फिर से शुरू होने पर सियो ने नेट पर सर्विस मार दी लेकिन अगले ही प्वाइंट पर सात्विक की कमजोर सर्विस पर अंक जुटाया। चिराग के एक बार फिर शॉट बाहर मारने से कोरियाई जोड़ी ने 15-11 के स्कोर पर चार अंक की बढ़त हासिल की। सियो ने अगले ही प्वाइंट पर फ्लैट शॉट लगाया लेकिन चिराग फिर से चूक गए और कोरियाई टीम 17-14 से आगे हो गई। एक बेहतरीन ड्रॉप शॉट ने कोरियाई टीम की बढ़त को 18-15 कर दिया। चिराग के दो बार शॉट बाहर मारने से कोरियाई जोड़ी ने पांच मैच प्वाइंट हासिल किए जिसके बाद सात्विक ने बाहर शॉट मारकर खिताब कोरियाई टीम की झोली में डाल दिया।

हमें फाइनल में पहुंचने का पूरा भरोसा : बांग्लादेशी सलामी बल्लेबाज सैफ हसन

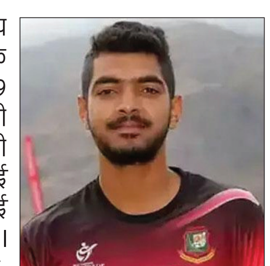

स्पोर्ट्स डेस्क। बांग्लादेश ने टी20 एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले में श्रीलंका को एक गेंद शेष रहते चार विकेट से हरा दिया। 169 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, युवा सलामी बल्लेबाज सैफ हसन ने 45 गेंदों में 61 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली। बांग्लादेश ने श्रीलंकाई टीम को चौंका दिया, हसन ने कहा कि टीम यूएई यह मानकर पहुंची थी कि वे फाइनल में पहुंचेंगे। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैफ ने कहा, 'हां, बिल्कुल, हमें फाइनल में पहुंचने का पूरा भरोसा है, यहा आने से पहले, सभी को यकीन था कि हम फाइनल खेलेंगे।' 'हम एक कदम आगे हैं और अभी हमारे लिए दो मैच और बाकी हैं, और हमारा अगला ध्यान सिर्फ अगले मैच पर है।' 'जरूर, सपने देखने चाहिए और बड़े सपने देखने चाहिए, लेकिन हमें कदम दर कदम आगे बढ़ना चाहिए। हमारा अगला ध्यान पूरी तरह से भारत के खिलाफ मैच पर होगा और उसके बाद के मैच का फैसला बाद में होगा।' मैच में पहले ओवर में विकेट गिरने के बाद, हसन ने नुवान तुषारा का सामना किया। उन्होंने पावरप्ले के ओवरों में कुल तीन छक्के लगाए। कप्तान लिटन दास ने उनका अच्छा साथ दिया। 6 ओवर के बाद बांग्लादेश का स्कोर 59/1 था। हसन ने खुलासा किया कि उनके पास कोई खास योजना नहीं थी, लेकिन उन्होंने मैदान पर पाबंदी के दौरान जवाबी हमला करने का फैसला किया। बांग्लादेश का अगला मैच 24 सितंबर को दुबई में भारत के खिलाफ होगा। सुपर-4 में वे एकमात्र टीम हैं जो लगातार दो दिन मैच खेलेगी। उनका आखिरी सुपर-4 मैच 25 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ होगा।

जतिंदर सिंह ने भारतीय टीम से एनसीए में प्रशिक्षण की गुहार लगाई

अबु धाबी (एजेंसी)। जतिंदर सिंह की कप्तानी में ओमान टीम को एशिया कप 2025 में भारत के खिलाफ 21 रनों से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, हार के बावजूद ओमान के बल्लेबाजों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। 189 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ओमान ने 20 ओवर में चार विकेट खोकर 167 रन बनाए। आमिर कलीम ने 64 रन, हम्माद मिर्जा ने 51 और कप्तान जतिंदर ने 32 रन का योगदान दिया। मैच के बाद जतिंदर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से गुहार लगाई कि उनकी टीम को नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) में प्रशिक्षण की अनुमति दी जाए। उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों की तकनीक, मानसिक तैयारी और फिटनेस में सुधार होगा और एसोसिएट देशों और टेस्ट खेलने वाले देशों के बीच की खाई पाटने में मदद मिलेगी।

जतिंदर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगता है कि अगर हम भारत को अपना दूसरा घर बना सकें, एनसीए में ट्रेनिंग ले सकें, टी20 मैच खेल सकें और क्लब तथा रणजी टीमों के साथ अभ्यास कर सकें, तो हमारे लिए यह बहुत फायदेमंद होगा। हम एक एसोसिएट नेशन हैं और हमें टेस्ट खेलने वाले देशों के साथ खेलने के मौके नहीं मिलते। ओमान की टीम पहली बार एशिया कप में खेली थी और ग्रुप ए के सभी मैच हारने के बावजूद जतिंदर ने अपने खिलाड़ियों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि उन्हें खिलाड़ियों पर गर्व है और जिस तरह उन्होंने हालात का सामना किया, वह काबिले तारीफ है।

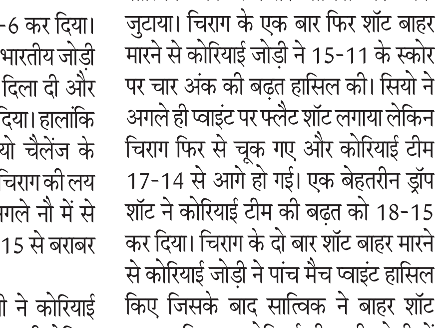

भारतीय धरती पर तेज गेंदबाजों से सीरीज पलटने की उम्मीद है सैमी को

अहमदाबाद। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने भारतीय सरजमीं पर अपनी टीम के तेज गेंदबाजों की ताकत पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम का तेज गेंदबाजी आक्रमण इतना मजबूत और विविधता से भरा है कि किसी भी परिस्थिति में मैच का रुख पलट सकता है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में और दूसरा 10 अक्टूबर को दिल्ली में खेला जाएगा। मीडिया से बातचीत में सैमी ने कहा, टीम में चार अलग-अलग तरह के तेज गेंदबाज हैं, जिनकी अपनी खासियतें हैं और यही हमारी असली ताकत है। शमर जोसेफ, जेडन सील्स, अल्जारी जोसेफ और एंडरसन फिलिप सभी विभिन्न परिस्थितियों में विकेट निकालने में सक्षम हैं। इसके साथ ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स भी विकल्प के रूप में मौजूद हैं।उन्होंने विशेष रूप से शमर को कुशल, जेडन सील्स को गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने में माहिर और अल्जारी जोसेफ को अपने कद, गति और उछाल के कारण खतरनाक बताया। सैमी ने उम्मीद जताई कि उनका तेज गेंदबाजी संयोजन भारतीय हालात में भी बल्लेबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित होगा और टेस्ट मैच में 20 विकेट लेने की क्षमता रखता है। कोच ने न्यूजीलैंड की भारत में पिछली साल की सफलता से भी प्रेरणा लेने की बात कही। उन्होंने कहा, पिछले साल कीवी टीम ने भारत में 3-0 से जीतकर इतिहास रचा। हमें उनसे सीखना चाहिए कि किन परिस्थितियों में उन्होंने कौन-सी रणनीति अपनाई। उम्मीद है कि हमारे खिलाड़ी भी परिस्थितियों को समझकर प्रदर्शन करेंगे। भारतीय हालात में पारंपरिक तौर पर स्पिन गेंदबाजों का दबदबा रहता है, लेकिन सैमी का मानना है कि उनकी तेज गेंदबाजी यूनिट इस बार असर दिखाएगी। उन्होंने कहा, टीम का यह संयोजन किसी भी विपक्षी बल्लेबाजी क्रम को चुनौती देने में सक्षम है। अब यह देखना बाकी है कि अहमदाबाद और दिल्ली में इंडीज के तेज गेंदबाज सैमी की उम्मीदों पर कितना खरे उतरते हैं।

इरफान चाहते हैं इस गेंदबाज को टीम में शामिल करना, कहा- भारत को दूसरे तेज गेंदबाज की जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान का मानना है कि एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में भारतीय टीम को अर्शदीप सिंह की जरूरत पड़ सकती है। उन्होंने बताया कि जसप्रीत बुमराह के अलावा अर्शदीप ही एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं जो लगातार यॉर्कर फेंक सकते हैं और विरोधी बल्लेबाजों के लिए रन बनाना मुश्किल बना सकते हैं।

पठान ने सोनी स्पोर्ट्स पर कहा, 'मैं अपनी बात पर कायम रहूंगा, जो मैंने एशिया कप शुरू होने से पहले कही थी। मैं अर्शदीप को बुमराह के साथ खेलते देखना चाहूंगा क्योंकि ऐसी स्थिति आ सकती है जहां आपको दूसरे तेज गेंदबाज की जरूरत पड़ सकती है।'

उन्होंने आगे कहा, 'जब गेंद गीली हो जाती है और आप दबाव में होते हैं तो क्या हार्दिक की ताकत छह यॉर्कर फेंकना है, या शिवम दुबे लगातार यॉर्कर फेंक सकते हैं।'

पठान ने यह भी स्वीकार किया कि भारतीय टीम वर्तमान में जीत की लय में है, इसलिए टीम प्रबंधन अंतिम एकादश में बदलाव नहीं करेगा और उसी गेंदबाजी संयोजन के साथ आगे बढ़ेगा जो उन्होंने टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ अपने पिछले मैच में इस्तेमाल किया था।

अर्शदीप ओमान के खिलाफ मैच में खेले

अर्शदीप को एशिया कप के पहले दो मैचों में भारत की प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली थी, लेकिन ओमान के खिलाफ टीम के अंतिम ग्रुप चरण के मैच में वह शामिल थे। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अपने 4 ओवर के स्पेल में 37 रन देकर 1 विकेट हासिल किया और टी20 के इस प्रारूप में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बने।

पति संग्राम सिंह के अफेयर्स की अफवाहों के बीच पत्नी पायल का क्रिप्टिक पोस्ट

रेसलर-एक्टर संग्राम सिंह और अभिनेत्री निकिता रावल के बीच रिश्ते को लेकर कई बातें कही जा रही हैं। साथ ही ये भी कहा गया कि अभिनेता का एक्ट्रेस निकिता के साथ अफेयर चल रहा है और वो उन्हें डेट कर रहे हैं। हालांकि, संग्राम सिंह ने इन अफवाहों का खंडन किया है और निराशा व्यक्त की। इसके अलावा निकिता रावल ने भी इन अफवाहों को बेबुनियाद बताया। इसी बीच रेसलर-एक्टर की पत्नी पायल रोहतगी ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है, जो वायरल हो रहा है।

पति संग्राम सिंह के साथ पायल ने शेयर की तस्वीर

संग्राम सिंह के अफेयर्स से जुड़ी खबरों के बीच उनकी पत्नी और अभिनेत्री पायल रोहतगी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने खुद की शादी के रिसेप्शन की तस्वीर साझा की है, जिसमें पति संग्राम सिंह के साथ वो खड़ी दिख रही हैं। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, विश्वासघात हमेशा वफादारी के रूप में तब तक आता है, जब तक उसका मुखौटा नहीं उतर जाता।

मैंने हर किसी की मदद...

इसके साथ ही पायल रोहतगी ने एक और पोस्ट किया है। इसमें भी उन्होंने अपनी ही शादी के रिसेप्शन की तस्वीर साझा की। उन्होंने कैप्शन दिया, एक अमीर आदमी से पूछा कि उसने यह कैसे किया और उसने कहा मैंने हर किसी की मदद करने की कोशिश करना बंद कर दिया पायल रोहतगी और संग्राम सिंह ने 12 साल से अधिक समय तक एक-दूसरे को डेट किया था। इसके बाद साल 2022 में दोनों ने शादी कर ली थी।

तेलुगू

सामंथा को नागा चैतन्य से तलाक के बाद नहीं मिल रहा काम

इंडस्ट्री ने किया ब्लैकलिस्ट?

फिल्मों की एक्ट्रेस लक्ष्मी मांचू ने एक इंटरव्यू में सुपरस्टार और तलाकशुदा एक्ट्रेस के बारे में बात की है। लक्ष्मी मांचू ने कहा है कि इस एक्ट्रेस को तलाक के बाद से काम नहीं मिल रहा है। उन्होंने इस एक्ट्रेस का नाम तो नहीं लिया, पर हिंट दिया कि तलाक के बाद से उस एक्ट्रेस को इंडस्ट्री में ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है और जो फिल्में थीं, वो भी वापस ले ली गईं। बताया जा रहा है कि लक्ष्मी मांचू ने यह बात सामंथा रुथ प्रभु के बारे में कही है। सामंथा रुथ प्रभु ने साल 2017 में तेलुगू सुपरस्टार नागार्जुन के बेटे नागा चैतन्य से शादी की थी। यह एक लव मैरिज थी, पर 2021 में उनका तलाक हो गया। तलाक के बाद से सामंथा का करियर लुढ़कने लगा। उन्हें नाम मात्र की फिल्में मिल रही हैं, और जो भी रिलीज हुई, वो औसत ही रहीं। ऐसे में माना जा रहा है कि लक्ष्मी मांचू का इशारा सामंथा की तरफ था।

नागा चैतन्य की शोभिता से शादी, राज निदिमोरू संग सामंथा का नाम

सामंथा नागा चैतन्य से तलाक के बाद से वह सिंगल हैं। हालांकि, उनका नाम डायरेक्टर राज निदिमोरू के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों की साथ में रोमांटिक तस्वीरें भी वायरल हुई हैं। वहीं, नागा चैतन्य बाद में एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला को डेट करने लगे थे और साल 2024 में शादी कर ली।

लक्ष्मी मांचू ने दिया हिंट

लक्ष्मी मांचू ने ग्रेट आंध्रा को दिए इंटरव्यू में इस बात का हिंट दिया कि एक सुपरस्टार की पूर्व पत्नी के पास फिलहाल कोई काम नहीं है। दरअसल, एक सवाल के जवाब में लक्ष्मी मांचू ने रिपोर्टर को फटकार लगाई और कहा कि समाज में पुरुषों से ज्यादा महिलाओं को बहुत कुछ झेलना पड़ता है। लक्ष्मी मांचू बोलीं, एक सुपरस्टार की पूर्व पत्नी है, जो यहां काम करती है। उसका तलाक हो गया है, और तब से, उसे जो फिल्में ऑफर हुई थीं, वो भी छीन ली गई हैं। उसे यही कहा जाता है कि उसे लिया तो उन्हें (नागा चैतन्य) बुरा लग सकता है और वो कुछ बोल सकते हैं। उसे अच्छे ऑफर्स का इंतजार है और मुझे उसका नाम लेने की जरूरत नहीं है।

सामंथा का नाम सुनकर लक्ष्मी मांचू ने दिया यह जवाब

रिपोर्टर ने जब लक्ष्मी मांचू से सवाल किया कि वह सामंथा की बात कर रही हैं? तो एक्ट्रेस बोलीं, आप सोच रहे हैं कि सामंथा ही हैं। कोई एक सुपरस्टार नहीं है। लगभग पांच-छह सुपरस्टार्स का तलाक हो चुका है। और मैं उन सभी के करीब हूं। लेकिन मेरा पॉइंट ये है कि अगर किसी पुरुष के साथ ऐसा कुछ होता है, तो उसकी जिंदगी कभी नहीं बदलेगी। लेकिन एक महिला जब शादी कर ले और उसके बच्चे हो जाएं, ससुरालवाले हों तो उस पर बहुत सारी जिम्मेदारियां आ जाती हैं। कोई हमें आज़ादी नहीं देता। हमें खुद ही सब कुछ सहना पड़ता है।

इंदिरा कृष्णा ने 'जटाधारा' की शूटिंग को बताया रोमांचक अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की अपकमिंग फिल्म जटाधारा सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। अभिनेता सुधीर बाबू इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते दिखाई देंगे। इस फिल्म में दक्षिण भारतीय सिनेमा की अभिनेत्री इंदिरा कृष्णा भी अहम किरदार निभाती दिखाई देंगी। उन्होंने फिल्म की शूटिंग से जुड़ी सोनाक्षी सिन्हा के साथ एक फोटो शेयर की। इसमें वो सोनाक्षी से खुशी से बातें करती दिख रही हैं। एक तस्वीर में वो फिल्म के शूट को देखती दिख रही हैं। इस पोस्ट को शेयर करते हुए इंदिरा कृष्णा ने बताया कि 'जटाधारा' की शूटिंग का अनुभव बहुत ही रोमांचक रहा। इंदिरा कृष्णा ने फिल्म की शूटिंग की कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर साझा कीं। इन्हें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, महादेव की कृपा से 7 नवंबर 2025 को रिलीज होने वाली तेलुगु फिल्म जटाधारा की शूटिंग का सफर बेहद रोमांचक रहा। माउंट आबू में इस शानदार टीम के साथ शूटिंग का पूरा आनंद लिया। मैंने वहां की भाषा और लोगों को करीब से समझा। प्रेरणा अरोड़ा के बिना यह संभव नहीं होता, जिन्होंने इस किरदार देवी के लिए मुझ पर बिना सोचे भरोसा किया। प्रिय प्रेरणा, मुझसे सर्वश्रेष्ठ अभिनय निकलवाने के लिए मैं आपका धन्यवाद करना चाहती हूं। उन्होंने आगे लिखा, कुछ समय बिताने और विचार-मंथन के लिए शिविन का विशेष धन्यवाद। वेंकट कल्याण और हिमांशु की टीम का धन्यवाद। खूबसूरत सोनाक्षी सिन्हा के साथ बातचीत करके बहुत अच्छा लगा। आप अंदर से बहुत खूबसूरत हैं। इस अवसर को और बेहतर बनाने के लिए स्टूडियो साउथ का धन्यवाद। फिल्म के मेकर्स ने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का मोशन पोस्टर जारी करते हुए इसकी रिलीज डेट बताई थी। उन्होंने बताया कि यह फिल्म 7 नवंबर को हिंदी और तेलुगु में रिलीज होगी। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में अनंत पद्मनाभ स्वामी मंदिर के आसपास के रहस्यों को उजागर किया जाएगा। इस फिल्म में दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, झांसी, राजीव कनकाला और सुभलेखा सुधाकर जैसे सितारे भी हैं। इसके निर्देशक अभिषेक जायसवाल और वेंकट कल्याण हैं। इसे जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा ने प्रोड्यूस किया है।

बॉलीवुड के बाद प्राजक्ता कोली ने रखा मराठी सिनेमा में कदम

सोशल मीडिया पर मोस्टलीसेन के नाम से पहचान बनाने वाली प्राजक्ता कोली आज एक ऐसा नाम बन चुकी हैं, जिनकी लोकप्रियता सिर्फ डिजिटल प्लेटफॉर्म तक सीमित नहीं रही। ओटीटी और बॉलीवुड में अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतने के बाद अब वो अपने करियर का एक नया अध्याय शुरू करने जा रही हैं। प्राजक्ता पहली बार मराठी सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं और उनकी इस फिल्म का नाम है क्रांतिज्योति विद्यालय - मराठी माध्यम।

प्राजक्ता ने शेयर किया पोस्ट

प्राजक्ता ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- उस भाषा के प्यार में, जिसे मैं अपनी मातृभाषा कहती हूं। मिलते हैं, बहुत जल्द। प्राजक्ता ने फैंस को जानकारी देते हुए फिल्म का पोस्टर भी शेयर किया है। इसके अलावा उन्होंने फिल्म की स्टारकास्ट के बारे में भी फैंस को बताया है।

फिल्म की कहानी और निर्देशन

इस फिल्म का निर्देशन हेमंत ढोमे ने किया है। कहानी महाराष्ट्र की शिक्षा व्यवस्था और मराठी माध्यम स्कूलों के पतन के इर्द-गिर्द बुनी गई है। यह फिल्म समाज में एक गंभीर संदेश देने का प्रयास करेगी।

फिल्म की स्टारकास्ट

इस फिल्म में प्राजक्ता कोली के साथ मराठी सिनेमा के कई जाने-माने चेहरे नजर आएंगे। इसमें सचिन खेड़ेकर, अमेय वाघ, सिद्धार्थ चांदेकर, क्षिती जोग, कादंबरी कदम, हरीश दुधाडे और पुष्कराज चिरपुटकर जैसे कलाकार शामिल हैं। इन सभी कलाकारों की मौजूदगी फिल्म को और भी मज़बूत बनाती है।

अब तक का सफर....

प्राजक्ता की पहचान सबसे पहले यूट्यूब से हुई, जहां वह रिलेटेबल और हल्के-फुल्के हास्य वाले वीडियो बनाती थीं। इसके बाद उन्हें ओटीटी पर नेटफ्लिक्स की रोमांटिक सीरीज मिसमैच्ड से पहचान मिली। शो को दर्शकों ने इतना पसंद किया कि इसका चौथा और अंतिम सीजन भी अगले साल आने वाला है। इसी बीच प्राजक्ता ने धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म जुग जुग जियो से बॉलीवुड डेब्यू किया, जिसमें वह वरुण धवन और कियारा आडवाणी के साथ नजर आईं। हाल ही में वह अमेजन प्राइम वीडियो की सीरीज अंधेरा में भी दिखाई दीं।

नतालिया ही नहीं कई विदेशी सेलिब्रिटीज ने 'बिग बॉस' में चलाया अपना जादू

'बिग बॉस 19' में एक विदेशी एक्ट्रेस नतालिया जानोसजेक भी बतौर प्रतियोगी शामिल हुईं। बीते रविवार को वह शो से बाहर हो गईं। सिर्फ नतालिया ही अकेली विदेशी सेलिब्रिटी नहीं हैं, जो इस रियलिटी शो में दिखीं, पहले भी कई विदेशी सेलेब्स 'बिग बॉस' का हिस्सा बन चुके हैं।

पोलिश मूल की अदाकारा नतालिया वीकएंड का वार एपिसोड में 'बिग बॉस 19' से बाहर हो गईं। वह काफी दिनों तक इस रियलिटी शो में चर्चा में रहीं। सिर्फ नतालिया ही नहीं इससे पहले भी 'बिग बॉस' के अलग-अलग सीजन में कई विदेशी मूल के सेलिब्रिटीज नजर आए।

क्लोडिया सिएस्ला

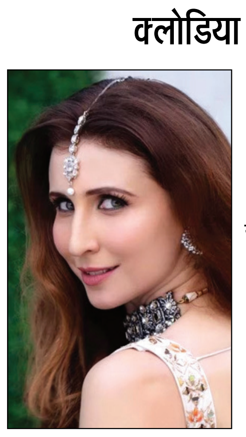

क्लोडिया सिएस्ला जर्मन एक्ट्रेस, मॉडल रही हैं। वह 'बिग बॉस 3' में बतौर प्रतियोगी शामिल हुईं। इसके बाद क्लोडिया ने हिंदी फिल्मों में अभिनय किया। साल 2018 में क्लोडिया ने एक बॉलीवुड फिल्म 'तेरी भाभी है पगले' में आइटम डांस किया। वह अब भारत में रहकर एक न्यूट्रिशनिस्ट के तौर पर काम कर रही हैं।

सनी लियोनी

सनी लियोनी ने 'बिग बॉस 5' में बतौर प्रतियोगी हिस्सा लिया था। वह एक कनैडियन मूल की एक्ट्रेस, मॉडल रही हैं। 'बिग बॉस' के बाद वह बॉलीवुड फिल्म 'जिस्म 2' में नजर आईं। इसके बाद भी कई हिंदी और साउथ की फिल्मों का हिस्सा बनीं। इस साल वह हिमेश रेशमिया की फिल्म 'बैडएस रविकुमार' में कैमियो रोल करती दिखीं। कई इंडियन रियलिटी शो को वह होस्ट भी कर चुकी हैं।

नताशा स्टेनकोविक

नताशा स्टेनकोविक एक सर्बियाई मूल की मॉडल, एक्ट्रेस हैं। फिल्म 'सत्याग्रह(2013)' से नताशा ने बॉलीवुड में कदम रखा था। साल 2014 में वह बिग बॉस 8 में बतौर प्रतियोगी शामिल हुईं। साल 2019 में भी उन्होंने 'द बॉडी' नाम की एक हिंदी फिल्म की। क्रिकेटर हार्दिक पांड्या के साथ साल 2020 में शादी की और साल 2024 में डिवोर्स हो गया।

अब्दु रोजिक

तजाकिस्तान के मशहूर इंफ्लुएंसर अब्दु रोजिक भी 'बिग बॉस 16' में नजर आए थे। इस शो के बाद वह 'लाफ्टर शेफ 2' जैसे रियलिटी शो का हिस्सा बने। भारत में अब भी उनके फनी और सिंगिंग वाले वीडियो सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हैं।

ओरा

साउथ कोरियन सिंगर ओरा ने भी 'बिग बॉस 17' में हिस्सा लिया था। ओरा के वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हैं, उनकी भारत में भी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है। वह बॉलीवुड गानों के मैशअप वीडियो बनाते हैं, जिन्हें भारतीय दर्शक पसंद करते हैं।

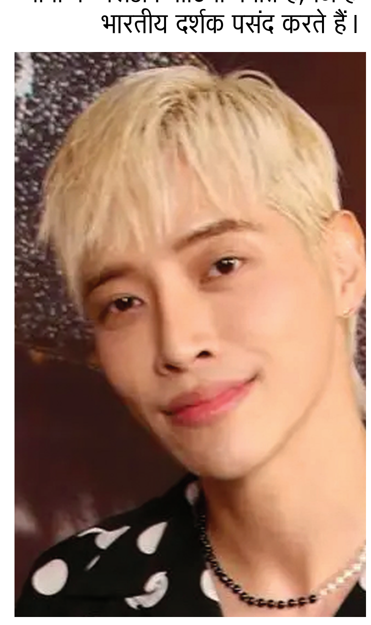

मैथ्स में हैं एक्सपर्ट तो इन फील्ड में बना सकते हैं करियर

आज हम आपको बताने जा रहे हैं गणित में 8 ऐसे करियर ऑप्शन जो आपको ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

छात्रों के बीच गणित विषय को कठिन विषय समझा जाता है, इसका नाम सुनते ही बहुत से छात्र दूर भागते हैं। परंतु यदि प्रारंभ से ही गणित विषय को सही प्रकार से हैंडिल किया जाए तो आपकी गणित पर अच्छी पकड़ हो सकती है। गणित विषय का अर्थ केवल जोड़ना, घटाना, गुणा और भाग देना नहीं है। इस विषय में उच्च शिक्षा लेकर करियर की अपार संभावनाएं हैं। गणित विषय मनुष्य की ज्ञान की एक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई क्षेत्रों को शामिल किया गया है। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है। प्राचीन काल के कई गणितज्ञों आर्यभट्ट, वराह मिहिर, महावीराचार्य, ब्रह्मगुप्त, श्रीधराचार्य इत्यादि ने तथा आधुनिक काल में डॉ गणेश प्रसाद, प्रोफेसर बीएन प्रसाद, श्रीनिवास रामानुजन इत्यादि ने गणित की सुदृढ़ नींव रखी है।

इकोनॉमिस्ट

एक इकोनॉमिस्ट आर्थिक रुझानों का अन्वेषण करके मूल्यांकन करता है। भविष्य को लेकर पूर्वानुमान जारी करता है। वह विभिन्न विषयों जैसे महंगाई, कर, ब्याज दर, रोजगार का स्तर आदि का डेटा संग्रह करता है। उस पर अनुसंधान करता है और विश्लेषण करता है। अर्थशास्त्री बनने के लिए गणित विषय को जरूरी माना जाता है। एक अर्थशास्त्री बनने के लिए अर्थशास्त्र में बैचलर डिग्री होना और गणित पर अच्छी पकड़ होना आवश्यक है। इसके बाद अर्थशास्त्र, इकोमेट्रिक्स, ऐप्लाइड इकोनॉमिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होना चाहिए।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

सॉफ्टवेर इंजीनियरिंग के छात्रों के करियर की नीव शुरू ही गणित के ज्ञान से होती है। सॉफ्टवेयर इंजीनियरों का काम सॉफ्टवेयर डिजाइन करना और उसे डेवलप करना होता है। इस काम में छात्रों को कम्प्यूटर साइंस के साथ-साथ मैथ्स की थ्योरी और उनके सिद्धांतों का प्रयोग करना पड़ता है। इस क्षेत्र में एक्सपर्ट छात्रों के लिए बहुत अच्छे विकल्प मौजूद है तथा अगले 10 वर्षों में इस क्षेत्र में काफी संभावनाएं आने वाली हैं जो छात्रों के हित में मददगार साबित होंगे।

स्टैटिस्टिक्स

गणित पर जिनको महारत हासिल है उनके लिए स्टैटिस्टिक्स में कैरियर बनाना बहुत अच्छा विकल्प है। सांख्यिकीविद को डाटा का विश्लेषण करना, परिणामों को पाइ चार्ट्स, बार ग्राफ, टेबल के रूप में प्रस्तुत करने का काम करना होता है। हेल्थ केयर, शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में सांख्यिकीविद की काफी मांग होती है। सांख्यिकीविद बनने के लिए आपके पास मैथमेटिक्स स्टैटिस्टिक्स में स्नातक की डिग्री या फिर स्टैटिस्टिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होनी चाहिए।

चार्टर्ड एकाउंटेंट

चार्टर्ड एकाउंटेंट बनने का पहला रूल ही गणित में दक्ष होना है। क्योंकि चार्टर्ड एकाउंटेंट यानि कि सीए का पूरा काम एकाउंटिंग, ऑडिटिंग और टैक्सेशन से जुड़ा होता है। अर्थवव्स्था में तेजी से वृद्धि के चलते फाइनेंस और एकाउंट से जुड़े क्षेत्रों में करियर के काफी स्कोप जुड़ते जा रहे हैं जो गणित में रूचि रखने वाले छात्रों के लिए एक अच्छा करियर विकल्प का मार्ग है।

ऑपरेशन रिसर्च एनालिस्ट

इससे जुड़े काम को एप्लाइड मैथ्स और फॉर्मल साइंस की एक शाखा के रूप में ही समझा जाता है। इसमें आधुनिक लॉजिकल विधियों जैसे की स्टैटिस्टिकल एनालिसिस और मैथमेटिकल ऑप्टिमाइजेशन का प्रयोग किया जाता है। ऑपरेशन रिसर्च एनालिस्ट इन्हीं आधुनिक विधियों कि मदद से मैनेजर को सही निर्णय लेने और समस्याओं के समाधान के लिए सुझाव प्रदान करते है।

बैंकिंग

अगर आपकी गणित में अच्छी पकड़ है तो आप बैंकिंग क्षेत्र में आप एकाउंटेंट, कस्टमर सर्विस, फ्रंट डेस्क, कैश हैंडलिंग, एकाउंट ओपनिंग, करंट एकाउंट, सेविंग एकाउंट, लोन प्रोसेसिंग ऑफिसर, सेल्स एग्जीक्यूटिव, रिकवरी ऑफिसर के प्रोफाइल्स के लिए भी कोशिश कर अपना भविष्य बना सकते है क्यूंकि इन सभी में मैथमेटिकल स्किल्स का होना जरूरी है।

मैथमेटिशियन

अगर आप मैथ को दिल से प्यार करते हैं और इसमें सबसे ज्यादा माहिर हैं, तो मैथमेटिशियन बनना आपके लिए सबसे बेस्ट होगा। यह ऐसे प्रोफेशनल्स होते हैं जो मैथ्स के बुनियादी क्षेत्र का अध्ययन या रिसर्च संबंधी कार्य करते हैं। इसके अलावा ये लॉजिक, ट्रांसफार्मेशन, नंबर आदि समस्याओं का निर्धारण करते हैं। इस क्षेत्र में भी मैथ्स का ज्ञान होना बहुत जरूरी है तथा इस क्षेत्र में छात्र अच्छा मुकाम हासिल कर सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट आईटी टूल्स का उपयोग करते हुए किसी भी एंटरप्राइजेज को लक्ष्य पूरा करने में मदद पहुंचाते हैं। यदि आपको गणित का ज्ञान नहीं तो आप आगे नहीं बढ़ सकते और इसी के विपरीत यदि आपका गणित के प्रति रुझान है तो आप आसानी से अपने काम को पूरा कर सकते हैं। ज्यादातर सिस्टम एनालिस्ट अपना काम कम्प्यूटर और सॉफ्टवेयर के जरिए करते हैं तथा इसे ठीक तरह से समझने के लिए गणित पहली नींव है।

बदलाव के लिए करें खुद को तैयार

नौकरी के दौरान अक्सर एक जैसा काम करते हुए हम ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जिसमें जरा-सा बदलाव भी हमें असहज कर देता है। नौकरी के दौरान अक्सर एक जैसा काम करते हुए हम ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जिसमें जरा-सा बदलाव भी हमें असहज कर देता है। लगातार सुविधापूर्ण स्थिति में आत्ममुग्ध रहना एक तरह से 'असुविधा'' को ही दावत देना है। अगर आप भी कंफर्ट जोन में खुद को 'कंफर्टेबल' मानकर चल रहे हैं, तो वक्त रहते संभल जाएं और ऐसा करके ही आप खुद को हर परिस्थिति में कॉन्फिडेंट रख सकेंगे।

सदाशिव पढ़ाई में अच्छे हैं। दिखने में समझदार। नौकरी जल्द शुरू कर दी थी। कुछ ही साल में अपनी पहचान भी बना ली और एक वरिष्ठ अधिकारी के लिए अलग से काम करके उनका विश्वास भी हासिल कर लिया। इसका उन्हें फायदा भी मिलता रहा। पद और प्रतिष्ठा तो मिली ही, कई बार विदेश जाने का अवसर भी मिला। मगर कई साल ऐसे ही बीतने के कारण सदाशिव आत्ममुग्धता के शिकार होते चले गए। प्रभावशाली अधिकारी का संरक्षण मिला होने के कारण वे खुद को बेहद सुरक्षित महसूस करने लगे। इस बीच उन्हें कई प्रोजेक्ट मिले, पर भरपूर अवसर मिलने के बावजूद किसी में खास प्रभाव छोड़ न पाने के कारण अंतत: वे अपने मूल विभाग में ही बने रहे। यहीं उनसे चूक होती चली गई। अपने मूल विभाग के बॉस से उनकी ट्यूनिंग बनने और प्रगाढ़ होने के बजाय बिगड़ती चली गई लेकिन आत्ममुग्धता और उच्चाधिकारी की शह के कारण उन्होंने इसकी ज्यादा परवाह नहीं की। विभागीय बॉस के उपेक्षापूर्ण नजरिये से ठेस लगने के बावजूद उनका स्वाभिमान नहीं जागा और वे निश्चिंतता के साथ टाइम पास करते रहे। इतना ही नहीं, सोशल साइट्स पर भी वे खूब दिखते और अपनी बेतुकी टिप्पणियों पर खुद ही खुश हो लेते। कुछ समय बाद स्थितियां करवट लेने लगीं। प्रभावशाली अधिकारी का प्रभाव जाता रहा और एक समय ऐसा भी आया, जब उनकी जगह कंपनी में कोई और आ गया। अब सदाशिव को सचेत हो जाना चाहिए था, पर ऐसा हुआ नहीं। उनका रवैया जस का तस बना रहा। वे चाहते, तो अपने विश्वासी अधिकारी के रहते किसी और विभाग या केंद्र या प्रोजेक्ट में अच्छे पद पर शिफ्ट हो सकते थे लेकिन सुविधाजीवी और एकरस जीवन के आदी हो चुके सदाशिव ने ऐसी कोई पहल नहीं की। एक दिन जब उन्हें कुछ गलतियां बताते हुए संस्थान से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया, तब उन्हें एहसास हुआ लेकिन तब उनके पास संभलने और सुधरने का मौका नहीं था।

भंवर है कंफर्ट जोन

सदाशिव की सच्ची कहानी महज एक उदाहरण है। आपको अपने संस्थान या दूसरी संस्थाओं, विभागों में ऐसे कई लोग मिल जाएंगे, जो कंफर्ट जोन में समय बिताते हुए खुश दिखेंगे। कई लोग यह भी कहते मिल जाएंगे कि अरे भाई, नौकरी तो सुरक्षित है ही, फिर काम की टेंशन में क्यों परेशान रहें! दरअसल, ऐसे लोग यह नहीं सोचते कि इस प्रकार का रवैया रखकर वे खुद के नुकसान की ही नींव रख रहे हैं। स्थितियां हमेशा एक-सी नहीं रहतीं। जो लोग काम से जी चुराते हैं, नया सीखने-जानने में दिलचस्पी नहीं रखते, कभी पहल करके कोई काम नहीं करते, कोई काम कहने पर समाधान के बजाय तमाम तरह की समस्याएं ही गिनाने बैठ जाते हैं, टीम मेंबर्स से भी जिन्हें ढेरों शिकायतें होती हैं, सही मायने में उनका करियर हमेशा दांव पर लगा होता है। ऐसे लोगों को जब कभी कोई काम सौंपा जाता है, तो वे उसमें इतना विलंब कर देते हैं या फिर उसे इतना उलझा देते हैं कि बॉस को आगे उन्हें काम न देने के बारे में सोचना पड़ जाता है। ऐसे लोग अपनी इस कथित रणनीति पर भले ही खुश होते हों पर जरा सोचें, क्या वह बॉस कभी उनकी प्रशंसा-अनुशंसा करेगा और जब कभी डिमोशन न कर दिया गया या इंक्रिमेंट रोक लिया गया या फिर छंटनी की स्थिति में उनका नाम ही आगे बढ़ा दिया गया, तो फिर क्या उन्हें संस्थान और बॉस की आलोचना का अधिकार होना चाहिए

उपयोगिता करें साबित

आप निजी कंपनी में काम कर रहे हों या फिर सरकारी सेवा में हों, छोटे पद पर हों या बड़े पद पर, अगर आप अपने पद की जरूरतों के अनुसार खुद की उपयोगिता साबित करने का प्रयास नहीं करते, तो एक-न-एक दिन आपको जरूर नुकसान हो सकता है। अगर आप समय रहते नहीं चेतते, तो फिर आप किसी को दोष भी नहीं दे सकते। आपको कोई भी जिम्मेदारी दी जाती है, उसे उत्साह के साथ पूरा करने का प्रयास करें। अगर आपको लगता है कि उसमें बॉस से और समझने की या किसी सहयोगी की मदद लेने की जरूरत है, तो विनम्रता के साथ सहयोग लें। आपके प्रयास की गंभीरता स्पष्ट नजर आनी चाहिए। अगर आप छोटे-से-छोटे काम को भी सतर्कता के साथ बहुत अच्छी तरह पूरा करते हैं, तो निश्चित रूप से इससे आपकी छवि बेहतर होगी।

हर दिन हो नया

अगर आप एकरस जीवन से बचना और खुश रहना चाहते हैं, तो अपने काम को एंजॉय करना होगा। निष्ठा ईमानदारी से काम करेंगे, तो ज्यादा कुछ मिले-न मिले, भरपूर सुकून जरूर मिलेगा। यह आपका सबसे बड़ा रिवॉर्ड होगा। इसके अलावा गलतियों से सबक लेने, कमियों को दूर करने और हमेशा कुछ नया सीखने की ललक रखेंगे, तो आपके आत्मविश्वास का स्तर ऊंचा रहेगा और आप मुश्किल से मुश्किल काम को भी उत्साह और हौसले से कर सकेंगे। इस राह पर चलकर तरक्की की सीढ़ियां भी चढ़ते जाएंगे।

इस तरह कर सकते हैं ग्रेजुएशन के बाद अमेरिका में जॉब

हाल ही में ग्रेजुएशन करने वालों के लिए अमेरिका में काम करने के लिए दो ऑप्शन हैं : ऑप्शनल प्रेक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) तथा एच1बी वीसा। ओपीटी ऐसे ताजा ग्रेजुएट्स के लिए एक कार्यक्रम है, जो अपनी पढ़ाई की फील्ड में कार्य अनुभव पाना चाहते हैं। इसके लिए दो शर्तें पूरी करना जरूरी है : पहली यह कि आपकी ओपीटी जॉब का सीधा संबंध आपकी डिग्री से होना चाहिए। मसलन, यदि आपने इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के रूप में डिग्री ली है, तो आप शेफ के रूप में नौकरी नहीं कर सकते। दूसरी शर्त यह है कि आपने जहां से डिग्री प्राप्त की है, वहां का कोई अधिकारी ओपीटी प्रोग्राम के लिए आपका नाम प्रस्तावित करे। इसलिए यह जरूरी है कि आप जहां से पढ़ाई कर रहे हैं, उस संस्थान के संपर्क में रहें और उससे अच्छे संबंध रखें। आम तौर पर ओपीटी 1 साल के लिए ही होता है। मगर यदि आपने साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग या गणित में डिग्री ली है, तो आप ओपीटी को अतिरिक्त 17 महीनों के लिए बढ़वा सकते हैं। एच1बी वीसा ऐसे लोगों के लिए है, जो किसी स्पेशिएलिटी ऑक्युपेशन में काम करते हैं। यह एक पिटिशन-बेस्ड वीसा है, यानी आपकी ओर से आपकी कंपनी इसके लिए यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) के समक्ष आवेदन करेगी। एच1बी वीसा प्राप्त करने के लिए आपको किसी यूएस एम्बेसी या कॉन्सुलेट में इंटरव्यू के लिए आना पड़ेगा। एच1बी वीसा पर आप अमेरिका में 3 साल तक काम कर सकते हैं। इसकी अवधि बढ़वाने के विकल्प भी हैं मगर कुल मिलाकर आप एच1बी वीसा पर अमेरिका में अधिकतम 6 वर्ष तक ही काम कर सकते हैं।

उत्साह और जुनून के साथ भरें देशभक्ति की उड़ान

भारतीय वायु सेना में करियर बनाने के लिए ऊर्जावान, उत्साही युवाओं की हमेशा मांग रहती है। क्या आप इस प्रोफाइल में फिट बैठते हैं। एयर फोर्स, यानी वायु सेना में करियर को प्रतिष्ठित माना जाता है और युवाओं में यह खासा लोकप्रिय भी है। इस फील्ड में यदि आप करियर बनाते हैं, तो आपका नाता देश सेवा, नवीनतम टेक्नोलॉजी और उत्कृष्ट शारीरिक मानसिक कौशल से होगा।

भारतीय वायु सेना को ऐसे युवाओं की जरूरत है, जो ऊर्जावान हों, पैशनेट हों, उत्साही हों और जो अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हों। मगर ध्यान रहे, एयर फोर्स का हिस्सा होने में खासे परिश्रम की जरूरत होती है। इसकी चयन प्रक्रिया बहुत कड़ी है। इसमें प्रेक्टिकल टेस्ट, रिटन टेस्ट, फिजिकल तथा मेडिकल टेस्ट, सायकोलॉजिकल टेस्ट, इंटरव्यू, ग्रुप टास्क आदि शामिल होते हैं।

कैसे हों शामिल

भारतीय वायु सेना में शामिल होने के लिए आपको राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) की प्रवेश परीक्षा में बैठना होगा। यदि आपकी उम्र साढ़े 16 साल से 19 साल है, आप भारतीय नागरिक हैं और आपने फिजिक्स तथा मैथ्स विषयों के साथ 12वीं पास की है, तो आप इस परीक्षा में बैठ सकते हैं। चयन के बाद उम्मीदवारों को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में 3 साल की गहन ट्रेनिंग दी जाती है। इसकी समाप्ति पर एयर फोर्स अकादमी में स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग होती है। ग्रेजुएट भी एयर फोर्स का हिस्सा बन सकते हैं। आरंभिक चयन के बाद शॉर्ट-लिस्ट किए गए उम्मीदवारों को एयर फोर्स ट्रेनिंग संस्थान में भेजा जाता है।

कौन-कौन सी ब्रांच

एयर फोर्स में करियर के अवसरों को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है : फ्लाइंग ब्रांच, टेक्निकल ब्रांच तथा ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच।

फ्लाइंग ब्रांच

इस ब्रांच में विभिन्न श्रेणियों के पायलटों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है। इस ब्रांच में आकर आपको उड़ान भरने के भरपूर मौके मिलेंगे। इसमें हैलिकॉप्टर पायलट, फाइटर पायलट तथा ट्रांसपोर्ट पायलट के रूप में ग्रेजुएट्स तथा पोस्ट ग्रेजुएट्स के लिए अनेक अवसर हैं। पायलट ट्रेनिंग हैदराबाद से 43 किलोमीटर दूर डंडीगल स्थित एयर फोर्स एकेडमी में दी जाती है। इस ब्रांच में शामिल होने के बाद आपको आपके डेजिग्जनेशन, ट्रेनिंग व अनुभव के आधार पर विभिन्न मिशनों का हिस्सा बनाया जाएगा।

टेक्निकल ब्रांच

एयर फोर्स की टेक्निकल ब्रांच अत्याधुनिक विमानों तथा शस्त्रों के सही संचालन को सुनिश्चित करती है। यह विमानों के मेंटेनेंस तथा सर्विसिंग और एयर फोर्स स्टेशन पर कम्युनिकेशन तथा सिग्नल से संबंधित कार्यों को करने के लिए क्रमश: मैकेनिकल तथा इलेक्ट्रॉनिक्स विभागों से एयरोनॉटिकल इंजीनियर्स को नियुक्त करती है।

ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच

यह ब्रांच मानव तथा अन्य संसाधनों का प्रबंधन कर वायु सेना का संचालन करती है। दरअसल यह एक ब्रांच न होकर इसमें अनेक ब्रांच समाहित हैं, जैसे : एडमिनिस्ट्रेशन ब्रांच, जिसके अधिकारी समस्त संसाधनों के कुशल प्रबंधन को सुनिश्चित करते हैं। इसके कुछ अधिकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोलर व फ्लाइट कंट्रोलर के रूप में भी काम करते हैं। इसी प्रकार अकाउंट्स ब्रांच में अकाउंट्स संबंधी तमाम काम किए जाते हैं। लॉजिस्टिक्स ब्रांच के अधिकारियों को कपड़ों से लेकर विमानों के पुर्जों तक तमाम तरह के सामान का प्रबंधन करना होता है। एजुकेशन ब्रांच के अधिकारी भविष्य के वायु सैनिकों को अच्छी से अच्छी शिक्षा तथा प्रशिक्षण सुनिश्चित करते हैं। मीटियॉरोलॉजी ब्रांच के अधिकारी उड़ान भर रहे पायलटों को गाइड कर उनकी उड़ान सुरक्षित करने में मदद करते हैं।